सबकी खबर, सब पर नजर

केलांचल टाईम्स

रांची से प्रकाशित

वर्ष : 01, अंक : 154 , कुल पेज : 12 | 7. 1.2026 | RNI NO:-JHHIN/25/A1170 | www.kelanchaltimes.in

ऊर्जा क्षेत्र में भारत का बड़ा कदमः पीएम मोदी ने कहा- हम उर्जा सेक्टर में आत्मनिर्भर बन रहे

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशाख रिफाइनरी में रेसिड्यू अपग्रेडेशन फैसिलिटी (आरयूएफ) के सफल संचालन की सराहना करते हुए इसे देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने वाला एक क्रांतिकारी कदम बताया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अत्याधुनिक प्लांट न केवल हमारी ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करेगा, बल्कि इस क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों को भी नई गति प्रदान करेगा।

विशाख रिफाइनरी में शुरू की गई यह सुविधा स्वदेशी इंजीनियरिंग और तकनीकी विशेषज्ञता का एक बेजोड़ उदाहरण है। इस प्लांट की सबसे बड़ी खासियत इसके तीन एलसी-मैक्स रिएक्टर हैं, जिनका कुल वजन लगभग 2,200 मीट्रिक टन है। ये रिएक्टर दुनिया के सबसे भारी इंजीनियरिंग ब्लॉकों में गिने जाते हैं। सबसे गर्व की बात यह है कि इन विशालकाय ब्लॉकों का निर्माण और असेंबलिंग पूरी तरह से भारत में ही की गई है, जो मेक इन इंडिया की सफलता को दर्शाता है।

तकनीकी दृष्टि से यह प्लांट बेहद उन्नत है। 3.55 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) की क्षमता वाली यह सुविधा एडवांस्ड रेसिड्यू हाइड्रोक्रैकिंग टेक्नोलॉजी पर आधारित है। इस तकनीक के माध्यम से कच्चे तेल के सबसे निचले और भारी हिस्से (रेसिड्यू) का लगभग 93 प्रतिशत हिस्सा उच्च-मूल्य वाले उत्पादों और उपयोगी ईंधन में बदला जा सकता है। इससे पहले, तेल का यह हिस्सा कम कीमत वाले अवशेष के रूप में बच जाता था, लेकिन अब इस नई तकनीक से हर बैरल कच्चे तेल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हो सकेगा। इस परियोजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के दूरदर्शी नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक निर्णायक मील का पत्थर माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के इंफ्रास्ट्रक्चर से न केवल देश की बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी, बल्कि कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता भी कम होगी। यह रिफाइनरी अब कच्चे तेल को साफ करने के पारंपरिक तरीकों को पीछे छोड़ते हुए आधुनिक और कुशल उत्पादन की नई मिसाल पेश कर रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 18 जनवरी को आएंगे असम, एलिवेटेड कॉरिडोर का करेंगे शिलान्यास

एजेंसी, गुवाहाटी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 18 जनवरी को असम के दौरे पर आएंगे। इस दौरान वे कलियाबर के मौचंदा मैदान में प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना का शिलान्यास करेंगे। इसकी जानकारी असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने मंगलवार को दी। मुख्यमंत्री सरमा ने बताया कि यह एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना कलियाबर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास को नई गति प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना राज्य सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए किए जा रहे व्यापक प्रयासों का अहम हिस्सा है। डॉ. सरमा ने यह भी बताया कि बिहू और झुमइर नृत्य के रिकॉर्ड प्रदर्शन के बाद अब राज्य सरकार बागुरुम्बा नृत्य के माध्यम से एक और सांस्कृतिक उपलब्धि हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इस क्रम में सरुसजाई स्टेडियम में प्रधानमंत्री की उपस्थिति में करीब 10 हजार कलाकार बागुरुम्बा नृत्य का सामूहिक प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि इस भव्य सांस्कृतिक आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इसके लिए गुवाहाटी में 400 से अधिक मास्टर ट्रेनरों द्वारा कलाकारों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि कार्यक्रम का आयोजन सुव्यवस्थित और उच्च स्तर का हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ रही हिंसाः 24 घंटों में दो और हत्याओं से दहशत

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ जारी हिंसा का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले 24 घंटों के भीतर दो हिंदू व्यक्तियों की नृशंस हत्याओं ने पूरे देश में सांप्रदायिक तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है। ताजा घटनाओं में एक किराना व्यवसायी और एक बर्फ फैक्ट्री के मालिक सह पत्रकार को निशाना बनाया गया है। ये हत्याएं पिछले 18 दिनों में हिंदू समुदाय के सदस्यों की लक्षित हत्याओं (टारगेट किलिंग) की श्रृंखला की छठी कड़ी हैं, जिसने स्थानीय अल्पसंख्यकों के बीच असुरक्षा और भय की गहरी लहर पैदा कर दी है।

पहली घटना सोमवार रात करीब 10 बजे नरसिंगड़ी जिले के पलाश उपजिला स्थित चोरसिंदूर बाजार में घटी। यहाँ अपनी किराना दुकान चलाने वाले 40 वर्षीय शरत चक्रवर्ती मणि (जिन्हें मोनी चक्रवर्ती के नाम से भी जाना जाता है) पर अज्ञात हमलावरों ने उस समय हमला किया जब वे दुकान पर थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने धारदार हथियारों से उन पर ताबड़तोड़ प्रहार किए और फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल मणि को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। राजधानी ढाका के इतने निकट हुई इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह हमला पूरी तरह से धार्मिक पहचान के कारण किया गया था। इससे कुछ ही घंटे पहले सोमवार शाम करीब 6 बजे जशोर जिले के मणिरामपुर उपजिला में एक अन्य सनसनीखेज वारदात हुई। यहाँ के कोपालिया बाजार में 45 वर्षीय राणा प्रताप बैरागी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। राणा प्रताप एक बर्फ फैक्ट्री के मालिक होने के साथ-साथ एक स्थानीय समाचार पत्र के कार्यकारी संपादक भी थे। बताया जा रहा है कि मोटरसाइकिल पर सवार कुछ हमलावर उनकी फैक्ट्री पहुंचे और उन्हें बातचीत के बहाने बाहर बुलाया। इसके बाद उन्हें एक सुनसान गली में ले जाया गया, जहाँ बहस के बाद उनके सिर में कई गोलियां मार दी गईं और उनका गला रेत दिया गया। पुलिस ने घटनास्थल से सात खाली कारतूस बरामद किए हैं और पुष्टि की है कि उनके सिर में तीन गोलियां लगी थीं।

पिछले 18 दिनों का घटनाक्रम बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति की भयावह तस्वीर पेश करता है। हिंसा का यह दौर 18 दिसंबर 2025 को मयमनसिंह में दीपू चंद्र दास की पीट-पीटकर और जलाकर की गई हत्या से शुरू हुआ था। इसके बाद 24 दिसंबर को राजबारी में अमृत मंडल, 30 दिसंबर को गारमेंट फैक्ट्री में कार्यरत बजेंद्र बिस्वास और 31 दिसंबर को शरियतपुर में खोकन चंद्र दास पर जानलेवा हमले हुए, जिसमें खोकन की इलाज के दौरान मौत हो गई।

संक्षिप्त सामाचार

एसआईआर को लेकर सीएम ममता बनर्जी सुप्रीम कोर्ट में खुद करेंगी पैरवी!

एजेंसी, कोलकाता । पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा है कि राज्य में एसआईआर के कारण लोगों को हो रही परेशानी के खिलाफ वह सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकती हैं, क्योंकि

उन्होंने विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग के साथ अपना टकराव और तेज कर दिया है। ममता ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम कानूनी सहायता ले रहे हैं। बहुत से लोग मारे गए हैं। लोगों को परेशान किया जा रहा है। कल जब अदालतें खुलेंगी, तो हम इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे। जरूरत पड़ने पर मैं सुप्रीम कोर्ट में खुद पैरवी करने की अनुमति मांगूंगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया से जुड़े भय, उत्पीड़न और प्रशासनिक मनमानी के कारण कई लोगों की मौत हुई है और कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। उन्होंने कहा कि हम एसआईआर के कारण हुए अमानवीय व्यवहार और इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौत के खिलाफ अदालत में याचिका दायर करेंगे। यदि अनुमति मिली तो मैं भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर एक आम नागरिक के रूप में इस अमानवीय प्रक्रिया के खिलाफ आवाज उठाऊंगी। मैं एक प्रशिक्षित वकील भी हूं। हालांकि, बनर्जी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि याचिका वह दायर करेंगी।

सोनिया गांधी फिर अस्पताल में भर्ती, चेस्ट फिजिशियन की देखरेख में रखा

एजेंसी, नई दिल्ली । कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को मंगलवार को फिर दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल के अधिकारियों के मुताबिक सोनिया गांधी की हालत स्थिर है और वह बेहतर महसूस कर रही हैं। उन्हें चेस्ट फिजिशियन की देखरेख में रखा गया है। डॉक्टरों का कहना है कि उन्हें नियमित जांच और निगरानी के लिए ऑब्जर्वेशन में रखा गया है और चिंता की कोई बात नहीं है। मीडिया रिपोर्ट में अस्पताल के सूत्र ने बताया कि नियमित जांच के तहत उन्हें भर्ती कराया गया है। सोनिया गांधी को खांसी की समस्या है और वह समय-समय पर, खासकर शहर में प्रदूषण के कारण जांच के लिए आती रहती हैं। सोनिया गांधी ने दिसंबर 2025 में ही अपना 79वां जन्मदिन मनाया था। सोनिया गांधी को हाल के सालों में स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ा है। कुछ महीने पहले, उन्हें पेट की समस्या के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फरवरी में उन्हें एक दिन के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था, इस दौरान वह गैस्ट्रोएंटरोलॉजी स्पेशलिस्ट की देखरेख में रही थीं। इससे पहले 19 जून को सोनिया गांधी को पेट की बीमारी के इलाज के बाद दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। 79 साल की सीनियर नेता को 15 जून को पेट में इन्फेक्शन से जुड़ी शिकायतों के बाद भर्ती कराया गया था। 7 जून को भी कांग्रेस नेता हिमाचल प्रदेश के शिमला में इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल गई थीं, उन्हें कुछ मामूली स्वास्थ्य समस्याओं के कारण रूटीन हेल्थ चेक-अप के लिए लाया गया था, यह जानकारी हिमाचल प्रदेश के सीएम के प्रिंसिपल एडवाइजर ने दी थी। सितंबर 2022 में सोनिया गांधी मेडिकल चेक-अप के लिए यूनाइटेड स्टेट्स गई थीं, यह दौरा कोविड-19 महामारी के कारण टाल दिया गया था।

रूसी तेल आयात पर छिड़ा विवादः रिलायंस ने दावों को किया खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक संबंधों में हाल के दिनों में तल्खी देखने को मिली है। अमेरिकी प्रशासन ने भारत द्वारा रूसी तेल के आयात को लेकर अपना रुख कड़ा कर लिया है, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय उत्पादों पर टैरिफ यानी आयात शुल्क बढ़ाने की चेतावनी दी गई है। इसी भू-राजनीतिक गहमागहमी के बीच, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की जामनगर रिफाइनरी को लेकर मीडिया में आई एक रिपोर्ट ने विवाद को और हवा दे दी है। हालिया दावों में कहा गया था कि रूसी कच्चे तेल की बड़ी खेपें रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी की ओर बढ़ रही हैं। हालांकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इन खबरों का पुरजोर खंडन किया है और इन्हें पूरी तरह से निराधार और भ्रामक करार दिया है। कंपनी ने एक आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि पिछले तीन सप्ताहों से उनकी किसी भी रिफाइनरी पर रूसी कच्चे तेल की कोई खेप नहीं पहुंची है। इसके साथ ही, कंपनी ने यह भी साफ कर दिया है कि जनवरी के पूरे महीने में भी रूस से किसी भी तरह की तेल डिलीवरी होने की कोई संभावना या योजना नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मामले में स्पष्ट संकेत दिए हैं कि यदि भारत अपनी ऊर्जा और व्यापार नीतियों को अमेरिका की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं ढालता है, तो वे भारतीय सामानों पर बहुत जल्द भारी टैरिफ लगा सकते हैं।

पूर्वी चंपारण पहुंचा दुनिया का सबसे विशाल शिवलिंग, दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

एजेंसी, पूर्वी चंपारण

बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के कल्याणपुर प्रखंड के कैथवलिया में बन रहे विराट रामायण मंदिर में स्थापित होने वाले भगवान शिव का विराट शिवलिंग गंडक नदी पर बने डुमरियाघाट पुल होकर जिला की सीमा में पहुंच गया। इस अवसर पर कड़ाके की ठंढ में हजारो की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने हर हर महादेव के नारो के साथ शिवलिंग का दर्शन और पूजन किया। शिवलिंग डुमरियाघाट पुल से जैसे ही आगे बढी नरसिंह बाबा मंदिर, दुबौली चौक, रामपुर खजुरिया चौक और हुसैनी बाजार तक सड़क के दोनों ओर श्रद्धालुओं की भीड़ खड़ी रही। जगह-जगह फूल मालाओं से माताओ, बुर्जुगो और नौजवानो ने बाबा भोलेनाथ का स्वागत किया। सोमवार देर शाम शिवलिंग डुमरियाघाट पुल के समीप पहुंचा, जहां श्रद्धालुओं ने विधिवत दर्शन किए। इसके बाद दुबौली चौक और रामपुर खजुरिया चौक पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ी। राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर एक ओर का यातायात अस्थायी रूप से रोक दिया गया। इस मौके पर एनएचएआई की टीम के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहे। इस ऐतिहासिक क्षण का फोटो और वीडियो बनाने के लिए लोगो में काफी होड़ देखी गई। उल्लेखनीय है, कि तमिलनाडु के महाबलीपुरम में निर्मित दुनिया के सबसे विराट शिवलिंग लगभग 210 मीट्रिक टन वजनी और 33 फीट ऊंची है, जिसे लाने के लिए 96 पहियों वाले विशेष ट्रक का उपयोग किया गया है। इस शिवलिंग को खरमास के बाद विशेष पूजन के उपरांत विराट रामायण मंदिर में स्थापित किया जायेगा।

रोहिणी आचार्य ने बेटे आदित्य के सैन्य प्रशिक्षण में जाने पर जताया गर्व

एजेंसी, पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने अपने बड़े बेटे आदित्य के सैन्य

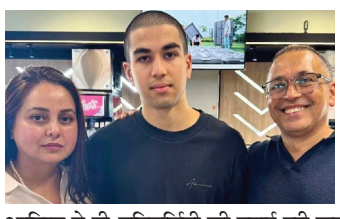

प्रशिक्षण शुरू करने पर सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट साझा किया। आदित्य ने प्री-यूनिवर्सिटी की पढ़ाई पूरी करने के बाद 18 साल की उम्र में दो साल की बेसिक मिलिट्री ट्रेनिंग के लिए कदम रखा है। पोस्ट में रोहिणी ने लिखा कि उनका दिल गर्व से भरा है और आदित्य बहादुर, साहसी व अनुशासित है। उन्होंने अपने बेटे को जीवन की कठिन लड़ाइयों में योद्धा बनने की प्रेरणा देते हुए कहा कि उनका पूरा परिवार हमेशा उसका समर्थन करेगा। सोशल मीडिया पर यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है। यूजर्स ने आदित्य के साहस की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। आदित्य का यह कदम कई युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन सकता है।

मुजफ्फरपुर में मिलिट्री स्पेशल ट्रेन पर लदा ट्रक ओएचई से टकराया, आग लगने से रेल परिचालन बाधित

एजेंसी, मुजफ्फरपुर

बिहार के मुजफ्फरपुर शहर में मंगलवार तड़के एक बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया। माड़ीपुर के पास मोतिहारी की ओर जा रही मिलिट्री स्पेशल ट्रेन पर लदा एक ट्रक ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) से टकरा गया। टक्कर के तुरंत बाद ट्रक में आग लग गई और ओएचई को गंभीर क्षति पहुंची, जिससे इलाके में रेल परिचालन पूरी तरह ठप हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के समय ट्रक ओएचई के काफी करीब चला गया था। जैसे ही ट्रक विद्युत तारों के संपर्क में आया, उसमें आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि कुछ देर के लिए आसपास अफरातफरी मच गई। हालांकि, ट्रेन में सवार सैन्य जवानों ने सूझबूझ दिखाते हुए अपने अग्निशमन यंत्रों की मदद से आग पर काबू पा लिया। इस घटना में ट्रक को ढकने वाला तिरपाल और कुछ कुर्सियां जल गईं, लेकिन किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आग लगने की वजह से ओएचई टूट गया और संबंधित सेक्शन में विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। सूचना मिलते ही रेलवे के ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन विभाग (टीआरडी), रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और गवर्नमेंट रेलवे पुलिस (जीआरपी) की टीमें मौके पर पहुंचीं और मरम्मत कार्य शुरू किया गया। स्थिति को संभालते हुए रेलवे ने मिलिट्री स्पेशल ट्रेन में डीजल इंजन लगाकर उसे आगे के लिए रवाना किया।

लीगल राइट्स ऑब्जर्वेटरी नामक एक कार्यकर्ता ग्रुप ने शिकायत दर्ज कराई

एजेंसी, नई दिल्ली

वर्ष 2010 में तत्कालीन रेल मंत्री ममता बनर्जी के कार्यकाल में लागू की गई रेलवे कैटरिंग नीति एक बार फिर विवादों में आ गई है। आरोप है कि उस समय रेलवे के खान-पान स्टॉल और कैंटीन के संचालन की ठेकेदारी से जुड़ी आईआरसीटीसी की टेंडर प्रक्रिया में नीति स्तर पर बदलाव कर अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुसलमानों, को 9.5 फीसदी तक आरक्षण दिया गया था। इस मुद्दे को लेकर लीगल राइट्स ऑब्जर्वेटरी नामक एक कार्यकर्ता ग्रुप ने शिकायत दर्ज कराई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिकायत में कहा गया है कि यह आरक्षण तुष्टिकरण की नीति के तहत किया गया प्रतीत होता है और यह संविधान की भावना के अनुरूप नहीं है। साथ ही आरोप लगाया गया है कि इस फैसले के कारण एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के अधिकारों में कटौती हुई, जो उनके संवैधानिक अधिकारों पर अतिक्रमण जैसा है। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो की अध्यक्षता वाली पीठ ने रेलवे बोर्ड को नोटिस जारी किया है। आयोग ने रेलवे बोर्ड से इस पूरे मामले की जांच करने और विधिसम्मत उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

वर्ष 2009-10 के रेल बजट भाषण में तत्कालीन रेल मंत्री ममता बनर्जी ने रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में बेहतर गुणवत्ता का भोजन, साफ पीने का पानी, स्वच्छ शौचालय और सफाई सुनिश्चित करने की घोषणा की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि जन आहार की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी और राष्ट्रीय और क्षेत्रीय व्यंजनों को रेलवे कैटरिंग में शामिल किया जाएगा।

भारत-बांग्लादेश सीमा की सुरक्षा मजबूत : 75 प्रतिशत हिस्से में लगी नई डिजाइन वाली अभेद्य बाड़

एजेंसी, नई दिल्ली

पड़ोसी देश बांग्लादेश में व्याप्त अस्थिरता और सुरक्षा चुनौतियों के बीच भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को चरम स्तर पर पहुंचा दिया गया है। विशेष रूप से सामरिक रूप से अत्यंत संवेदनशील चिकन नेक यानी सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा को चाक-चौबंद करने के लिए सीमा सुरक्षा बल ने बड़े पैमाने पर कदम उठाए हैं। इस रणनीतिक गलियारे के लगभग 75 प्रतिशत इलाके में अब नई डिजाइन की सीमा बाड़ स्थापित कर दी गई है, जो घुसपैठ और तस्करी जैसी अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने में एक मील का पत्थर साबित हो रही है। करीब 12 फीट ऊंची यह विशेष बाड़ तकनीक और मजबूती का बेजोड़ संगम है। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि इसे काटना या पार करना लगभग नामुमकिन है। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, पुरानी बाड़ के मुकाबले इसे क्षति पहुँचाने में कई मिनटों का समय लगता है, जिससे सुरक्षा बलों को त्वरित प्रतिक्रिया देने का पर्याप्त समय मिल जाता है। चिकन नेक क्षेत्र भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह संकरा गलियारा शेष भारत को उत्तर-पूर्वी राज्यों से जोड़ता है। इसकी सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक पूरे पूर्वोत्तर की कनेक्टिविटी को प्रभावित कर सकती है, यही कारण है कि यहाँ तकनीक और मानव संसाधन दोनों का समन्वय कर एक स्मार्ट बॉर्डर विकसित की जा रही है। फिजिकल फेंसिंग के अलावा, सीमा की निगरानी के लिए अत्याधुनिक पैन-टिल्ट-जूम कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे दिन और रात के समय रीयल-टाइम लाइव फीड प्रदान करते हैं, जिससे नियंत्रण कक्ष में बैठे अधिकारी हर छोटी हलचल पर नजर रख पाते हैं। साथ ही, एरिया डोमिनेशन प्लान के तहत सुरक्षा बलों ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। अब सुरक्षा दल न केवल सीमा रेखा पर तैनात रहते हैं, बल्कि तस्करी की कड़ियों को तोड़ने के लिए भारतीय क्षेत्र के भीतर कई किलोमीटर तक छापेमारी कर रहे हैं। विशेष रूप से मवेशी तस्करी के उन अड्डों को निशाना बनाया जा रहा है, जहाँ सीमा पार ले जाने से पहले सामान इकट्ठा किया जाता है।

पंजाब सीएम ने किया अकाल तख्त का बार-बार अनादर, पद से दें तुरंत इस्तीफाः सिंह

एजेंसी, नई दिल्ली : बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने पंजाब के सीएम भगवंत मान को लेकर कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब के सचिवालय ने सीएम को तलब किया जाना कोई सामान्य या औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह सिख पंथ की सर्वोच्च तख्त संस्था और सिख रहत मर्यादा के प्रति बार-बार किए गए अनादर का असाधारण और गंभीर आरोप हैं। एक्स पर एक पोस्ट में आरपी सिंह ने कहा कि भले ही सोशल मीडिया पर प्रसारित कुछ वीडियो की पुष्टि न हुई हो, लेकिन सीएम मान के अपने शब्द और आचरण ही सिख समुदाय की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाने के लिए पर्याप्त हैं। उन्होंने साफ कहा कि कोई भी कॉमेडी, नशा या घमंड सिख पंथ की सर्वोच्च लौकिक सत्ता के प्रति अनादर को सही नहीं ठहरा सकता। बीजेपी प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि एक ऐसा सीएम जो आस्था का मजाक उड़ाए, सिख संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास करे और फिर संवैधानिक पद की आड़ लेकर जवाबदेही से बचे, वह पंजाब का शासन करने के योग्य नहीं है। उन्होंने इसे सत्ता का दुरुपयोग करार दिया और कहा कि इस तरह का व्यवहार न केवल निंदनीय है बल्कि राज्य की गरिमा के भी खिलाफ है।

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में 80 नए चेहरों को टिकट देने के बयान मची हलचल

एजेंसी, लुधियाना । पंजाब कांग्रेस में चल रही गुटबाजी के बीच प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने बड़ा राजनीतिक दांव चलते हुए पार्टी में नई बहस छेड़ दी है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर 80 नए चेहरों को टिकट देने के उनके बयान ने जहां युवा और महिला नेताओं में नई उम्मीद जगाई है, वहीं पार्टी के कई दिग्गज नेताओं की बेचैनी बढ़ा दी है। राजा वड़िंग के बयान के बाद पार्टी के युवा नेता खुलकर उनके समर्थन में सामने आ गए हैं। युवाओं का मानना है कि कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। सोशल मीडिया पर भी राजा वड़िंग के समर्थन में लगातार पोस्ट सामने आ रही हैं, जहां इस पहल को राहुल गांधी की सोच से जोड़कर देखा जा रहा है। पंजाब यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मोहित मोहिंद्रा ने कहा कि राहुल गांधी हमेशा युवाओं को राजनीति में अवसर देने की बात करते रहे हैं और अब राजा वड़िंग ने उसी सोच को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि कई युवा इस वजह से राजनीति से दूरी बनाए हुए थे कि उन्हें कभी मौका नहीं मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

एकजुट होकर नगर निकाय चुनाव लड़ेगा झामुमो : जुबैर

खूंटी। आसन्न नगर निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की समीक्षा बैठक मंगलवार को जिला कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के जिला अध्यक्ष जुबैर अहमद ने की। बैठक में चुनावी रणनीति, संगठन की मजबूती और जनसंपर्क अभियान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष जुबैर अहमद ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि झामुमो नगर निकाय चुनाव पूरी मजबूती, एकजुटता और जमीनी स्तर पर सक्रियता के साथ लड़ेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत किया जाए। सभी प्रखंड और वार्ड प्रभारियों से बूथ कमेटियों के पुनर्गठन और सक्रिय और कर्मठ कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपने को कहा गया। साथ ही घर-घर जाकर जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्देश दिया गया, ताकि सरकार की प्रमुख योजनाओं जैसे मैया सम्मान योजना और बिजली बिल माफी की जानकारी आम जनता तक पहुंचाई जा सके। बैठक में निर्णय लिया गया कि नगर निकाय चुनाव में वार्ड स्तर पर लोकप्रिय, ईमानदार और सेवाभावी उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। जिला अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को आगाह करते हुए कहा कि विपक्षी दलों की ओर से फैलाए जा रहे भ्रामक प्रचार का जवाब तथ्यों के साथ दिया जाए और जनता के बीच रहकर उनकी स्थानीय समस्याओं का त्वरित समाधान कराया जाए। बैठक में जिला केंद्रीय सदस्य वीरेन कंडुलना, मकसूद अंसारी, भोलानाथ लाल, अमरनाथ मुंडा, सचिव सुशील पाहन, उपाध्यक्ष सनिका बोदरा, गुलशन सिंह मुंडा, संगठन सचिव शंकर सिंह मुंडा, प्रवक्ता तौकीर आलम, संगठन सचिव प्रदीप केशरी युवा मोर्चा उपाध्यक्ष राहुल सहित अन्य मौजूद थे।

एचईसी मजदूरों को तीन माह काम के बाद सिर्फ 15 दिन का वेतन, एटक ने सरकार और भेल प्रबंधन पर जताई नाराजगी

रांची। हटिया कामगार यूनियन (एटक) के उपाध्यक्ष लालदेव सिंह ने एचईसी (हैवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन) को लेकर केंद्र सरकार और एचईसी में कार्यरत भेल प्रबंधन की नीतियों पर कड़ी नाराजगी जताई है। मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने आरोप लगाया कि मजदूरों को बकाया वेतन और नियमित भुगतान का भरोसा देकर काम पर बुलाया गया, लेकिन लगातार तीन माह काम कराने के बाद केवल 15 दिनों का वेतन दिया गया। लालदेव सिंह ने सवाल उठाया कि यह कैसा न्याय है, जब एचईसी के मजदूर और कर्मचारी लगभग 35 माह (करीब तीन वर्ष) से वेतन के बिना जीवन यापन करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से वेतन न मिलने के कारण कर्मचारी गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। वेतन भुगतान की मांग को लेकर संघर्ष के दौरान कई कर्मचारियों की मौत हो चुकी है, जबकि अनेक कर्मचारी ठेला-खोमचा लगाने या रोजी-रोटी की तलाश में पलायन करने को विवश हुए हैं। उन्होंने कहा कि मजदूरों को झांसा देकर तीन महीने काम कराना और बदले में सिर्फ 15 दिन का वेतन देना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि इससे न तो मजदूरों का गुजारा संभव है और न ही संस्थान का नियमित संचालन हो सकता है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर एचईसी प्रबंधन इस तरह के फैसलों से क्या साबित करना चाहता है। एटक उपाध्यक्ष ने यह भी बताया कि पिछले पांच वर्षों से केंद्र सरकार ने एचईसी के पुनरुद्धार की जिम्मेदारी भेल प्रबंधन को सौंपी थी। उस समय कर्मचारियों को उम्मीद थी कि भेल के आने से एचईसी की आर्थिक स्थिति सुधरेगी, लेकिन इसके उलट हालात और खराब होते चले गए। भेल के कार्यभार संभालने के बाद एचईसी का आर्थिक संकट गहराया और कर्मचारियों का वेतन बकाया बढ़कर लगभग तीन साल तक पहुंच गया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के सामने आज भुखमरी, बच्चों की पढ़ाई-लिखाई बाधित होने और रोजी-रोटी पर संकट जैसी गंभीर समस्याएं खड़ी हो गई हैं, लेकिन इसके बावजूद सरकार और प्रबंधन कर्मचारियों की पीड़ा के प्रति संवेदनशील नजर नहीं आ रहे हैं। लालदेव सिंह ने केंद्र सरकार से मांग की कि वह एचईसी के मजदूरों और कर्मचारियों के साथ न्याय करे, बकाया वेतन भुगतान के लिए एचईसी को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराए और संस्थान को बचाने के साथ-साथ कामगारों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए ठोस व प्रभावी कदम उठाए।

झारखंड पशुचिकित्सा परिषद के निबंधक डॉ. सेमसन संजय टोप्पो ने किया पदभार ग्रहण

रांची। झारखंड पशुचिकित्सा सेवा संघ (जेवीएसए) के अध्यक्ष डॉ. सेमसन संजय टोप्पो ने मंगलवार को झारखंड पशुचिकित्सा परिषद (जेवीसी) के निबंधक के रूप में औपचारिक रूप से प्रभार ग्रहण किया। इस अवसर पर संघ और परिषद से जुड़े चिकित्सकों ने उनका स्वागत किया और बधाई दी। प्रभार ग्रहण करने के बाद डॉ. सेमसन संजय टोप्पो ने कहा कि वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने बताया कि निबंधक के रूप में उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी आगामी तीन माह के भीतर झारखंड पशुचिकित्सा परिषद की चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराना होगी। डॉ. टोप्पो ने झोलाछाप पशु चिकित्सकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने के संकेत देते हुए कहा कि कुछ लोग चंद पैसों के लालच में पशुओं के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं और डॉक्टर बनकर आम लोगों को ठगने का काम कर रहे हैं। ऐसे अवैध और अपंजीकृत पशु चिकित्सकों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर जेवीएसए के महामंत्री और कार्यकारिणी सदस्यों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। संघ की ओर से कहा गया कि उन्हें पूरा विश्वास है कि डॉ. सेमसन संजय टोप्पो अपने कार्यकाल में बेहतर कार्य करेंगे और हर कदम पर जेवीएसए की कार्यकारिणी उनके साथ खड़ी रहेगी। झारखंड पशुचिकित्सा परिषद के अधीक्षक तकनीकी डॉ. जेनेट भगत ने परिषद से जुड़ी गतिविधियों और भावी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निबंधक का पद पिछले छह माह से रिक्त था और आज इस पद का भरना परिषद के लिए खुशी की बात है। कार्यक्रम में डॉ. कविंद्र नाथ सिंह, डॉ. मनोज कुमार मनी, डॉ. दीपक उराव, डॉ. अंशु टोप्पो, डॉ. प्रतिमा, डॉ. राखी टोप्पो, डॉ. अमित, डॉ. पंकज, डॉ. रोजलीन, डॉ. निशि किरण वर्मा, डॉ. महिमा, डॉ. विजयंत, डॉ. अभिनव, डॉ. दीप्ती मिंज, डॉ. तनवीर अख्तर सहित कई अन्य पशु चिकित्सक और परिषद के सदस्य उपस्थित रहे।

युवक की हत्या का 24 घंटे में पुलिस ने किया खुलासा, तीन आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

टेल्को थाना क्षेत्र में जुगसलाई निवासी युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर घटना का खुलासा करते हुए वारदात में शामिल चार अभियुक्तों में से तीन को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं एक फरार अभियुक्त की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। टेल्को थाना क्षेत्र के खरकाई रोड स्थित बाउंड्री वॉल के भीतर झाड़ियों से युवक का शव मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया था। मृतक की पहचान जुगसलाई निवासी सोहेल अली के रूप में हुई थी, जिसकी धारदार हथियार से हत्या की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के निर्देश पर सिटी एसपी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। इस टीम का नेतृत्व सिटी डीएसपी कर रहे थे। लगातार तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस ने जिन तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है उनमें बिरसानगर जोन नंबर छह निवासी ऋषि दलाई, जसबीर सिंह उर्फ जस्सू और लवप्रीत सिंह गिल शामिल हैं। पुलिस के अनुसार ऋषि दलाई का पूर्व से आपराधिक इतिहास भी रहा है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर एक चाइनीज चापड़, दो अन्य धारदार हथियार और एक मोबाइल फोन बरामद किया है, जिन्हें हत्या में प्रयुक्त किया गया था। मंगलवार को सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने प्रेस वार्ता कर पूरे मामले का खुलासा किया। सिटी एसपी ने बताया कि मृतक सोहेल अली और गिरफ्तार अभियुक्त आपस में दोस्त थे और साथ में मादक पदार्थ का सेवन किया करते थे। कुछ समय पहले मृतक ने अभियुक्तों को जुगसलाई बुलाकर उनके साथ मारपीट की थी। इसके अलावा हाल ही में मादक पदार्थ सेवन के दौरान सोहेल का मोबाइल फोन खो गया था, जिसे लेकर उसे शक था कि अभियुक्तों ने ही उसका मोबाइल चोरी की है। इसी बात को लेकर वह लगातार अभियुक्तों को धमकी दे रहा था। पुलिस के अनुसार, पूर्व की मारपीट और लगातार मिल रही धमकियों से आक्रोशित होकर अभियुक्तों ने बदला लेने की योजना बनाई। इसके तहत सोहेल को बहाने से टेल्को क्षेत्र में बुलाया गया और वहां धारदार हथियार से उसकी हत्या कर शव को झाड़ियों में फेंक दिया गया। फिलहाल पुलिस फरार चौथे अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

झारखंड के 17 जिलों में 07 जनवरी तक शीतलहर का अलर्ट

एजेंसी। रांची

झारखंड में ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग ने राज्य के 17 जिलों में 07 जनवरी तक कहीं-कहीं शीतलहर चलने की संभावना जताई है। इसे लेकर मंगलवार को येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, शीतलहर का असर राज्य के मध्यवर्ती, दक्षिणी और पश्चिमी जिलों में अधिक देखने को मिलेगा। जिन जिलों में अलर्ट जारी किया गया है, उनमें रांची, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, गुमला, धनबाद, कोडरमा और बोकारो के साथ ही पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां शामिल है। इसके अलावा गढ़वा, पलामू, लातेहार और चतरा जिले के लोगों को भी शीतलहर सताएगी। मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण बना निम्न दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश के आसपास सक्रिय है। उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में हो रही भारी बर्फबारी के चलते ठंडी और नमीयुक्त हवाएं मध्यवर्ती व उत्तरी राज्यों में प्रवेश कर रही हैं। इसी कारण झारखंड समेत कई राज्यों में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। पिछले 24 घंटे में राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 24.8 डिग्री सेल्सियस, जबकि सबसे कम तापमान गुमला में 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार को रांची में अधिकतम तापमान 18.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री, जमशेदपुर में 23.4 और 9.3 डिग्री, डालटेनगंज में 17.6 और 4.6 डिग्री, बोकारो में 20.2 और 6.7 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 24.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने लोगों से शीतलहर के दौरान सावधानी बरतने, सुबह-शाम अनावश्यक बाहर निकलने से बचने और बुजुर्गों व बच्चों का विशेष ध्यान रखने की अपील की है। आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया गया है।

हाथियों की विचरण के कारण रेल सेवाएं प्रभावित, 7 से 9 जनवरी तक कई मेमू और पैसेंजर ट्रेनें रद्द

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत विभिन्न रेलखंडों में जंगली हाथियों की लगातार विचरण के कारण रेल परिचालन पर असर पड़ा है। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने 7 जनवरी 2026 से 9 जनवरी 2026 तक कई मेमू (मुख्य विद्युत मल्टीपल यूनिट) और पैसेंजर (यात्री) ट्रेनों को अस्थायी रूप से रद्द करने का निर्णय लिया है। मंगलवार को रेलवे अधिकारियों के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार टाटानगर, चक्रधरपुर, गुआ, राउरकेला और आसपास के वन क्षेत्रों से सटे रेल मार्गों पर हाथियों के झुंड के बार-बार रेल पटरी पर आने की सूचना मिल रही है। इससे किसी भी समय रेल दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। इसी वजह से एहतियातन कुछ लोकल रेल सेवाओं को रोकने का फैसला लिया गया है, ताकि यात्रियों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इस अवधि के दौरान टाटानगर–बरबिल–टाटानगर मेमू, चक्रधरपुर–टाटानगर–खड़गपुर–टाटानगर–चक्रधरपुर मेमू, टाटानगर–गुआ–टाटानगर मेमू, टाटानगर–राउरकेला–टाटानगर मेमू, झारसुगुड़ा–हटिया–झारसुगुड़ा मेमू तथा बड़ामपहाड़–बांगिरिपोसी–बड़ामपहाड़ यात्री ट्रेन का परिचालन पूरी तरह से रद्द रहेगा। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा पर निकलने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी संबंधित रेलवे स्टेशन, पूछताछ केंद्र या रेलवे की अधिकृत सूचना माध्यमों से अवश्य प्राप्त कर लें। अचानक यात्रा करने वाले यात्रियों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। रेलवे और वन विभाग की संयुक्त टीम लगातार प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी कर रही है। हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है, ताकि स्थिति सामान्य होने पर जल्द से जल्द रेल सेवाओं को बहाल किया जा सके। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और ट्रैक सुरक्षित होने के बाद ही ट्रेनों का संचालन दोबारा शुरू किया जाएगा।

रांची स्थित बिरसा मुंडा जेल में कैदियों के नाचते वीडियो पर हाई कोर्ट सख्त, मांगी रिपोर्ट

एजेंसी। रांची

रांची स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार (होटवार) में बंद कैदियों का डांस करते हुए वीडियो वायरल होने के मामले को लेकर दायर जनहित याचिका पर झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान न्यायालय जेल प्रशासन और राज्य सरकार के जवाब से असंतुष्ट नजर आया। मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार की ओर से दाखिल हलफनामे को अधूरा करार देते हुए कहा कि केवल निचले स्तर के कर्मचारियों (वार्डन या सहायक जेलर) को निलंबित करना पर्याप्त नहीं है। अदालत ने सवाल उठाया कि जेल सुरक्षा में इतनी गंभीर चूक के लिए अब तक जेल अधीक्षक और जेल महानिरीक्षक की जवाबदेही क्यों तय नहीं की गई? खंडपीठ ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि जेल परिसर के भीतर मोबाइल फोन और इंटरनेट की उपलब्धता है, तो यह न केवल जेल प्रशासन बल्कि पूरी न्याय व्यवस्था और सुरक्षा प्रणाली के लिए गंभीर खतरा है। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह दो सप्ताह के भीतर एक पूरक (सप्लीमेंट्री) रिपोर्ट दाखिल करे। रिपोर्ट में यह स्पष्ट करने को कहा गया है कि क्या जेल के भीतर मोबाइल जैमर कार्यरत थे या नहीं? सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से उन बाहरी व्यक्तियों या कर्मचारियों की पहचान हुई है या नहीं, जिन्होंने कैदियों को ये सुविधाएं उपलब्ध कराईं? तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए क्या फुलप्रूफ कार्ययोजना तैयार की गई है? अदालत ने यह भी संकेत दिया कि यदि अगली सुनवाई तक ठोस जवाब और वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई से संबंधित जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई, तो इस मामले की जांच के लिए एक स्वतंत्र उच्चस्तरीय समिति के गठन पर विचार किया जा सकता है।

परसुडीह में बंद मकान में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

जिले के परसुडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत कीताडीह मदरसा के पास मंगलवार तड़के उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक बंद पड़े मकान से अचानक धुआं उठता देखा गया। यह मकान रिटायर्ड टाटा मोटर्स कर्मचारी नोमान का बताया जा रहा है। सुबह करीब छह बजे आसपास के लोगों ने घर से धुआं निकलते देखा, जिसके बाद पूरे मोहल्ले में हड़कंप मच गया। घटना के समय मकान पूरी तरह बंद था और अंदर कोई मौजूद नहीं था, जिससे आग समय पर पकड़ में नहीं आ सकी। स्थानीय लोगों ने किसी तरह घर का दरवाजा खोलकर अंदर झांका तो आग तेजी से फैल चुकी थी। हालात को देखते हुए मदरसा के बच्चों और मोहल्ले के लोगों ने तुरंत पानी की मोटर लगाकर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। फायर ब्रिगेड को सूचना देने की कोशिश की गई, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। इसके चलते स्थानीय निवासियों को ही मोर्चा संभालना पड़ा। करीब चार घंटे की लगातार मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। स्थानीय लोगों की तत्परता से आग को आसपास के घरों तक फैलने से पहले ही रोक लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलने पर घर मालिक के भांजे मोहम्मद मिनाजुद्दीन मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि आग तड़के करीब चार बजे लगी होगी। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। इस आगलगी की घटना में घर के अंदर रखा लगभग सारा सामान जलकर राख हो गया। सोने-चांदी के आभूषण, बेड, अलमीरा, कपड़े, जरूरी कागजात, प्रमाण पत्र समेत अन्य कीमती सामान पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। आग से भारी आर्थिक नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। बताया गया कि इस मकान में पहले रिजवान नामक व्यक्ति रहते थे, लेकिन फिलहाल पूरा परिवार धतकीडीह में रह रहा है। मकान लंबे समय से बंद पड़ा होने के कारण आग की जानकारी देर से मिल सकी। घटना की जानकारी पुलिस को दे दी गई है। प्रशासन की ओर से नुकसान का आकलन किए जाने की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं, स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड से समय पर संपर्क नहीं हो पाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए बेहतर व्यवस्था की मांग की है।

तोरपा में नौ जनवरी को लगेगा प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला

एजेंसी। खूंटी

तोरपा के प्रखंड विकास पदाधिकारी नवीन चन्द्र झा की अध्यक्षता में नौ जनवरी को आयोजित होने वाले प्रखंड स्वास्थ्य मेला की तैयारियों को लेकर मंगलवार को प्रखंड स्तरीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में स्वास्थ्य मेला को सफल एवं प्रभावी बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बीडीओ नवीन चन्द्र झा ने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि स्वास्थ्य मेला का व्यापक प्रचार-प्रसार गांव-गांव में किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस मेले का लाभ उठा सकें। मेले के दौरान आम जनता के सभी प्रकार की स्वास्थ्य जांच होगी, जिससे समय रहते रोगों की पहचान एवं रोकथाम संभव हो सके। स्वास्थ्य मेला में लोगों को स्वस्थ जीवन शैली, योग, पोषण परामर्श, परिवार नियोजन, मानसिक स्वास्थ्य परामर्श, व्यक्तिगत एवं पर्यावरणीय स्वच्छता, किशोर-किशोरी स्वास्थ्य, तथा धूम्रपान और तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया जाएगा। इसके अलावा मेले में आम जनता के लिए आयुष्मान कार्ड एवं आभा कार्ड बनाने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। साथ ही रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराया जा सके। स्वास्थ्य मेला के दौरान जिला विकलांगता जांच टीम द्वारा विकलांगता की जांच कर पात्र व्यक्तियों का विकलांगता प्रमाण पत्र भी बनाया जाएगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि इस स्वास्थ्य मेला का मुख्य उद्देश्य जन-जन तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना एवं लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। बैठक में प्रमुख रोहित सुरीन, उप प्रमुख संतोष कुमार कर सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बलिदान सरदार गया मुंडा की पुण्यतिथि पर एटकेडीह में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

एजेंसी। खूंटी

भगवान बिरसा मुंडा के सेनापति बलिदान सरदार गया मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी जन्मस्थली मुरहू प्रखंड के एटकेडीह गांव में मंगलवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बलिदान सरदार गया मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण के साथ हुई। इस अवसर पर सांसद कालीचरण मुंडा ने बलिदान की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया तथा जरूरतमंदों के बीच कंबलों का वितरण किया। अपने संबोधन में सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि शहीद सरदार गया मुंडा देश और समाज के लिए संघर्ष करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए, लेकिन उन्होंने कभी भी अंग्रेजी हुकूमत के सामने घुटने नहीं टेके। उन्होंने अपने पूरे परिवार के साथ देश की आज़ादी और आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए बलिदान दिया। सांसद ने कहा कि बलिदान गया मुंडा का जीवन आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके संघर्ष, त्याग और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि बलिदान गया मुंडा के कई सपने अधूरे रह गए, जिन्हें पूरा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर समाज में समानता, न्याय और अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और यह संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। श्रद्धांजलि सभा में कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव नईमुद्दीन ख़ान, बिनसाय मुंडा, विजय कुमार स्वांसी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति, स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने शहीद गया मुंडा के चित्र एवं प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान सांसद कालीचरण मुंडा ने शहीद सरदार गया मुंडा के वंशज रमाय मुंडा एवं उनके परिवार से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। श्रद्धांजलि सभा का समापन शहीद के विचारों को आत्मसात करने और उनके सपनों को साकार करने के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जेपी कॉलोनी में श्रद्धा-भक्ति के साथ शुरू हुआ नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, 2100 महिलाएं हुईं भव्य कलश यात्रा में शामिल

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

जमशेदपुर के मानगो स्थित जेपी कॉलोनी में पिछले 23 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रहे नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ की शुरुआत मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और आस्था के साथ भव्य कलश यात्रा के माध्यम से हुई। इस अवसर पर पूरा क्षेत्र गायत्री महामंत्रों की गूंज से भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं की सहभागिता ने आयोजन को भव्य और दिव्य स्वरूप प्रदान किया। कलश यात्रा जेपी कॉलोनी से आरंभ होकर मानगो स्थित स्वर्णरेखा नदी तट तक पहुंची, जहां विधि-विधान के साथ पवित्र जल भरने की रस्म संपन्न की गई। इसके बाद श्रद्धालु कलश लेकर पदयात्रा करते हुए पुनः यज्ञ स्थल पहुंचे। यात्रा के दौरान भजन-कीर्तन और मंत्रोच्चारण से पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा। आयोजन समिति के अनुसार, इस वर्ष की कलश यात्रा में करीब 2100 महिलाओं ने भाग लिया, जो आयोजन की व्यापकता और सामाजिक सहभागिता को दर्शाता है। जेपी ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित यह नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ बुधवार को विधिवत रूप से संपन्न होगा। महायज्ञ के माध्यम से क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि और सद्भाव की कामना की जाएगी। यज्ञ स्थल पर धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि सभी शांतिपूर्वक पूजा-अर्चना में सम्मिलित हो सकें। जेपी ट्रस्ट के सचिव अर्जुन शर्मा ने बताया कि यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज में नैतिक मूल्यों, संस्कारों और आपसी सौहार्द को सुदृढ़ करने का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि वर्षों से चला आ रहा यह महायज्ञ सामाजिक एकता का प्रतीक बन चुका है और नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आज के आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय श्रद्धालुओं, स्वयंसेवकों और आयोजन समिति के सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

नशा मुक्त समाज को लेकर बच्चों के बीच प्रतियोगिता

♦ नालसा 2025 के तहत विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित

कैलांचल टाइम्स

गोड्डा :: झारखंड विधिक सेवा प्राधिकरण , रांची के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आयोजित नालसा (नशे के प्रति जागरुकता और नशा मुक्त भारत योजना) 2025 के तहत जन जागरुकता अभियान के दूसरे दिन मंगलवार को विभिन्न शिक्षण संस्थानों में पेंटिंग, लेखन, भाषण, क्वीज व वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को डालसा की ओर से सम्मानित किए जाऐंगे। इसी कड़ी में सदर प्रखंड के कस्तूरबा बालिका आवासीय प्लस टू विद्यालय में बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तत्पश्चात विद्यालय की शिक्षिक-शिक्षिका व छात्राओं ने नशा मुक्त समाज बनाने को लेकर शपथ ली। मौके पर डालसा की ओर से एलएडीसी रीतेश कुमार सिंह व अधिकार मित्र नवीन कुमार ने नालसा डान स्कीम 2005 से संबंधित जानकारी दी। कहा कि वर्तमान सामाजिक परिवेश में खासकर युवा वर्ग व छात्र-छाएं ड्रग्स की चपेट में आ रहे हैं। इससे समाज पर प्रतिकुल असर पड़ रहा है। समाज व परिवार बिखरता जा रहा है। इसपर अंकुश लगाने की जरुरत है। इसी कवायद के तहत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर सात दिवसीय नशा उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत जगह- जगह जागरूकता रैली , स्कूल कालेजों में जागरुकता अभियान के तहत विभिन्न प्रतियोगिता सहित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। नशा अपराध की जननी है , नशा से परिवार बर्बाद हो रहा है। इसे जन-जन तक प्रचारित करने की जरुरत है। कार्यक्रम का संचालन वार्डेन स्नेहलता कुमारी, सहायक शिक्षिका विनिता मुर्मू, उर्मिला किस्कू, सरिता कुमारी, रीतू कुमारी, नियति कुमारी, शिला कुमारी, जानकारी कुमारी, हेमंत कुमार झा, राहुल कुमार , जयकृष्ण यादव आदि की भूमिका सराहनीय रही।

नालसा के नशा मुक्त भारत योजना 2025 के तहत चलाया गया जन जागरुकता अभियान

कैलांचल टाइम्स

गोड्डा : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से नालसा के नशा मुक्त भारत योजना 2025 के तहत जन जागरुकता को लेकर अभियान चलाया गया। डालसा अध्यक्ष सह पीडीजे रमेश कुमार एवं सचिव दीपक कुमार के निर्देश के आलोक में सदर प्रखंड के मछिया-सिमरडा पंचायत क्षेत्र के हरिपुर, रंगमटिया, लालपुर आदि गांव में अधिकार मित्र इंतेखाब आलम की ओर से ग्रामीणों को अहम जानकारी देकर जागरूक किया गया। अवसर पर पीएलवी इंतेखाब ने कहा कि नालसा (डान) स्कीम, 2025 के तहत युवा जागरुकता एवं आउटरीच कार्यक्रम के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 12 जनवरी 2026 तक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत समाज एंव देश को नशामुक्त बनाने को लेकर जागरुक किया जा रहा है। समाज व परिवार को नशा मुक्त कराना है। नशा एक राष्ट्रीय समस्या बन चुकी है। इसी को रोकने के लिए यह आयोजन किया जा रहा है। नशा समाज को खोखला बना रहा है। नशा मुक्त समाज बनाने के लिए समाज के सभी वर्गों का साथ चाहिए, इसके लिए अभिभावकों को अपने बच्चों पर ध्यान रखने की जरूरत है। नशा के आदि हो चुके युवा तबाही के रास्ते पर चल देते हैं, जिन्हें रोकना हम सब का दायित्व है। इसकी सूचना प्रशासन को दें, ताकि समय पर निदान हो सके। देखभाल के लिए जिला प्रशासन, पुलिस और डालसा तत्पर हैं। अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया गया। अधिकार मित्र ने कहा कि अगर समाज मोहल्ले गांव में ड्रग्स की खरीद बिक्री की जानकारी मिलती है तो गोपनीय तौर पर ग्रामीण सूचना प्रेषित कर अपने गांव घर समाज के युवाओं को नशा के शिकार होने से बचा सकते हैं। इसी क्रम में पीएलवी की ओर से बाल विवाह, बलश्रम, घरेलू हिंसा के अलावा केंद्र एवं राज्य सरकार से संचालित योजनाओं से जुड़ी जानकारी ग्रामीणों को दी गई। इस अवसर पर नीलम देवी, सरजू मिर्धा, विनय राय, राजाराम महतो, फूलकुमारी देवी, छात्र इंदु कुमारी, छात्र राजेश कुमार, सन्नी कुमार, लालू महतो आदि ने नशा मुक्त भारत बनाने का संकल्प लिया।

पीआरए को निर्धारित समय-सीमा में करें पूर्ण - डीसी

कैलांचल टाइम्स

गोड्डा : समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त अंजली यादव की अध्यक्षता में जिले में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की तैयारी एवं प्री रिवीजन एक्टिविटीज (पीआरए) की प्रगति की समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य एसआईआर से पूर्व की जा रही गतिविधियों की प्रगति का आकलन करना तथा आगामी कार्ययोजना को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करना था। बैठक में बताया गया कि एसआईआर की तैयारी के अंतर्गत मतदाता सूची की शुद्धता, पारदर्शिता एवं अद्यतन सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न स्तरों पर कार्य किया जा रहा है। प्री रिवीजन एक्टिविटीज के तहत बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) का प्रशिक्षण, बूथों का युक्तिकरण, मतदान केंद्रों का सत्यापन, जनसांख्यिकीय आंकड़ों का अद्यतन तथा आवश्यक प्रपत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। समीक्षा के दौरान यह जानकारी दी गई कि बीएलओ द्वारा घर-घर सत्यापन कार्य, मृत/स्थानांतरित/डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान तथा नए योग्य मतदाताओं को सूची में जोड़ने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। साथ ही, मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आम नागरिकों को एसआईआर एवं मतदाता सूची पुनरीक्षण की जानकारी दी जा रही है, ताकि अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित हो सके। उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्री रिवीजन एक्टिविटीज को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने यह भी कहा कि एसआईआर की सफलता के लिए अंतर-विभागीय समन्वय, तकनीकी संसाधनों का समुचित उपयोग एवं फील्ड स्तर पर सतत निगरानी अत्यंत आवश्यक है। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि सभी मतदान केंद्रों पर आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि या शिकायत के त्वरित निराकरण के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी गोड्डा वैद्यनाथ उरांव, अनुमंडल पदाधिकारी महागामा आलोक वरण केसरी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी गोड्डा रितेश जयसवाल, संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित निर्वाचन विभाग के कर्मीगण उपस्थित थे।

विद्यालय के स्मार्ट क्लास का ताला तोड़ अज्ञात चोरों ने उड़ाए कई सामान

कैलांचल टाइम्स

मेहरमा : प्रखंड अंतर्गत बलबड्डा थाना क्षेत्र के राजकीयकृत मध्य विद्यालय घोरीकित्ता में एक बार फिर अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम देकर विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। चोरों ने विद्यालय के स्मार्ट क्लास को निशाना बनाते हुए वहां से प्रोजेक्टर, बैटरी, साउंड बॉक्स समेत कई कीमती शैक्षणिक उपकरणों की चोरी कर ली। जब शिक्षक सुबह विद्यालय पहुंचे तो स्मार्ट क्लास का ताला टूटा हुआ पाया तथा अंदर जांच करने पर पता चला कि स्मार्ट क्लास में उपयोग होने वाले कई महत्वपूर्ण उपकरण गायब हैं। इसके बाद विद्यालय प्रबंधन ने तत्काल इसकी सूचना बलबड्डा थाना को दी। वहीं सूचना पाकर बलबड्डा थाना प्रभारी पंकज कुमार सिंह अपने दल बल के साथ विधालय पहुंचकर चोरी की घटनाएं की जानकारी विधालय के शिक्षक से ली। गौरतलब है कि पूर्व में भी अज्ञात चोर विद्यालय में घुसकर चोरी की घटना की अंजाम दे चुके हैं, लेकिन अब तक चोरों की पहचान नहीं हो सकी है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से विद्यालय के शिक्षक, छात्र एवं अभिभावकों में रोष व्याप्त है। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि स्मार्ट क्लास के माध्यम से बच्चों को आधुनिक शिक्षा दी जा रही थी, लेकिन उपकरणों की चोरी से पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित होगी। वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से विद्यालय परिसर की सुरक्षा बढ़ाने, रात्रि गश्ती की व्यवस्था करने और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। इस संबंध में बलबड्डा थाना प्रभारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है तथा जल्द ही चोरों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

डीसी ने महागामा शहरी क्षेत्र में संचालित जलापूर्ति योजनाओं से संबंधित की समीक्षा बैठक

कैलांचल टाइम्स

गोड्डा : जिला अंतर्गत महागामा शहरी क्षेत्र में संचालित जलापूर्ति योजनाओं की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति की समीक्षा को लेकर समाहरणालय सभागार में जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त अंजली यादव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान कार्यकारी एजेंसी जुडको के प्रतिनिधि से योजनाओं की बिंदुवार जानकारी ली गई तथा कार्य की प्रगति में आ रही समस्याओं पर चर्चा की गई। उपायुक्त ने निर्धारित समय-सीमा के भीतर योजनाओं को पूर्ण करने एवं आमजन को नियमित एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मौके पर नगर प्रशासक सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी गोड्डा अरविंद प्रसाद, अग्रवाल, सिटी मैनेजर गोड्डा रोहित कुमार गुप्ता, जुडको के प्रतिनिधि, संवेदक सहित नगर पंचायत के कर्मीगण मौजूद थे।

ईसीएल क्षेत्र अंतर्गत अवैध कोयला तस्करों के विरुद्ध छापेमारी में 15.80 टन कोयला जब्त

कैलांचल टाइम्स

महागामा : अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत ललमटिया में अवैध कोयला तस्करी के खिलाफ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) की सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ा एक्शन लिया है। क्षेत्र में लगातार चलाए जा रहे संयुक्त छापेमारी अभियान के तहत दो दिनों में कुल 15.80 टन अवैध कोयला जब्त कर तस्करों की कमर तोड़ दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज, क्षेत्रीय ईसीएल सुरक्षा एवं ललमटिया थाना पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा बलिया से हुर्रासी रोड, डुमुरिया फुटबॉल ग्राउंड के समीप स्थित वन क्षेत्र में सघन छापेमारी की गई। इस दौरान लगभग 05 टन अवैध कोयला बरामद कर जब्त किया गया। वहीं कल, क्षेत्रीय सुरक्षा बल एवं सीआईएसएफ के संयुक्त तत्वावधान में जनकपुर, तालझारी एवं नीमा गांव के आसपास व्यापक छापेमारी अभियान चलाया गया, जिसमें 10.80 टन अवैध कोयला जब्त किया गया। दोनों ही छापेमारी अभियान शांतिपूर्ण, सुनियोजित एवं पूरी तरह सफल रहा। जब्त किए गए अवैध कोयले को नियमानुसार सुरक्षित कर लिया गया है तथा इस मामले में संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार अवैध कोयला तस्करी में संलिप्त तत्वों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। ईसीएल, पुलिस एवं सीआईएसएफ की संयुक्त टीम आने वाले दिनों में भी ऐसे कठोर अभियान जारी रखेगी, जिससे कोयला तस्करी पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके। छापामारी दल टीम में शामिल दिनेश ओझा, रविकांत ओझा इंद्रदेव टुडू, वरिष्ठ सुरक्षा निरीक्षक इंद्रदेव टुडू सहित पुलिस बल मौजूद थे।

जिप सदस्य ने जरूरतमंदों के बीच बांटे कंबल

कैलांचल टाइम्स

ठाकुरगंगटी : कड़ाके की ठंड को देखते हुए प्रखंड क्षेत्र के उत्तरी जिला परिषद सदस्य निरंजन पोद्दार के द्वारा गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। इस दौरान वे गांव-गांव पहुंचकर ठंड से जूझ रहे जरूरतमंद लोगों को कंबल उपलब्ध कराते नजर आए। इस दौरान जिला परिषद सदस्य निरंजन पोद्दार ने कहा कि बढ़ती ठंड में गरीब और असहाय लोगों की सहायता करना उनकी प्राथमिकता है और आवश्यक भी। उन्होंने कहा कि जब तक ठंड का प्रकोप रहेगा, तब तक जरूरतमंदों की मदद का यह अभियान जारी रहेगा। ग्रामीणों ने इस मानवीय पहल के लिए जिला परिषद सदस्य का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की मदद से ठंड के मौसम में उन्हें काफी राहत मिलती है। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय ग्रामीण एवं सामाजिक कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

कोल माइंस में दुर्घटना रेट 0.93 से घटकर पहुंचा 0.12 तक

कैलांचल टाइम्स

धनबाद। खनन क्षेत्र में बढ़ते टेक्नोलॉजी की रफ़्तार के फलस्वरूप दुर्घटना रेट में कमी आई है। कोल माइंस में होनेवाले दुर्घटनाओं में कमी लाकर डीजीएमएस ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। वर्ष 2047 में विकसित भारत का लक्ष्य पूरा होने तक डीजीएमएस भी शून्य दुर्घटना का लक्ष्य प्राप्त करने की तैयारी में है। डीजीएमएस की एक रिपोर्ट के अनुसार एक अच्छी खबर है। कोल माइंस, यानी कोयला खदानों में दुर्घटना दर 0.93 से घटकर 0.12 तक आ गई है, जो सुरक्षा उपायों के सफल क्रियान्वयन और कोयला खदानों में काम करने वाले कर्मियों के लिए एक सुरक्षित और जोखिम-मुक्त वातावरण बनाने के महानिदेशालय के दृष्टिकोण को दर्शाता है। जोकि शून्य दुर्घटना तथा शून्य हार्म के लक्ष्य को पाने के लिए 2047 तक लक्ष्य पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। डीजीएमएस के महानिदेशक उज्जवल ताह ने बताया कि दुर्घटना में कमी आने के पीछे टेक्नोलॉजी का महत्वपूर्ण योगदान है। भारत जैसे-जैसे टेक्नोलॉजी में आगे बढ़ रहा है वैसे-वैसे देश वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनने की ओर भी अग्रसर है। उन्होंने बताया ये आंकड़े इस बात का संकेत है कि भारत के कोयला खनन क्षेत्र में सुरक्षा के प्रति गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं और सफलता भी मिल रही है। यह डीजीएमएस के संगठनात्मक ढांचे, खान सुरक्षा विधानों और सुरक्षा को बढ़ाने के उपायों का परिणाम है। उन्होंने बताया न सिर्फ कोल माइंस, बल्कि मेटल खनिजों की खदानों में भी सुरक्षा मानकों में व्यापक सुधार हुए है, जिससे दुर्घटना दर में कमी आई है। ताज़ा आंकड़ों के अनुसार मेटल खनिज की खदानों में दुर्घटना रेट 0.74 से घटकर 0.23 तक पहुंच गया है। डीजीएमएस का मानना है कि माइंस में दुर्घटना रेट घटने के पीछे न सिर्फ एक टेक्नोलोजी का ही अहम योगदान है, बल्कि साइंटिफिक स्टडी, समय समय पर निगरानी, माइनिंग प्लान, कैटेगरी सुपरविजन इन सभी का भी अहम भूमिका है। बहरहाल, एक उत्साह के साथ डीजीएमएस 7 जनवरी को अपना 125वां स्थापना दिवस मनाने जा रही है।

गोड्डा अंडर-19 की शानदार जीत, साहिबगंज को 8 विकेट से हराकर दर्ज की लगातार दूसरी जीत

कैलांचल टाइम्स

गोड्डा : झारखण्ड राज्य क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंतर जिला अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट में दूसरे दिन गोड्डा बनाम साहेबगंज के बीच मुकाबला खेला गया। गोड्डा अंडर-19 टीम ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए साहिबगंज अंडर-19 को 8 विकेट से पराजित किया। मुकाबला एकतरफा रहा, जिसमें गोड्डा की टीम ने बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी दोनों में दबदबा बनाए रखा। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए साहिबगंज अंडर-19 की पूरी टीम 46.5 ओवर में 107 रन पर सिमट गई। साहिबगंज की ओर से संतोष राज ने संघर्षपूर्ण पारी खेलते हुए 90 गेंदों पर 26 रन बनाए। गोड्डा की गेंदबाज़ी बेहद कसी हुई रही, जिसमें कप्तान सौरभ कुमार मांझी और वैभव यादव ने 3–3 विकेट झटके। सौरभ कुमार मांझी ने 10 ओवर में 8 मेडन के साथ मात्र 2 रन देकर 3 विकेट लेकर मैच का रुख पूरी तरह पलट दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोड्डा अंडर-19 टीम ने सिर्फ 19.5 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 109 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। सचिन यादव ने नाबाद 46 रन (62 गेंद) की संयमित पारी खेली, जबकि वैभव यादव ने 32 रन बनाकर उनका अच्छा साथ दिया। अपने हरफनमौला और मैच जिताऊ प्रदर्शन के लिए सौरभ कुमार मांझी (गोड्डा अंडर-19) को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जेएससीए के पर्यवेक्षक अभिषेक मोइत्री के द्वारा ट्रॉफी एवं 5 हजार रुपया का चेक प्रदान किया गया। कल गोड्डा का तीसरा मुकाबला दुमका के विरुद्ध खेला जायेगा। इस अवसर पर अंपायर संजीव सिंह, अमित हाजरा, स्कोरर जुनेक अहमद, संघ के उपाध्यक्ष अमित बोस, सनोज कुमार, संजीव कुमार, मुकेश मंडल, अंजन, मुकेश मोदी, अवधेश कुमार, सूरज, प्रभु सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

शैक्षणिक अव्यवस्थाओं के विरोध में आइसा का उग्र प्रदर्शन, बीबीएमकेयू कुलपति का फूंका पुतला

कैलांचल टाइम्स

धनबाद। विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) में व्याप्त शैक्षणिक अव्यवस्थाओं और लगातार अनदेखी के खिलाफ छात्र संगठन ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (आइसा) ने मंगलवार को रणधीर वर्मा चौक पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान आक्रोशित छात्रों ने विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राम कुमार का पुतला दहन कर नारेबाजी की। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लॉ के छात्र शामिल हुए। छात्रों का आरोप है कि विश्वविद्यालय, महाविद्यल में लंबे समय से शैक्षणिक व्यवस्था बदहाल है, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन आंख मूंदे बैठा है। बार-बार ध्यानाकर्षण के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है, जिससे छात्रों का भविष्य अंधकार में जा रहा है। छात्रों ने कहा कि सेशन डिले की समस्या सबसे गंभीर है, जिससे पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार और प्रतियोगी परीक्षाओं पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। कॉलेज की में समुचित लाइट की भी व्यवस्था नहीं है, बैठने के लिए बेंचों की भी भारी कमी है। यही नहीं स्मार्ट बोर्ड जैसे आधुनिक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध नहीं कराए गए हैं, वहीं शौचालयों की स्थिति भी अत्यंत दयनीय बनी हुई है। आइसा के संयुक्त सचिव रितेश मिश्रा और पायल चौधरी ने बताया कि इन सभी मांगों को लेकर कुलपति एवं विश्वविद्यालय प्रशासन को कई बार ज्ञापन सौंपा गया, लेकिन अब तक कोई ठोस और सकारात्मक पहल नहीं की गई है। इससे छात्रों में भारी रोष व्याप्त है। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही शैक्षणिक और बुनियादी सुविधाओं में सुधार नहीं किया गया तो वे विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय में तालाबंदी करने को मजबूर होंगे। छात्रों ने स्पष्ट किया कि ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली सभी परिस्थितियों की जिम्मेदारी पूरी तरह विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी।

संक्षिप्त समाचार

जनता दरबार में पहुंचे मामलों पर अपर समाहर्ता ने की सुनवाई

पाकुड़ : मंगलवार को उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देश पर आयोजित जनता दरबार में अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन ने आम जनता से जुड़ी समस्याओं की क्रमवार सुनवाई की। जनता दरबार में पहुंचे लोगों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। अपर समाहर्ता ने प्राप्त आवेदनों पर संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवेदन अग्रसारित किया और निर्देश दिया कि मामलों की जांच कर समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। जनता दरबार में भूमि से संबंधित विवाद, सहायिका चयन से जुड़े मामले, आवास योजना सहित अन्य समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। अपर समाहर्ता ने कहा कि जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सड़क सुरक्षा हेतु शपथ कार्यक्रम आयोजित

पाकुड़ : मंगलवार को समाहरणालय पाकुड़ स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के समीप सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी द्वारा सैकड़ों लोगों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। शपथ कार्यक्रम में कहा गया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग करना अनिवार्य है। इसके अलावा शराब पीकर वाहन न चलाने तथा सभी यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को सुरक्षित झारखंड बनाने और सड़क दुर्घटनाओं से बचाने के लिए जागरूक करना रहा। इस कार्यक्रम में जिला परिवहन कार्यालय पाकुड़ के अधिकारी, अपर समाहर्ता, जिला परिवहन पदाधिकारी, शहर के प्रबुद्ध लोग, राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता सहसचिव रंजीत कुमार सिंह, सचिव हजरत शेख और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

ईंट भट्टों में बाल श्रम विमुक्ति एवं जागरूकता अभियान चलाया गया

बाल श्रम कराने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

पाकुड़ : श्रम अधीक्षक पाकुड़ के द्वारा पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राम जोगिगड़िया, नरोत्तमपुर, रामचन्द्रपुर एवं प्यादापुर स्थित ईंट भट्टों में बाल श्रम विमुक्ति एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संबंधित ईंट भट्टों का निरीक्षण किया गया तथा श्रमिकों एवं भट्टा संचालकों को बाल श्रम निषेध से संबंधित कानूनों की जानकारी दी गई। अभियान के क्रम में सभी ईंट भट्टा संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि किसी भी परिस्थिति में बाल श्रम से कार्य नहीं कराया जाए। श्रम अधीक्षक गिरिश चन्द्र प्रसाद ने बताया कि किसी भी प्रतिष्ठान में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का नियोजन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है। वहीं खतरनाक कार्यों में 14 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का नियोजन भी कानूनन अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होंने बताया कि बाल श्रम कानून का उल्लंघन करने पर नियोजक के विरुद्ध 20 हजार से 50 हजार रुपये तक का जुर्माना, अथवा 6 माह से 2 वर्ष तक का कारावास, या दोनों दंड दिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन बाल श्रम उन्मूलन को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है और आगे भी इस तरह के निरीक्षण एवं जागरूकता अभियान लगातार चलाए जाएंगे। आम लोगों से भी अपील की गई कि यदि कहीं बाल श्रम की जानकारी मिले तो तुरंत श्रम विभाग या जिला प्रशासन को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से सशक्तिकरण की कहानी

बायोफ्लॉक तकनीक से आत्मनिर्भर बने रमेश सोरेन

पाकुड़ : प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को नई दिशा दे रही है। इसी क्रम में पाकुड़िया प्रखंड अंतर्गत ग्राम मोहनपुर निवासी रमेश सोरेन की सफलता की कहानी आज कई लोगों के लिए प्रेरणा बन चुकी है। रमेश सोरेन, पिता किशुन सोरेन, एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार से आते हैं। सीमित संसाधनों के कारण परिवार के भरण-पोषण में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इसी दौरान जिला मत्स्य कार्यालय पाकुड़ द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की जानकारी मिलने पर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया। वर्ष 2023-24 में रमेश सोरेन ने योजना के अंतर्गत सात टैंक बायोफ्लॉक निर्माण के लिए आवेदन किया। इस परियोजना की कुल लागत सात लाख पचास हजार रुपये थी। अनुसूचित जनजाति श्रेणी में चयन होने पर उन्हें साठ प्रतिशत अनुदान के रूप में चार लाख पचास हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई। मत्स्य विभाग झारखंड और जिला मत्स्य कार्यालय पाकुड़ के तकनीकी मार्गदर्शन से उन्होंने सफलतापूर्वक बायोफ्लॉक इकाई स्थापित कर मत्स्य पालन शुरू किया। वर्तमान में बायोफ्लॉक तकनीक के माध्यम से वे प्रतिवर्ष लगभग चौदह सौ किलोग्राम मछली का उत्पादन और बिक्री कर रहे हैं, जिससे उन्हें करीब दो लाख दस हजार रुपये की वार्षिक आय हो रही है। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और स्थिर आय का स्रोत बना है। रमेश सोरेन की यह उपलब्धि दर्शाती है कि सरकारी योजनाओं का सही उपयोग और निरंतर मेहनत से न केवल व्यक्तिगत जीवन सुधरता है, बल्कि गांव स्तर पर स्वरोजगार और उद्यमिता के नए अवसर भी सृजित होते हैं। आज वे अपने गांव और आसपास के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुके हैं।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत पाकुड़ में व्यापक जागरूकता अभियान

पाकुड़ : नशा मुक्त भारत अभियान के तहत पाकुड़ जिले में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इस क्रम में बस स्टैंड, ऑटो स्टैंड, मुख्यमंत्री दाल-भात केंद्र सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर युवाओं एवं मजदूर वर्ग को नशामुक्त जीवन और स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान नशा सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। बताया गया कि नशा गंभीर बीमारियों, पारिवारिक कलह, मानसिक तनाव, आर्थिक तंगी और सामाजिक जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। लोगों से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की गई। वक्ताओं ने कहा कि नशामुक्त युवा ही समाज और राष्ट्र के विकास में सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।

पर्ची वितरण व स्लोगन से जागरूकताः अभियान के दौरान जागरूकता पर्चियों का वितरण किया गया तथा प्रभावशाली स्लोगनों के माध्यम से लोगों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस अभियान को सफल बनाने में पैरा लीगल वॉलिंटियर्स विजय राजवंशी, भरत कुमार साहा, पिंकी मंडल, मोकमाउल शेख, चंद्रशेखर घोष एवं नीरज कुमार राउत की सक्रिय भूमिका रही।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत पाकुड़ में जागरूकता दिवस पर रोड सेफ्टी स्कूल अवेयरनेस एवं रोको-टोको कार्यक्रम का आयोजन

केलांचल टाइम्स

पाकुड़ : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत जिले में लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में जागरूकता दिवस के छठे दिन 06 जनवरी 2026 को पाकुड़ जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस वर्ष राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक मनाया जा रहा है, जिसकी थीम सीख से सुरक्षा, तकनीक से परिवर्तन, सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा निर्धारित की गई है। कार्यक्रम के तहत पाकुड़ आईटीआई कॉलेज सोनाजोड़ी परिसर में सड़क सुरक्षा पाठशाला के अंतर्गत कॉलेज अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य सड़क पर चलने वाले आम नागरिकों के साथ-साथ जिले के स्कूली एवं महाविद्यालय स्तर के विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना रहा। इस कार्यक्रम में पाकुड़ आईटीआई कॉलेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सड़क सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि सड़क पर चलते समय यातायात नियमों का पालन करना किस प्रकार जीवन रक्षा में सहायक होता है। साथ ही राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के दौरान जिले में चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी भी साझा की गई। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जिले में स्कूल टूर्नामेंट, एक दिवसीय सड़क सुरक्षा कार्यशाला, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, 26 जनवरी की झांकी, प्रभात फेरी, सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान रोको-टोको सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यार्थियों और शिक्षकों से अपने स्तर से इन कार्यक्रमों को सफल बनाने में भागीदारी निभाने की अपील की गई, ताकि राज्य स्तर पर जिला पाकुड़ के सड़क सुरक्षा कार्यक्रम को प्रभावी बनाया जा सके। इसी क्रम में रोड सेफ्टी रोको-टोको कार्यक्रम का भी आगाज किया गया। इस कार्यक्रम के तहत सड़क पर चलने वाले दो पहिया, तीन पहिया, चार पहिया तथा अन्य व्यावसायिक वाहन चालकों को रोककर सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी दी गई। वाहन चालकों को बताया गया कि यातायात नियमों का पालन करना, जिम्मेदार नागरिक और जागरूक राहगीर बनना कितना आवश्यक है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके और लोगों की जान बचाई जा सके। कार्यक्रम के माध्यम से सभी वाहन चालकों से अपील की गई कि वाहन चलाते समय हमेशा सड़क और यातायात नियमों का पालन करें तथा स्वयं सुरक्षित रहते हुए दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। रोको-टोको एवं कॉलेज अवेयरनेस कार्यक्रम में आईटीआई कॉलेज सोनाजोड़ी के प्रधानाचार्य सह प्राचार्य, कॉलेज के सभी शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रखंड मुख्यालय में जेएसएलपीएस कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित

पाकुड़िया : प्रखंड मुख्यालय स्थित कार्यालय कक्ष में मंगलवार को बीडीओ सोमनाथ बनर्जी की अध्यक्षता में जेएसएलपीएस कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बीडीओ ने उनके कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। बैठक में जेएसएलपीएस अंतर्गत स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) गठन, सीसीएल लिंकेज, क्लेम स्टेटमेंट, दीदी बड़ी योजना, आईएफसी कलस्टर, पशुधन योजना, पीएमएफएमई लाभुक चयन, मुद्रा लोन सहित अन्य योजनाओं पर चर्चा की गई। बीडीओ ने कर्मियों के किए गए कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में बीपीएम बासुदेव साहा, बीपीओ राजीव कुमार, अनूप कुमार, कमलेश कुमार सहित अन्य कर्मी भी उपस्थित थे।

पाकुड़ जिले के तीन कबड्डी खिलाड़ियों का झारखंड टीम में चयन

- 19 वीं सीनियर राष्ट्रीय सर्किल कबड्डी चैंपियनशिप में करेंगे राज्य का प्रतिनिधित्व

केलांचल टाइम्स

पाकुड़ : पाकुड़ जिला के लिए यह गर्व और हर्ष का विषय है कि जिले के तीन प्रतिभाशाली कबड्डी खिलाड़ी बिशाल सिंह, अभिजीत कुमार एवं तुषार पहाड़िया का चयन 19वीं सीनियर राष्ट्रीय सर्किल कबड्डी चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए झारखंड राज्य टीम में किया गया है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 10 जनवरी से 12 जनवरी 2026 तक उत्तराखंड के बाजपुर शहर में आयोजित की जाएगी। इन खिलाड़ियों के चयन से जिले में खेल प्रतिभाओं के निरंतर विकास, बेहतर प्रशिक्षण व्यवस्था तथा जिला स्तर पर खेल को बढ़ावा देने के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। चयनित खिलाड़ियों ने अपने कठिन परिश्रम और लगन से यह उपलब्धि हासिल की है, जिससे जिले के अन्य युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिल रही है।

उपायुक्त एवं जिला क्रीड़ा पदाधिकारी ने दी बधाईः इस उपलब्धि पर उपायुक्त पाकुड़ और जिला क्रीड़ा पदाधिकारी पाकुड़ ने चयनित खिलाड़ियों बिशाल सिंह, अभिजीत कुमार एवं तुषार पहाड़िया को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि पाकुड़ जिले के खिलाड़ी लगातार राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, जो जिले के लिए गौरव की बात है।

खेल अधोसंरचना को मिल रहा बढ़ावाः जिला क्रीड़ा पदाधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा खेल अधोसंरचना के विकास, प्रशिक्षण सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आने वाले समय में पाकुड़ जिले से और भी खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाएंगे।

दिशा गौशाला बनी आत्मनिर्भरता की मिसाल

पाकुड़ : पाकुड़ नगर के पुलिस लाइन स्थित दिशा गौशाला स्वरोजगार, आत्मनिर्भरता और ग्रामीण उद्यमिता की प्रेरणादायक मिसाल बनकर उभरी है। गौशाला के संचालक मनोज कुमार शाह ने सरकार की कामधेनु योजना के तहत प्रारंभ में 20 गायों के साथ गौ-पालन कार्य शुरू किया था। निरंतर मेहनत, लगन और बेहतर प्रबंधन के कारण आज गौशाला में विभिन्न नस्लों की लगभग 60 गायें हैं। मनोज कुमार शाह ने बताया कि इस कार्य की शुरुआत उन्होंने अपनी पत्नी के साथ मिलकर की। दोनों मिलकर दिन-रात गायों की देखभाल करते हैं। वर्तमान में गौशाला में 8 से 9 कर्मी कार्यरत हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। गौशाला से प्रतिदिन लगभग 400 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। उत्पादित दूध की आपूर्ति पाकुड़ बाजार क्षेत्र के घरों और मिठाई दुकानों में की जाती है, जिससे प्रतिमाह लगभग एक से डेढ़ लाख रुपये तक की आय हो रही है। इस सफलता से दंपती संतुष्ट हैं। मनोज कुमार शाह ने आम लोगों से अपील की कि वे गौ-पालन जैसे स्वरोजगार को अपनाकर आत्मनिर्भर बनें और सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर आर्थिक मजबूती हासिल करें।

पाकुड़ में धड़ल्ले से चल रहा अवैध लॉटरी कारोबार, प्रशासन मौन

संवाददाता - नंदन ठाकुर

पाकुड़ : पाकुड़ जिले के पाकुड़ प्रखंड में लॉटरी बिक्री पर राज्यभर में प्रतिबंध होने के बावजूद नकली लॉटरी टिकटों का अवैध कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। सूत्रों के अनुसार, हृदय कुमार नामक व्यक्ति द्वारा प्रतिदिन 20 लाख रुपये से अधिक का अवैध लेनदेन किए जाने की चर्चा है, जबकि सैकड़ों एजेंट गांव-गांव तक नेटवर्क फैलाकर खुलेआम लॉटरी टिकट बेच रहे हैं। बताया जा रहा है कि पाकुड़ क्षेत्र में कानून व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित नजर आ रही है। बाजार क्षेत्रों से लेकर आसपास के पहाड़ी इलाकों तक नकली लॉटरी का संगठित जाल सक्रिय है। सूत्रों के मुताबिक रोजाना 40 से 45 हजार नकली लॉटरी टिकट छापे जा रहे हैं, जिन्हें सिक्किम और नागालैंड के नाम पर बाजार में खपाया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि प्रिंटिंग मशीनों के माध्यम से बड़े पैमाने पर फर्जी लॉटरी टिकट तैयार किए जा रहे हैं। इस अवैध कारोबार से जुड़े एजेंटों को मोटा कमीशन दिया जाता है, जबकि बड़े कारोबारी स्वयं को महाजन बताकर महंगी गाड़ियों में खुलेआम घूमते देखे जा रहे हैं।

जब प्रतिदिन लाखों रुपये का अवैध कारोबार हो रहा हो, तब यह केवल अपराध नहीं बल्कि पूरी व्यवस्था की गंभीर विफलता को दर्शाता है। नकली लॉटरी के इस संगठित जाल में आम लोग लगातार ठगी का शिकार हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अब तक मौन साधे हुए हैं। प्रतिबंध के बावजूद पाकुड़ में नकली लॉटरी का यह अवैध खेल बेखौफ जारी है।

मचान खेती पर दो दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

कैलांचल टाइम्स

महेशपुर : महेशपुर प्रखंड के देवीनगर पंचायत स्थित ग्राम सेवा केंद्र में 05 और 06 जनवरी 2026 को भारतीय स्टेट बैंक फाउंडेशन एवं प्रवाह संस्था द्वारा संचालित ग्राम सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत मचान खेती पर दो दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पंचायत क्षेत्र के पांच गांवों से कुल 60 किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान कृषिविज्ञानी शंकर महतो ने कद्दू, झींगा, करेला, खीरा सहित अन्य बेल वाली सब्जियों की मचान खेती से संबंधित आधुनिक तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने मचान संरचना के निर्माण, खेत की तैयारी, बीज बोने की विधि तथा फसल प्रबंधन से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से जानकारी साझा की। कृषिविज्ञानी ने बताया कि मचान खेती से फसलों को पर्याप्त धूप और हवा मिलती है, जिससे कीट और रोग के प्रकोप में कमी आती है। इससे न केवल उत्पादन में वृद्धि होती है, बल्कि फसलों की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। मचान खेती की यह तकनीक किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कार्यक्रम के सफल संचालन में ग्राम सेवा कार्यक्रम से जुड़े कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। किसानों को प्रशिक्षण के लिए एकत्रित करना, पंजीकरण, व्यवस्थापन तथा प्रशिक्षण समन्वय जैसे कार्यों में उनकी सक्रिय भूमिका के कारण कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन अवसर पर किसानों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान किया गया। किसानों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को उपयोगी बताया और भविष्य में मचान खेती को अपनाने की इच्छा व्यक्त की।

गणेश चतुर्थी के दौरान पाकुड़िया के बाजारों में दिखी रौनक, फल और पूजा सामग्री की हुई खूब बिक्री

पाकुड़ : गणेश चतुर्थी के अवसर पर मंगलवार की सुबह से ही पाकुड़िया के बाजारों में खास रौनक देखने को मिली। क्षेत्र की सभी फल दुकानों और पूजा सामग्री की दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ी रही। पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में खास उत्साह देखा गया, जिसके कारण फल, मोदक, तिल, गुड़, शकरकंद और अन्य पूजा सामग्री की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। गणेश चतुर्थी, जिसे सकट चौथ के नाम से भी जाना जाता है, माघ मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाई जाती है। इस वर्ष यह पर्व 6 जनवरी मंगलवार को मनाया गया। इस दिन महिलाएं पुत्रों की लंबी उम्र और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए व्रत रखती हैं। व्रत के दौरान निर्जला उपवास किया जाता है और शाम को चंद्रोदय के बाद अर्घ्य देकर व्रत खोला जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान गणेश को मोदक, तिल-गुड़ के लड्डू और शकरकंद का भोग अर्पित किया जाता है। चंद्रोदय के बाद गणेश की विधिवत पूजा कर व्रत संपन्न किया जाता है। इस अवसर पर गणेश के बारह नामों का जाप और गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ किया जाता है। पंडित संतोष तिवारी ने बताया कि सकट चौथ का व्रत विशेष रूप से पुत्रों की लंबी उम्र और संकटों से रक्षा के लिए किया जाता है। धार्मिक कथाओं के अनुसार इसी दिन भगवान गणेश को हाथी का सिर प्राप्त हुआ था। मान्यता है कि इस दिन गणेश की पूजा करने से सभी विघ्न दूर होते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। उन्होंने यह भी बताया कि सकट चौथ की गणेश चतुर्थी, भाद्रपद मास में मनाई जाने वाली मुख्य गणेश चतुर्थी से अलग होती है। मुख्य गणेश चतुर्थी भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को मनाई जाती है, जो दस दिनों तक चलती है और अनंत चतुर्दशी पर समाप्त होती है। पूरे भारत में गणेश चतुर्थी यानी सकट चौथ श्रद्धा और आस्था के साथ मनाई जा रही है। मंदिरों में भक्तों की भीड़ देखी जा रही है और घर-घर में भगवान गणेश की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की जा रही है।

मशरूम की खेती से बदली जिंदगी

विश्वानाथ हाँसदा बने आत्मनिर्भरता की मिसाल

कैलांचल टाइम्स

पाकुड़ : परंपरागत खेती से आगे बढ़कर वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने से किसानों की आमदनी किस तरह बढ़ सकती है, इसका जीवंत उदाहरण पाकुड़िया प्रखंड के ग्राम पत्थरडांगा निवासी विश्वानाथ हाँसदा प्रस्तुत कर रहे हैं। विश्वानाथ हाँसदा पहले पारंपरिक खेती के सहारे परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। सीमित आय के कारण उन्हें आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। इसी दौरान उन्हें उद्यान विभाग द्वारा आयोजित मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण में भाग लेने का अवसर मिला। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद विभाग की ओर से आवश्यक स्पॉन उपलब्ध कराए गए, जिसके पश्चात उन्होंने मशरूम की खेती की शुरुआत की।

प्रति माह 12 से 15 हजार रुपये की आमदनी : मशरूम की खेती से वर्तमान में विश्वानाथ हाँसदा को बारह से पंद्रह हजार रुपये प्रति माह की नियमित आय हो रही है। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और घर में खुशहाली आई है। उन्होंने बताया कि पहले ऑफ-सीजन में रोजगार की तलाश में गांव से बाहर जाकर मजदूरी करनी पड़ती थी, जबकि अब गांव में ही स्थायी रोजगार उपलब्ध हो गया है।

अन्य किसानों के लिए बने प्रेरणा स्रोत : विश्वानाथ हाँसदा की सफलता से प्रेरित होकर उनके गांव के अन्य लोग भी मशरूम की खेती अपनाने के लिए आगे आ रहे हैं। भविष्य में वे उद्यान विभाग से और अधिक जुड़कर बड़े स्तर पर मशरूम उत्पादन करने की योजना बना रहे हैं।

निष्कर्ष : यह सफलता कहानी दर्शाती है कि सरकारी प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग के माध्यम से किसान कम लागत में बेहतर आय अर्जित कर सकते हैं। मशरूम की खेती जैसे नवाचार न केवल किसानों की आय बढ़ा रहे हैं, बल्कि पलायन रोककर आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रहे हैं।

प्रखंड स्तरीय के.सी.सी. ऋण जागरूकता एवं संवीकरण शिविर आयोजित

लिट्टीपाड़ा : लिट्टीपाड़ा प्रखंड कार्यालय परिसर में मंगलवार को प्रखंड स्तरीय के.सी.सी. ऋण जागरूकता एवं संवीकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में किसानों ने के.सी.सी. ऋण हेतु आवेदन जमा किए। प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने योजना के उद्देश्य और समय पर ऋण चुकाने पर मिलने वाले ब्याज अनुदान की जानकारी दी। प्रखंड कृषि पदाधिकारी के.सी. दास और प्रखंड तकनीकी प्रबंधक रामेश्वर मुर्मू ने किसानों को योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में बैंक अधिकारी, कृषक मित्र और किसानों की उपस्थिति रही।

निराश्रित महिलाओं और बुजुर्गों के बीच 40 कंबलों का वितरण किया गया

पाकुड़िया : बढ़ती ठंड के बीच पाकुड़िया प्रखंड अंतर्गत मंगलाबांध पंचायत में जरूरतमंद गरीब, निराश्रित महिलाओं और बुजुर्गों के बीच कंबल का वितरण किया गया। इस दौरान पंचायत समिति सदस्य दीपक शाह द्वारा कुल 40 कंबलों का वितरण किया गया, जिससे ठंड से प्रभावित लोगों को राहत मिली। बताया गया कि कंबल वितरण का कार्य बढ़ती ठंड को देखते हुए किया गया है। पंचायत समिति सदस्य दीपक शाह ने बताया कि पंचायत क्षेत्र के गरीब एवं निराश्रित महिलाओं सहित ऐसे परिवारों को प्राथमिकता दी गई है, जिनके पास ठंड से बचाव के पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं हैं। कंबल वितरण का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंदों को ठंड के मौसम में सुरक्षा प्रदान करना है। कंबल वितरण के दौरान प्रशासन द्वारा भी प्राथमिकता के आधार पर लाभुकों का चयन किया गया, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंच सके। वितरण कार्य पूरी तरह व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ठंड के मौसम में इस तरह की सहायता गरीब, निराश्रित महिलाओं और बुजुर्गों के लिए काफी राहत देने वाली है। ग्रामीणों ने प्रखंड और पंचायत स्तर पर किए गए इस प्रयास को सराहनीय बताया और भविष्य में भी इस प्रकार की सहायता जारी रखने की अपेक्षा जताई।

संक्षिप्त समाचार

साहिबगंज महाविद्यालय में बीएड सत्र 2025 -27 के लिए रिक्त सीट के लिए आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ

साहिबगंज। महाविद्यालय के बीएड सत्र 2025 -27 के लिए रिक्त रह गए अनुसूचित जनजाति कोटे के एक सीट के लिए आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग रांची के द्वारा सभी विश्वविद्यालयों के लिए बीएड में नामांकन हेतु निर्देश जारी किया गया है जिसके अंतर्गत साहिबगंज महाविद्यालय में रिक्त रह गये सीट के लिए दिनांक 5.1.2026 से 10 .01. 2026 तक कार्यालय अवधि में आकर इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। नामांकन के लिए चयन सीएमएल मेरिट लिस्ट रैंकिंग एवं आरक्षण संबंधी कार्मिक प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा झारखंड रांची द्वारा निर्गत संकल्प के आधार पर होगा। उक्त तिथि के बाद आवेदन जमा नहीं लिया जाएगा नामांकन के लिए सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों एवं अंक पत्रों की छाया प्रति रजिस्ट्रेशन स्लिप बीएड अप्लाई एडमिट कार्ड , एंट्रेंस में प्राप्त अंक पत्र , जाति प्रमाण पत्र आवासीय प्रमाण पत्र तथा मोबाइल नंबर एवं अन्य सभी आवश्यक कागजात के साथके साथ इच्छुक आवेदक अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। इस संबंध में आवेदन संबंधीऔर अधिक जानकारी बीएड विभाग से प्राप्त की जा सकती है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका बहाली को लेकर ग्रामीणों ने उपायुक्त को आवेदन समर्पित किया

मंडरो। प्रखंड अंतर्गत विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका बहाली को लेकर ग्रामीणों ने उपायुक्त को आवेदन समर्पित किया है। जिसमें ग्रामीणों ने आदिम जनजाति पहाड़िया बाहुल्य एरिया के आंगनबाड़ी केंद्रों में नियमित सेविका व सहायिका की बहाली करने, शादी-शुदा पहाड़िया बहु-बेटी का ही चयन करने, बिना शादी शुदा को प्राथमिकता नहीं देने, ग्राम प्रधान की उपस्थिति में ग्रामसभा करने, व बाल विकास पदाधिकारी पर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने आवेदन की प्रतिलिपि डीडीसी, एसडीओ व ज़िला समाज कल्याण पदाधिकारी को प्रेषित की है। मौके पर ग्राम प्रधान मैसा पहाड़िया, चंदू पहाड़िया, सुरजा पहाड़िया, लखमा पहाड़िया, चुलमा पहाड़िया सहित ग्रामीण मौजूद थे।

स्कार्पियो ने एक महिला को टक्कर मारकर हुआ फरार

तालझारी। थाना क्षेत्र के बाफर हनुमान मंदिर के समीप एक स्कार्पियो ने एक महिला को टक्कर मारकर फरार हो गया. जानकारी के अनुसार बाफर टोला निवासी काशी मंडल की पत्नी लीला देवी 60 वर्षीय जो घर के पास थी की मंगलहाट की ओर से आ रहे स्कार्पियो ने टक्कर मार कर महाराजपुर की ओर भाग गया. महिला की मौत घटनास्थल पर ही हो गया। वहीं आक्रोशित ग्रामीणों व परिजनों ने मुख्य सड़क को जाम कर दिया वहीं घटना की सुचना मिलते ही थाना प्रभारी नितेश कुमार पाण्डेय मौके पर पहुंचकर समझने बुझाने में जुटे थे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह–2026 सीख से सुरक्षा, तकनीक से परिवर्तन

♦ सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन हेतु शपथ ग्रहण का आयोजन

साहिबगंज। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह–2026 के अंतर्गत आज साहिबगंज जिले के सभी प्रमुख कार्यालयों में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन हेतु शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा यातायात नियमों का पालन करते हुए हेलमेट, सीट बेल्ट सहित अन्य सुरक्षा उपकरणों के उपयोग को प्रोत्साहित करना है।जिला परिवहन कार्यालय, साहिबगंज में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी एवं जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू द्वारा सभी उपस्थित कर्मियों को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर अधिकारियों द्वारा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने, शराब या नशे की अवस्था में वाहन न चलाने तथा यातायात संकेतों का पालन करने का संदेश दिया गया।डीटीओ.मिथिलेश कुमार चौधरी ने कहा कि सड़क सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यातायात मानकों का पालन कर, हेलमेट एवं सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा उपकरणों का नियमित उपयोग करके हम सड़क दुर्घटनाओं एवं मृत्यु दर में प्रभावी रूप से कमी ला सकते हैं। साथ ही सभी कर्मियों को "नेक नागरिक" बनने तथा जिम्मेदार यातायात व्यवहार अपनाने का आह्वान किया गया।इस अवसर पर एमबीआई. अभिषेक मुंडा, कुमार उत्कर्ष, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित अन्य कार्यालय कर्मी उपस्थित रहे।

मासिक 'गुरु गोष्ठी' का आयोजन।

तालझारी। प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में मंगलवार को प्रखंड सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद की अध्यक्षता में सभी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों के साथ मासिक 'गुरु गोष्ठी' का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, पोशाक व ई कल्याण का जो भी डाटा है दो दिनों के अंदर कार्यालय में जमा करने, किसी भी परिस्थिति में विद्यालय कार्य दिवस बच्चों की उपस्थिति काम नहीं होनी चाहिए. नियमित बच्चन व शिक्षक अपनी उपस्थिति ई विद्या वाहिनी में दर्ज करेंगे. डहर एप्स के माध्यम से शिशु गाना का कार्य करेंगे और विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए बीडीओ ने उपस्थित शिक्षकों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मौके पर बीपीओ दीपक मंडल, बीआरपी राजेंद्र मंडल सहित सभी शिक्षक उपस्थित थे।

इपीफनी चर्च का 161 वाँ स्थापना दिवस चर्च मे विशेष अराधना किया गया

तालझारी । तालझारी स्थित इपीफनी चर्च का 161 वाँ स्थापना दिवस चर्च मे विशेष अराधना सभा पादरी रेभ. प्रदीप हांसदा के अगुवाई मे किया गया। उन्होंने कहा कि आजादी से पूर्व 1864 में चर्च का निर्माण कराया गया। उस समय से ईसाई समुदाय के लोगों ने चर्च में आकर यीशु मसीह की आराधना करते हैं यह हम लोगों का सौभाग्य है कि आज तक इस चर्च प्रभु यीशु मसीह की कृपा बनी हुई है । प्रार्थना सभा के इस अवसर पर नृत्य एवं गीत गाना बाजा के साथ साथ सामुहिक भोजन किया गया । इस दौरान अशोक हेम्ब्रम ,अजय सिंह, सुशील लिकोलश हांसदा , हाबील मरण्डी, मुकुल हेम्ब्रम,मिसेस पादरी,सहित सैकड़ों ईसाई समुदाय के लोग शामिल हुए ।

बीडीओ ने की जल सहिया के साथ समीक्षा बैठक

केलांचल टाइम्स.

उधवा । प्रखंड सभागार में बीडीओ जयंत कुमार तिवारी की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रखंड के सभी जल साहियाओं का एक दिवसीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता से संबंधित विभिन्न योजनाओं जैसे,अबुआ आवास के लाभार्थियों का शौचालय व जल जांच आदि कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। ताकि विभिन्न कार्यों को गति दी जा सके और लंबित कार्यों को पूरा किया जा सके। बीडीओ जयंत कुमार तिवारी ने कहा कि सभी जल सहिया अपने-अपने कार्यों को झारजल ऐप के माध्यम से अपलोड करना है। बैठक में प्रभारी जीपीएस जनकदेव यादव ने कहा सभी जल सहिया को अपने-अपने गांव में विभिन्न विकास योजनाओं को लेकर प्रत्येक माह के 2 व 19 तारीख को मुखिया के अध्यक्ष में बैठक करना है। बैठक में ग्रामीण व पंचायत सचिव भी मौजूद रहेंगे। वहीं पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रखंड समन्वयक राजेश कुमार ने बताया कि उधवा प्रखंड में करीब एक सौ चापाकल में जल की शुद्धता की जांच कीट के माध्यम से जल सहियाओं द्वारा किया गया है जिसमें सभी जगहों पर शुद्ध पानी मिला है। हानिकारक तत्व नहीं मिला है। उधवा में सभी जल सहियाओं को स्वच्छता कीट वितरण नहीं किया गया है। एक सप्ताह में अन्य जगहों पर जल की शुद्धता की जांच की जाएगी। जल्द ही सभी जल सहियाओं को कीट वितरण किया जाएगा। बैठक में पंचायत सचिव संतोष सुमन, मोनिका मूर्मू,रोजगार सेवक, मास्टर जल सहिया आसनारा बीबी, रीता कुमारी, मेनका दास, रूपाली मंडल,सावित्री देवी, रिजवाना खातुन, बाले बेटी हांसदा,मुन्नी बास्की सहित काफी संख्या में जल सहिया मौजूद थी।

सीओ सह बीडीओ की अध्यक्षता प्रखंड के सभी रोजगार सेवक पंचायत सचिव कनीय अभियंता व मुखिया के साथ बैठक की

केलांचल टाइम्स.

तालझारी। प्रखंड कार्यालय कक्ष में मंगलवार को सामाजिक अंकेक्षण से संबंधित को लेकर सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद की अध्यक्षता प्रखंड के सभी रोजगार सेवक पंचायत सचिव कनीय अभियंता व मुखिया के साथ बैठक की गई. जिसमें मुख्य रूप से सोशल ऑडिट यूनिट के डीआरपी शिव शंकर दास उपस्थित हुए।

आगामी 16 जनवरी मनरेगा के तहत सभी पंचायत में होने वाले सामाजिक अंकेक्षण कि पुर्व तैयारी को लेकर चर्चा किया गया। सभी पंचायत में मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली गई। निर्धारित तिथि को सोशल ऑडिट टीम जो पंचायत में आएंगे उनकी सुविधा की व्यवस्था की जाने पर चर्चा की गई। समीक्षा में बताया गया कि मसकलैया पंचायत में शौचालय दुरुस्त नहीं है। संबंधित पंचायत पदाधिकारी को वैकल्पिक व्यवस्था करने को कहा गया।

डीआरपी शिव शंकर दास के द्वारा निर्देश दिया गया कि सोशल ऑडिट शुरू होने से पहले पंचायत के सभी योजनाओं का दस्तावेज उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। प्रखंड के सभी मुखिया से आग्रह किया गया कि आवश्यक सहयोग करेंगे। साथ ही ई-केवाईसी कार्यों की समीक्षा की गई। जिसमें पांच पंचायत ई केवाईसी कार्य में लगातार कम है उन पंचायतो को जिला प्रतिवेदित किया जा रहा है। जिसमें बाकुडी, वृन्दावन,भगियामारी, सकडभंगा एवं तालझारी शामिल है. मौके पर बीपीओ रजनीश परासर, जेपीएस प्रमेश्वर किस्कू सहित अन्य मौजूद थे.

विकास योजनाओं की हुई समीक्षा बैठक

केलांचल टाइम्स.

मंडरो। प्रखंड कार्यालय में मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी मेघनाथ उरांव की अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रखंड अंतर्गत संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा किया गया ! बैठक के दौरान प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना, अबुआ आवास योजना सहित अन्य आवास योजनाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए लाभुकों को समय पर आवास उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। वहीं मनरेगा योजनाओं के तहत मजदूरों को नियमानुसार रोजगार उपलब्ध कराने, लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया गया।इसके अलावा 15वें वित्त आयोग की योजनाओं से संबंधित कार्यों की भी समीक्षा किया गया। बीडीओ मेघनाथ उरांव ने संबंधित विभागों के कर्मियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने, योजनाओं में पारदर्शिता बनाए रखने तथा सरकार की मंशा के अनुरूप आम जनता तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी योजना में लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी कर्मियों को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने एवं नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।मौके पर प्रखंड कर्मी दयानन्द प्रसाद, रमेश कुमार,संतोष पंडित सहित कई प्रखंड कर्मी मौजूद थे।

राजस्व एवं विद्युत कार्य में चल रहे कामों को लेकर विद्युत सब डिविजन कार्यालय में सभी कंपनियों के एजेंसी के साथ एक समीक्षा बैठक की

केलांचल टाइम्स.

साहेबगंज। मंगलबार को विद्युत आपूर्ति प्रमंडल साहिबगंज कार्यालय मे विद्युत अधीक्षण अभियंता डॉ नत्थन रजक एवं विद्युत कार्यपालक अभियंता शंभूनाथ चौधरी के नेतृत्व में साहिबगंज, सहायक अभियंता, कनीय अभियंताओं, वितरण क्षेत्र (मुजी)प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान, पीभीटीजी, आरडीएसएस, अन्य कंपनी के ठेकेदार के साथ एक बैठक बुलाई गई थी।,मुजी, पीभीटीजी,आरडीएसएस,स्कीम में चलने वाले कामों के बारे में जानकारी हासिल किया। उन्होंने यह भी कहा कि फरवरी 2026 तक मुख्यमंत्री उज्ज्वल झारखंड योजना,(मुजी) एव अन्य कंपनी को काम को पूरा करके मुझे सूचित करे।उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री उज्ज्वल झारखंड योजना,(मुजी) पीभीटीजी,आरडीएसएस,के तहत जिला में कई पहाड़िया एवं अन्य टोला गांव में छुटे हुए कामों को जल्द से जल्द पूरा कर लेने को कहा गया । जिस गांव मोहल्ले में बिजली लाइन का पॉल एवं केवल तार जर्जर अगर है तो उसे इस स्कीम के तहत जल्द से जल्द बदला जाएगा।इस बैठक में विद्युत आपूर्ति प्रमंडल कार्यपालक अभियंता शंभूनाथ चौधरी ने विशेष कर राजस्व को लेकर विद्युत विभाग के सहायक अभियंता कनीय अभियंता के साथ विभिन्न योजनाओं में चल रहे कार्यों की समीक्षा के बारे में विशेष कर राजस्व,बिलिंग,आदि की उगाई पर पूरा ज्यादा ध्यान देने को कहा। और जिले में चल रहे सभी कार्यों का एक-एक करके समीक्षा किया। इस बैठक में जिले के विद्युत सहायक अभियंता और कनीय अभियंता को कहा कि आप लोग अपने अपने क्षेत्रों में जाकर सभी कामों का देखकर जल्द से जल्द मुझे सूचित करे। इस बैठक में मौजूद विद्युत कार्यपालक अभियंता शंभूनाथ चौधरी, शहरी सहायक अभियंता ज्ञानचंद्र,ग्रामीण सहायक अभियंता शिवम पांडे, विद्युत कनीय अभियंता नील गगन,राजमहल सहायक विद्युत अभियंता पूरण कुमार घासी, बरहरवा सहायक विद्युत अभियंता सत्यम कुमार मरांडी, कनीय विद्युत अभियंता, चंदन कुमार, जूनियर मैनेजर जयकुमार, राजस्व शाखा से संजीत कुमार एवं अन्य कर्मचारी गण तथा सभी कार्यकारी एजेंसी उक्त बैठक में भाग ली जिसमें बिलिंग एवं राजस्व को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

भौराबांध में धड़ल्ले से चल रहा अवैध कोयला कारोबार, मुख्य सड़क से दिनदहाड़े हो रही ढुलाई

केलांचल टाइम्स.

कोटालपोखर। थाना क्षेत्र अंतर्गत भौराबांध एवं आसपास के ग्रामीण इलाकों में इन दिनों अवैध कोयले का कारोबार बेखौफ तरीके से फल-फूल रहा है। स्थिति यह है कि यह अवैध गतिविधि किसी सुनसान रास्ते से नहीं, बल्कि मुख्य सड़क के माध्यम से दिनदहाड़े संचालित की जा रही है। वहीं, पड़ोसी बरहरवा थाना क्षेत्र से जुड़े अवैध कोयला कारोबारी भी पूरे जोर-शोर के साथ इस धंधे में सक्रिय बताए जा रहे हैं।सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र में अवैध रूप से कोयले का भंडारण किया जा रहा है, जिसके बाद भारी वाहनों के जरिए उसे पश्चिम बंगाल भेजा जा रहा है। लगातार हो रही इस ढुलाई से यह स्पष्ट है कि अवैध कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं और उन्हें किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कार्रवाई का भय नहीं है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहनों की आवाजाही से क्षेत्र की सड़कों की हालत बदतर होती जा रही है। इसके साथ ही उड़ती कोयले की धूल और बढ़ते प्रदूषण के कारण लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।सबसे चिंताजनक बात यह है कि इतने बड़े पैमाने पर संचालित हो रहे अवैध कारोबार के बावजूद अब तक प्रशासन या संबंधित विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। ग्रामीणों के बीच यह चर्चा आम है कि या तो प्रशासन इस पूरे मामले से अनजान बना हुआ है, या फिर जानबूझकर आंखें मूंदे बैठा है।यदि समय रहते अवैध कोयला कारोबार पर प्रभावी रोक नहीं लगाई गई, तो यह गतिविधि भविष्य में न केवल पर्यावरण बल्कि कानून-व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बन सकती है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि मामला सामने आने के बाद प्रशासन इस पर क्या सख्त कदम उठाता है, या फिर भौराबांध एवं आसपास के क्षेत्रों में अवैध कोयले का यह कारोबार यूं ही बेखौफ चलता रहेगा।

नशा मुक्त भारत' अभियान के तहत वाद-विवाद, स्लोगन व पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन

केलांचल टाइम्स.

साहिबगंज। नशा मुक्त भारत के संकल्प को मजबूती देने के उद्देश्य से साहेबगंज में जन-जागरूकता गतिविधियों को गति दी जा रही है। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा), रांची के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है । इसी क्रम में कस्तूरबा गाँधी बालिका आवसीय विद्यालय, साहेबगंज में वाद-विवाद, स्लोगन एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें अनुष्का कुमारी ने प्रथम, आँचल कुमारी ने द्वितीय तथा कृति कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखते हुए समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल में फिर कुव्यवस्था कि खुली पोल, मृत महिला को ठेला में जाने विवस परिवार जन

केलांचल टाइम्स.

राजमहल। अनुमंडल अस्पताल में सही इलाज न होने के कारण एक महिला मरीज की मृत्यु के बाद शव को घर ले जाने के लिए घंटो इंतज़ार करना पड़ा । एंबुलेंस के अभाव में परिवार जनों ने ठेला मँगवाकर उसमे शव को रखकर घर ले जाना पड़ा, इतना ही नहीं शव को ठेला तक लाने के लिए स्ट्रेचर कि व्यवस्था नहीं रहने के कारण घर वाले को हाथ में उठाकर बाहर ठेला तक लाना पड़ा। जहाँ सरकार रात -दिन मरीजों के लिए करोड़ों रुपया खर्च कर रहे है वहीं ऐसी घटना घटने पर स्वास्थ्य विभाग पर अंगुली उठना लाज़िमी हौ जाती है। दुर्भाग्य कि बात कि बिगत दो दिन पहले ही एक मरीज़ को ले जाने के लिए एम्बुलेंस को धक्का लगाकर स्टार्ट करना पड़ा था, आखिर ऐसी कुव्यवस्था का जवाब का जिम्मेदार कौन है,जहाँ केमिकल के कारण मशीने खराब हौ रही है वैसे में लाखो रूपये खर्च करके स्वास्थ्य मेला लगाने का किया तात्पर्य होता है, बुधवार को राजमहल अनुमण्डलीय अस्पताल में इतने रूम रहने के बाबजूद बाहर अस्पताल प्रांगण में पंडाल लगाकर मेला लगाने का तातपर्य किया दर्शाता है। स्वास्थ्य मेला जो पैसे कि खर्च होगा उस पैसे से को ख़राब एम्बुलेंस पड़े है उसे ठीक करवाया जाता तो मंगलवार को अमानवीय घटना जो घटी गीता शर्मा उम्र 68 वर्ष, जो गुदारा घाट कि रहने वाली थी, उसके मृत शरीर (शव) को परिजन के द्वारा ठेला में लादकर नहीं ले जाया जाता। आखिर कब तक राजमहल वासी ऐसे अमूमण्डलीय अस्पताल के प्रभारी कि कुव्यवस्था से निजात मिलेगा। जबकि राजमहल के विधायक रहने के बाद भी,उन्ही के विधानसभा क्षेत्र के किसी भी मरीज़ के साथ घटना घटने के बाद भी हमारे विधायक जी क्यों नहीं ऐसे लोगो पर कार्रवाई कर रहे है।वहीं सिविल सर्जन ने जिले के सभी सीएचसी,अनुमंडलीय अस्पताल को दुरुस्त करने के लिए रात दिन लगे रहते हे मगर सीएचसी के कई चिकित्सा पदाधिकारी एव अस्पताल के कई डॉक्टर एवं कर्मचारी अपने अस्पताल में सही से ध्यान नहीं देते हे।देखने कि बात ये होंगी कि लगातार ऐसे घटना अनुमंडलीय अस्पताल, राजमहल में घटने कि खबर के बाद हमारे सिविल सर्जन एवं राजमहल विधायक कोई कार्रवाई करते है या फिर राजमहल वासी के ऊपर ऐसे कुकृत्य घटना देख कर रह जाते है।

ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण और स्वच्छता को लेकर बैठक आयोजितः जलकर वसूली और शौचालय उपयोग पर जोर

केलांचल टाइम्स.

तालझारी। प्रखंड सभागार में मंगलवार को ग्रामीण विकास और स्वच्छता अभियान को गति देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक हुई । बैठक की अध्यक्षता सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद ने की।बैठक में मुख्य रूप से शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, जल संरक्षण और पूर्ण स्वच्छता सुनिश्चित करने जैसे गंभीर मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक को संबोधित करते हुए पीएचईडी जिला जेईई निशांत कुमार सिंह ने स्पष्ट किया कि जल आपूर्ति योजनाओं के सुचारू संचालन के लिए सभी लाभुकों से समय पर 'जलकर' वसूलना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल जलापूर्ति की व्यवस्था बनी रहेगी, बल्कि भविष्य की योजनाओं के रखरखाव में भी मदद मिलेगी।

बैठक में पानी की शुद्धता को लेकर एफटीके के माध्यम से नियमित जल जांच करने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि ग्रामीण स्तर पर जल की गुणवत्ता की निगरानी स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीणों के माध्यम से की जाए।समय-समय पर ग्राम सभा का आयोजन किया जाए ताकि विकास योजनाओं में पारदर्शिता आए और ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण हो सके।स्वच्छता और शौचालय उपयोग हेतु जागरूकता।बैठक का एक मुख्य केंद्र स्वच्छता अभियान रहा। अधिकारियों ने इस बात पर चिंता जताई कि केवल शौचालय निर्माण पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका निरंतर उपयोग भी जरूरी है। चर्चा के दौरान निर्णय लिया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय के उपयोग के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएंगे।ग्रामीणों को खुले में शौच से होने वाली बीमारियों के प्रति सचेत कर उन्हें शौचालय के नियमित उपयोग के लिए प्रेरित किया जाएगा।इस बैठक में प्रखंड क्षेत्र के सभी जलसहिया उपस्थित रहे, जिन्होंने सरकार की इन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने का संकल्प लिया।

संपादकीय

इंदौर जल प्रदूषण संकट : दर्पण झूठ न बोले

मध्य प्रदेश के महानगर इंदौर के भागीरथपुरा इलाक़े में दिसंबर 2025 के जाते जाते दूषित पेयजल की वजह से एक बड़ा स्वास्थ्य संकट पैदा हो गया। इस घटना ने उस इंदौर शहर की हक़ीक़त को उजागर कर दिया जिसे भारत का सबसे स्वच्छ शहर होने का गौरव भी हासिल है। ग़ौर तलब है कि जुलाई 2025 में घोषित स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 के परिणामों के अनुसार इंदौर ने लगातार आठवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का ख़िताब जीता है। यह भारत सरकार के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा कराया जाने वाला विश्व का सबसे बड़ा शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण बताया जाता है। यह रैंकिंग कचरा प्रबंधन, नागरिक भागीदारी, स्वच्छता और स्वच्छता सम्बन्धी अन्य मानकों पर आधारित है। हालांकि गत वर्षांत में इंदौर में स्वच्छ पानी की पाइप लाइन में सीवरेज के गंदे व प्रदूषित पानी मिले होने की घटना स्वच्छता सर्वेक्षण के दायरे यानी मुख्य रूप से सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट से अलग मुद्दा है, लेकिन निश्चित रूप से इस घटना ने इंदौर के नंबर वन होने के ख़िताब पर प्रश्न चिन्ह ज़रूर खड़ा कर दिया है। इस घटना से एक सवाल यह भी खड़ा हो गया है कि जब लगातार आठ बार भारत के सबसे स्वच्छ रहने का ख़िताब जीतने वाले महानगर इंदौर के लोग सीवरेज युक्त पेयजल पीने को मजबूर हैं तो उन शहरों का क्या जिनकी गिनती ही देश के गंदे शहरों में होती है? इस घटना के बाद सत्ता की ओर से कई तरह की बाज़ीगरी करने की कोशिश की गयी। लोगों की मौतों के आंकड़े को छुपाने व कम बताने की कोशिश की गयी। एक तरफ़ अस्पताल की रिपोर्ट व प्रभावित परिजनों के दावे 16 लोगों की मौत की पुष्टि कर रहे थे तो राज्य सरकार उच्च न्यायलय में केवल चार लोगों की मौत का दावा करती रही। ख़बरों के अनुसार इस घटना से 1400 से अधिक लोग उल्टी, दस्त, डिहाइड्रेशन और बुख़ार जैसी समस्याओं से प्रभावित हुए। इनमें से लगभग 260 लोग अस्पताल में भर्ती हुए। उधर इसी विषय पर मध्य प्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर में दूषित पानी से कई लोगों की मौत और बीमारी के मामले पर मीडिया के सवालों से नाराज़ होकर एक पत्रकार से निहायत बदतमीज़ी भरा व्यवहार किया। जब उनसे एक टी वी रिपोर्टर ने पूछा कि साफ़ पानी की व्यवस्था क्यों अपर्याप्त है। इस पर विजयवर्गीय भड़क गए और कहा, छोड़ो यार, फोकट (फालतू) के सवाल मत पूछो। क्या घंटा होकर आए हो तुम? जैसे आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल किया। हालांकि बाद में विजयवर्गीय ने माफ़ी मांग कर मामले को रफ़ा दफ़ा करने की कोशिश ज़रूर की परन्तु तब तक इन घटिया शब्दों द्वारा व्यक्त किये गये उनके भीतर के उदगार उनकी सरकार की विफलता की खीज के रूप में प्रकट हो चुके थे। बहरहाल इस घटना ने देश की उस वास्तविकता को एक बार फिर बेनक़ाब कर दिया है जहाँ विकास के तमाम दावों व आंकड़ों के बावजूद देश के आम लोगों को अभी तक पीने का साफ़ पानी तक मयस्सर नहीं है। वास्तव में भारत में प्रदूषित जल का सेवन एक लंबे समय से चली आ रही समस्या है, जो औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, कृषि क्रांति और जनसंख्या वृद्धि से जुड़ी हुई है। यह समस्या न केवल स्वास्थ्य पर असर डालती है, बल्कि आर्थिक और पर्यावरणीय नुक़्सान भी पहुंचाती है। गंगा और यमुना जैसी देश की अनेक नदियों में अनुपचारित सीवेज और औद्योगिक अपशिष्ट डालना भी जलजनित बीमारियों का मुख्य कारण है। हरित क्रांति के दौर में जब उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग बढ़ा, उस दौर में भूजल में नाइट्रेट प्रदूषण फैलने की ख़बरें आईं। उस समय देश के 56% ज़िलों में इसका प्रभाव पाया गया। इसी तरह डी डी टी जैसे कीटनाशकों के अत्यधिक उत्पादन व प्रयोग से इनके अवशेष जल में बने रहे। साथ ही औद्योगिक विकास के नाम पर नदियों में लीड, कैडमियम, आर्सेनिक जैसी भारी धातुओं का प्रदूषण बढ़ा। इस दौर में भी कॉलरा(हैज़ा) और डायरिया जैसी महामारियां बढ़ीं, और मौतों की संख्या में और भी वृद्धि हुई। सूत्रों के अनुसार आज भी भूजल अर्थात 85% ग्रामीण इलाक़ों में पीने का पानी नाइट्रेट, धातुओं और बैक्टीरिया से प्रदूषित है। इसके अलावा बाढ़ से भी प्रदूषण बढ़ता है। अब रहा सवाल जल आपूर्ति लाइन में सीवरेज का पानी मिलकर प्रदूषित जल आपूर्ति होने का, तो यह कोई अकेले इंदौर की समस्या मात्र नहीं बल्कि देश के तमाम शहर व इलाक़े ऐसी समस्याओं का शिकार हैं। उल्टी, दस्त, डिहाइड्रेशन और बुख़ार जैसी बीमारी की समस्यायें आज घर घर की समस्याएं बन चुकी हैं। इसका मुख्य कारण है भूमिगत जल पाइप लाइन का प्रायः भूमिगत सीवर लाइनों के साथ साथ या उसके समानांतर बिछा होना। यह समस्या उस समय और भी विकराल रूप धारण कर लेती है जबकि सीवर लाइनें ओवर फ़्लो हो कर भूमिगत सीवरेज रिसाव को बढ़ाती हैं और साथ ही यदि भूमिगत जल पाइप लाइन में भी लीकेज हो तो सीवर और पीने के पानी मिक्स हो जाता है। वास्तव में यह समस्या ग़लत योजना,भ्रष्टाचारपूर्ण निर्माण, समय पर रखरखाव का अभाव,प्रशासनिक लापरवाही व ऐसी समस्याओं की लगातार अनदेखी करने के कारण होती हैं। यही वजह है कि प्राप्त आंकड़ों के अनुसार जल और स्वच्छता से संबंधित बीमारियों से लगभग 400,000 मौतें प्रति वर्ष दर्ज होती हैं जबकि प्रदूषित पानी से लगभग 300,000 बच्चे प्रतिवर्ष मरते हैं तथा डायरिया से क़रीब 1,600 मौतें प्रतिदिन होती हैं। विश्व बैंक के अनुसार ऐसी 21% संक्रामक बीमारियां असुरक्षित जल से जुड़ी हैं । देश की आर्थिक स्थिति पर भी इसका प्रभाव पड़ता है। पर्यावरणीय क्षति से 3.75 ट्रिलियन रुपये अर्थात 80 बिलियन डॉलर का वार्षिक नुक़्सान होता है क्योंकि इससे स्वास्थ्य लागत लगभग 470-610 बिलियन रुपये यानी 6.7-8.7 बिलियन बढ़ जाती है। साथ ही प्रदूषित क्षेत्रों में कृषि राजस्व में 9% की और उपज में 16% की अनुमानित कमी आती है।

उमर–शरजील की जमानत का फैसला विवादों में

सनत जैन

उमर खालिद और शरजील इमाम से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों और आदेशों ने एक बार फिर भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण विरोध और राज्य की शक्ति के बीच संतुलन पर बहस को तेज कर दिया है। यह मामला केवल दो व्यक्तियों की जमानत का नही है।बल्कि उस व्यापक प्रश्न का है,जिसमे संविधान के अनुसार सरकार की आलोचना और विरोध को आम व्यक्तियों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने वाला दिख रहा है।सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सरकार और जांच एजेंसियों को सुरक्षा दे रहा है। जिसमें यूपीए के माध्यम से किसी भी नागरिक को किसी भी अवधि तक जेल में बंद रखा जा सके। विरोध की अभिव्यक्ति और आलोचना को किस हद तक अपराध की श्रेणी में रखकर सरकार और जांच एजेंसियां नागरिक अधिकारों के खिलाफ उपयोग में ला सकती हैं। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) नागरिकों को विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। जबकि अनुच्छेद 19(1)(बी) शांतिपूर्ण और निशस्त्र सभा का अधिकार सुनिश्चित करता है। सुप्रीम कोर्ट ने अतीत में अनेक बार स्पष्ट किया है।असहमति लोकतंत्र की आत्मा है, सरकार के खिलाफ बोलना या विरोध करना राष्ट्र-विरोधी नहीं हो सकता है। किंतु उमर–शरजील मामले में कठोर धाराओं, विशेषकर यूएपीए जैसी कानूनों के प्रयोग कर 5 वर्ष से अधिक समय हो जाने के बाद भी उन्हें ना तो जमानत दी गई है। नाही जांच एजेंसी ने कोर्ट में चार्ज सीट पेश की है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से यह सवाल खड़ा होता है। क्या आलोचना को साजिश और भाषण को हिंसा की मंशा मानने की प्रवृत्ति सरकार में बढ़ रही है। इसका असर सभी लोगों पर आम रूप से पड़ेगा। जमानत जैसे मामले में सुप्रीम कोर्ट भी सरकार की कार्यवाही का एक तरह से अनुकरण कर रही है। सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्णय ने यह संकेत दिया है। सरकारी व्यवस्था के खिलाफ उग्र या असहज करने वाला भाषण अथवा अभिव्यक्ति स्वतः हिंसा के लिए उकसावा नहीं है। भाषण और वास्तविक हिंसा के बीच सीधा और स्पष्ट संबंध स्थापित नहीं किया जा सकता है। मौलिक अधिकारों पर सरकार और जांच एजेंसियों का कठोर प्रहार न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है। यह टिप्पणी संवैधानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह संवैधानिक प्रभाव राज्य को चेतावनी देता है, कानून-व्यवस्था के नाम पर अधिकारों का अंधाधुंध दमन स्वीकार्य नहीं किया जा सकता है। हालांकि, यह सच है,अदालत ने पूरी तरह से राज्य की कार्रवाई को खारिज नहीं किया। बल्कि जांच प्रक्रिया को प्राथमिकता देते हुए जमानत से इनकार किया है। जांच एजेंसी 5 साल से अधिक समय तक आरोपियों पर आरोप तय नहीं कर पाई। दोनों आरोपी 2020 से जेल में बंद हैं। इसका परिणाम यह हुआ, लंबी न्यायिक प्रक्रिया स्वयं एक दंड का रूप लेती दिखाई देती है। वर्षों तक जेल में रहना, बिना दोष सिद्ध हुए, मौलिक अधिकारों की भावना के विपरीत है। जिस संविधान की रक्षा करने का भार न्यायपालिका के ऊपर है।यदि वही संवैधानिक और मौलिक अधिकारों की रक्षा नहीं करेगी, तो क्या होगा। इसे आसानी से समझा जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत को लेकर जो फैसला दिया है, उससे यही संदेश जाता है, सरकार के खिलाफ मुखर होना अब जोखिम भरा हो गया है, लोकतांत्रिक समाज के लिए शुभ संकेत नहीं है। उमर–शरजील प्रकरण से यह स्पष्ट होता है, भारतीय न्यायपालिका के लिए एक संवैधानिक रेखा खींचना जरूरी हो गया है। सुप्रीम कोर्ट स्वयं अपने निर्णय को मान्य नहीं कर रहा है। संवैधानिक बेंच द्वारा दिए गए फैसले को सुप्रीम कोर्ट के जज मानने के लिए तैयार नहीं है। देश में हिंसक और नफरत का वातावरण बढ़ता जा रहा है। न्यायालय द्वारा जिस तरह का न्याय किया जा रहा है। वह भी अब विवादों में आने लगा है। एक ओर वास्तविक हिंसा और आतंक से सख्ती से निपटाने की जरूरत है। वहां पर यदि धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर सरकार के खिलाफ विरोध करने पर सरकार उत्पीड़न करती है। यदि न्यायपालिका का भी उत्पीड़न भी इसमें शामिल हो जाए। ऐसी स्थिति में संविधान और लोकतंत्र के रहते हुए मौलिक अधिकारों और नागरिक स्वतंत्रता का कोई मायना नहीं रह जाएगा।

प्रदूषित जल से जन-जीवन पर संकटः इंदौर की चेतावनी कहानी

सुनील कुमार महला

कहां गया है कि जल ही जीवन है। लेकिन जल किसी की जान ले लें तो यह बहुत दुखद ही कहा जाएगा। हाल ही में देश के सबसे साफ शहर माने जाने वाले इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में गंदा पानी पीने की वजह से उल्टी-दस्त होने से कम से कम छह लोगों की मौत की हो चुकी है तथा मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार फिलहाल शहर के 41 अस्पतालों में कुल 203 मरीजों का इलाज चल रहा हैं और इनमें से 34 लोगों को आईसीयू में रखा गया है और उनकी हालत को देखते हुए इलाज पर खास ध्यान दिया जा रहा है। अच्छी बात यह है कि गंदे पानी पीने से उल्टी-दस्त फैलने के बाद प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और मरीजों को जरूरी मेडिकल सुविधा दी जा रही है। हालांकि, लोकल लोगों का दावा है कि गंदे पानी से छह महीने के एक बच्चे समेत कुल 16 लोगों की जान गई है। मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह घटना मुख्यतः शहर के कुछ इलाकों में हुई, जहाँ सीवर लाइन और जलापूर्ति पाइपलाइन में लीकेज/क्रॉस-कनेक्शन के कारण दूषित पानी घरों तक पहुंचा। इस पानी के सेवन से लोगों को तेज दस्त, उल्टी, बुखार और डिहाइड्रेशन जैसी गंभीर समस्याएं हुईं तथा जांच में पानी में हानिकारक बैक्टीरिया (जैसे ई-कोलाई) पाए गए, जो मानव मल से फैलते हैं।भारत ही नहीं, आज विश्व स्तर पर दूषित जल एक गंभीर मानव-स्वास्थ्य और विकास समस्या बना हुआ है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि विश्व तथा भारत-दोनों स्तरों पर दूषित जल (वाटर पोल्यूशन) के कारण लगभग समान हैं, हालांकि जनसंख्या घनत्व, औद्योगिकीकरण और प्रबंधन की कमी के कारण भारत में इनका प्रभाव अधिक गंभीर रूप में दिखाई देता है। प्रमुख कारणों में प्रमुख रूप से औद्योगिक अपशिष्टों,घरेलू सीवेज और मलजल,कृषि रसायनों का अत्यधिक उपयोग,ठोस कचरा और प्लास्टिक प्रदूषण,धार्मिक और सामाजिक गतिविधियाँ,खनन और निर्माण गतिविधियाँ तथा भूजल का प्राकृतिक व मानवजनित प्रदूषण आदि को शामिल किया जा सकता है। यह बहुत ही दुखद है कि आज विभिन्न कल-कारखानों से निकलने वाला रासायनिक कचरा, भारी धातुएँ (सीसा, पारा, आर्सेनिक), रंग, एसिड और विषैले तत्व बिना पर्याप्त शोधन के नदियों, झीलों और भूजल में छोड़ दिए जाते हैं। इससे जल न केवल पीने योग्य नहीं रहता, बल्कि जलीय जीवन भी नष्ट होता है। हमारे यहां सीवेज सिस्टम भी ठीक नहीं है और आज यह देखने में आता है कि बड़े बड़े शहरों और कस्बों में उत्पन्न होने वाला सीवेज अक्सर बिना उपचार के नदियों में बिना किसी रोक-टोक के धड़ल्ले से प्रवाहित कर दिया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज भारत में सीवेज ट्रीटमेंट क्षमता की कमी के कारण यह दूषित जल का सबसे बड़ा स्रोत बन चुका है। आज खेतों में अधिक उत्पादन लेने के लिए विभिन्न कीटनाशकों, उर्वरकों का प्रयोग किया जाता है। वास्तव में,खेतों में प्रयुक्त रासायनिक उर्वरक, कीटनाशक और खरपतवारनाशी वर्षा के पानी के साथ बहकर जलस्रोतों में पहुँच जाते हैं। इससे नाइट्रेट और फॉस्फेट की मात्रा बढ़ती है, जो जल को विषैला बनाती है।प्लास्टिक, पॉलीथिन, घरेलू कचरा और मेडिकल वेस्ट का अनुचित निस्तारण नदियों और तालाबों को प्रदूषित करता है। आज के समय में तो जल प्रदूषण का एक सबसे बड़ा और गंभीर कारण प्लास्टिक माना जा रहा है। आधुनिक जीवनशैली में प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग किया जा रहा है जैसे पॉलीथिन बैग, बोतलें, पैकेजिंग सामग्री और डिस्पोज़ेबल वस्तुएँ आदि। जिसके परिणामस्वरूप आज हमारी नदियों, झीलों और समुद्रों में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक पहुँच रहा है।पाठक जानते हैं कि प्लास्टिक जैव-अपघटित नहीं होता, बल्कि सैकड़ों वर्षों तक जल में बना रहता है और धीरे-धीरे माइक्रोप्लास्टिक में बदल जाता है। ये सूक्ष्म कण जलीय जीवों द्वारा निगल लिए जाते हैं, जिससे उनकी मृत्यु होती है और अंततः यही विषैले कण खाद्य श्रृंखला के माध्यम से मानव शरीर तक पहुँचते हैं।

इसके अलावा प्लास्टिक जल प्रवाह को बाधित करता है, नालों को जाम करता है और जल स्रोतों की प्राकृतिक शुद्धता को नष्ट करता है। इसलिए प्लास्टिक प्रदूषण न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी एक गंभीर खतरा बन चुका है। आज दूषित जल की समस्या वैश्विक है, लेकिन भारत में कचरा प्रबंधन की कमजोरी इसे और गंभीर बनाती है।हमारा देश एक धार्मिक देश है और हमारे यहां नदियों, झीलों, पानी के विभिन्न स्त्रोतों आदि में मूर्तियों का विसर्जन, पूजा सामग्री, अस्थि विसर्जन और सामूहिक स्नान जैसी गतिविधियाँ जल में रसायन, रंग और जैविक कचरा बढ़ाती हैं, जिससे जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है। आज विकास के नाम पर अंधाधुंध खनन गतिविधियां की जा रहीं हैं और खनन से निकला मलबा, विभिन्न रसायन और निर्माण कार्यों से बहकर आने वाली मिट्टी नदियों में गाद और विषैले तत्व बढ़ाती है, जिससे जल प्रदूषित होता है। इसके अलावा, कुछ क्षेत्रों में आर्सेनिक, फ्लोराइड और लवणता जैसी समस्याएँ प्राकृतिक हैं, लेकिन अंधाधुंध दोहन और प्रदूषित जल का रिसाव इन्हें और गंभीर बना देता है।निष्कर्षतः, हम यहां यह बात कही सकते हैं कि आज विश्व और भारत दोनों में दूषित जल की समस्या मानव गतिविधियों का ही परिणाम है। यदि समय रहते प्रभावी जल प्रबंधन, अपशिष्ट शोधन और जन-जागरूकता नहीं बढ़ाई गई, तो यह समस्या भविष्य में और भी भयावह रूप ले सकती है। यदि हम यहां जल से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ के अनुसार आज भी दुनिया में लगभग 2.2 अरब लोग सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल सेवा से वंचित हैं, यानी उन्हें ऐसा पानी नहीं मिल पाता जो घर पर उपलब्ध, निरंतर और दूषण-मुक्त हो। इनमें से करीब 1.7 अरब लोग ऐसे जल स्त्रोतों का उपयोग करते हैं, जिनमें मल-जनित प्रदूषण का जोखिम रहता है, जबकि लगभग 115 मिलियन लोग सीधे नदियों, तालाबों और झीलों जैसे सतही जल पर निर्भर हैं। आंकड़े बताते हैं कि दूषित पानी के सेवन से हर वर्ष लगभग 5 लाख से अधिक लोगों की मौत होती है, जिनमें बड़ी संख्या छोटे बच्चों की होती है। इसके साथ-साथ दुनिया में करीब 3.5 अरब लोग सुरक्षित स्वच्छता सुविधाओं से भी वंचित हैं, जिससे जल स्त्रोतों का प्रदूषण और बढ़ जाता है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि दूषित जल वैश्विक स्वास्थ्य, गरीबी और असमानता से गहराई से जुड़ी समस्या है।भारत में यदि दूषित जल की बात करें तो हमारे देश में दूषित जल की समस्या एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बन चुकी है। सरकारी व अंतरराष्ट्रीय आकलनों के अनुसार देश की लगभग 62% आबादी पेयजल के लिए भूजल पर निर्भर है, जबकि 250 से अधिक जिलों में भूजल फ्लोराइड, आर्सेनिक, नाइट्रेट, आयरन और भारी धातुओं से प्रदूषित पाया गया है । संसद में प्रस्तुत एक जानकारी के अनुसार 26,000 से अधिक ग्रामीण बस्तियों में लोगों को आज भी दूषित पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।शहरी क्षेत्रों में भी स्थिति चिंताजनक है।एक आकलन के मुताबिक बहुत कम शहरी परिवारों को सीधे नल से सुरक्षित पेयजल उपलब्ध है, जबकि अधिकांश लोग फिल्टर/आरओ पर निर्भर हैं, जिसकी गुणवत्ता हर जगह सुनिश्चित नहीं है । विश्व स्तर पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत में असुरक्षित पानी से जुड़ी मौतों की दर लगभग 35 प्रति एक लाख जनसंख्या है, जो वैश्विक औसत से अधिक है । दूषित जल के कारण डायरिया, हैजा, टाइफाइड जैसी जलजनित बीमारियाँ व्यापक रूप से फैलती हैं, जिससे खासकर बच्चों और ग्रामीण आबादी के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ता है। अंत में यही कहूंगा कि साफ जल प्रत्येक मनुष्य की आवश्यकता है। हमें इसे दूषित होने से बचाना होगा। दूसरे शब्दों में कहें तो जल को दूषित होने से बचाना आज की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है। इसके लिए व्यक्तिगत, सामाजिक और सरकारी—तीनों स्तरों पर ठोस कदम उठाने होंगे। प्रमुख प्रभावी उपायों में क्रमशः प्लास्टिक और ठोस कचरे का सही निपटान बहुत ही महत्वपूर्ण और अहम् है। वास्तव में,नदियों, तालाबों और झीलों में प्लास्टिक, पॉलीथिन व अन्य कचरा फेंकने पर सख्त रोक होनी चाहिए तथा कचरे का पृथक्करण (गीला-सूखा) और पुनर्चक्रण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। औद्योगिक अपशिष्ट का उपचार किया जाना चाहिए। दरअसल,उद्योगों से निकलने वाले रासायनिक अपशिष्ट को सीधे जलस्रोतों में छोड़ने के बजाय शोधन संयंत्रों में उपचारित करना अनिवार्य किया जाना चाहिए और नियमों का सख्ती से पालन होना चाहिए। घरेलू सीवेज का शोधन जरूरी है।शहरों और कस्बों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि गंदा पानी नदियों में जाने से पहले साफ किया जा सके। जल को दूषित होने से बचाने के लिए हमें यह चाहिए कि हम कृषि में रसायनों का सीमित, संतुलित उपयोग करें। हमें यह याद रखना चाहिए कि जैविक खेती को अपनाने से भूजल और सतही जल प्रदूषण कम होता है। इसके अलावा खुले में शौच पर पूर्ण रोक,धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में सावधानी बरतकर भी हम जल को प्रदूषित होने से बचा सकते हैं।पूजा-सामग्री, मूर्तियों, फूल-मालाओं और राख(भभूत)आदि को नदियों में प्रवाहित करने के बजाय वैकल्पिक, पर्यावरण-अनुकूल तरीकों को अपनाया जाना चाहिए।

मेष : कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपके द्वारा प्रस्तुत योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-2-4-6

वृष : महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-2-4-5

मिथुन : राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-6-8-9

कर्क : आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। शुभांक-3-6-8

सिंह : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। विवाद को टालें। शुभांक-3-5-7

कन्या : आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-4-6

तुला : आलस्य का त्याग करें। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। शुभांक-4-7-8

वृश्चिक : भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-6-8

मकर : जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-5-7

कुंभ : बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-3-5-7

मीन : संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-5-7

बेटों ने साँप से कटवाकर बाप की हत्या करवाईः पारिवारिक हत्याओं में बढ़ोतरी

एल.एस. हरदेनिया

2025 में हमने विभिन्न समाचार पत्रों में देश में हुई अलग-अलग घटनाओं का विवरण पढ़ा। इनमें से कुछ घटनाएँ अच्छी थीं और कुछ बुरी थीं। मगर कुछ दिल दहलाने वाली थीं। इनमें ऐसी घटनाएं शामिल थीं जिनमें परिवार के लोगों ने ही अपने परिजनों की हत्या कर दी या करवाई। इस तरह की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है, ऐसा लगता है।

एक घटना है चैन्नई की जो तमिलनाडु की राजधानी है। वहां एक परिवार के मुखिया की हत्या उन्हीं के बेटों ने की। किस बात के लिए? ताकि उनके बीमा का धन उनके मरने के बाद उनके बेटों को मिल सके। उन्होंने अपने पिता का भारी भरकम राशि का बीमा करवाया यद्यपि उनकी बहुत आमदनी नहीं थी। हत्या करने के लिए जो तरीका अपनाया गया वह दिल दहलाने वाला था। उनके बेटों ने तीन बार उन्हें मारने की कोशिश की। उन्हें एक कमरे में अकेले सुला दिया जाता था और कमरे में एक जहरीला सांप छोड़ दिया जाता था। बेटों को पूरी उम्मीद थी कि सांप उनके पिता को काटेगा और वे मर जाएंगे। परंतु सांप ने उन्हें काटने से इंकार कर दिया और वे बच गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। चूंकि वो जिंदा बच गए थे इसलिए अस्पताल वालों ने भी ज्यादा ध्यान नहीं दिया और कुछ दवाई देकर उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। उनके लड़कों को लगा कि यह तो गजब हो गया, हमने अपने बाप की हत्या में सफलता नहीं पाई। फिर उन्होंने एक ओर कोशिश की और पिछले वाले सांप से ज्यादा जहरीला सांप कहीं से हासिल किया और एक दिन फिर रात को उस सांप को बाप के कमरे में छोड़ दिया। बेटों के दुर्भाग्य वे फिर बच गए। फिर इन दो बेटों ने एक अत्यधिक जहरीला सांप, सांप पालने वालों से खरीदा। इस बार वे सफल रहे और सांप ने उनके पिता को काट लिया। उनकी करनी का कोई सबूत न बचे इसके लिए बेटों ने दो कदम उठाए। एक तो वे पिता को अस्पताल ले गए और डाक्टरों को रिश्वत देकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट हासिल कर उनका अंतिम संस्कार भी कर दिया। वह सांप जिसने उन्हें काटा था उसे भी मार डाला। यह बात ज्यादा दिन तक छुपी नहीं रह सकी और उनके दोनों बेटे गिरफ्तार हो गए। ये तो हुई बेटों द्वारा बाप की हत्या। एक बेटी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने बाप की जायदाद पर कब्जा करने के लिए उनकी हत्या करवा दी। उसने भाड़े के हत्यारों को पाँच लाख रूपए दिए। लड़की अपने पिता की हत्या होते देखती रही। यह घटना गुजरात के बड़ोदरा की है। एक और घटना है जिसमें पिता ने अपने बेटों की हत्या करवा दी। पिता को शक था कि वे उन्हें मरवा कर उनकी सम्पत्ति पर समय से पहले कब्जा करना चाहते हैं। पिता ने किराये के हत्यारों को पांच लाख रूपए दिए और अपने पुत्र की हत्या करवा दी। इस तरह की अनेक घटनाएं अखबारों में छप रही हैं। मैंने उनमें से केवल अत्यधिक सनसनीखेज मामलों का उल्लेख किया है। इस तरह की घटनाएं क्यों हो रही हैं? कहीं बाप अपने बेटों की हत्या करवाता है, कहीं बेटी अपने पिता को मरवाती है और कहीं बेटें अपने बाप की हत्या करवा रहे हैं, वह भी सांप से कटवा कर। आखिर यह कौनसा मनोविज्ञान है? यह कौनसी मानसिकता है? वैसे भी देश में इस समय कई प्रकार की हिंसा हो रही हैं। एक धर्म में विश्वास करने वाले लोग दूसरे धर्म में आस्था रखने वाले लोगों की हत्याएं करवा रहे हैं या उनका जीना दूभर कर रहे हैं। अभी ईसाईयों पर हमले किए जा रहे हैं। उनका सबसे बड़ा त्योहार क्रिसमस वे ठीक से न मना सकें इसलिए उनके चर्चो में तोड़फोड की गई। इसी तरह हमारे पड़ोसी बांग्लादेश में हिन्दुओं की हत्या की जा रही है, जिस पर संयुक्त राष्ट्रसंघ के महासचिव ने भी चिंता प्रकट की है। दूसरे पड़ोसी पाकिस्तान में भी गैर मुसलमानों पर हमले हो रहे हैं और हमारे देश में कई स्थानों से इसी तरह की खबरे आ रही हैं। इन घटनाओं के कारणों पर विचार होना चाहिए। संसद में अनेक समस्याओं पर विचार होता है। मगर अब तो संसद का सत्र भी 4-5 दिनों से ज्यादा नहीं चलता। विधानसभाओं में भी इस तरह की घटनाओं पर विचार होना चाहिए। मगर उनके सत्र भी 4-5 दिन में समाप्त हो जाते हैं।

छात्रों की समस्याएं, महिलाओं की समस्याएं, बेटियों की समस्याएं, आए दिन बच्चों की हत्या - इन सब पर भी तो संसद में विचार होना चाहिए? यह घटनाएं क्यों हो रही हैं? इसका कारण क्या है? इन्हें रोका कैसे जा सकता है?

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कटिहार जिले में मौसम का मिजाज बदले से अचानक तापमान नीचे लुढ़क गया

केलांचल टाइम्स.

प्रवीण कुमार, कटिहार। कटिहार जिले में मौसम का मिजाज बदले से अचानक तापमान नीचे लुढ़क गया है। ठंड बढ़ जाने से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। ठंड को देखते हुए गर्म कपड़े जैसे स्वेटर,टोपी, मौजे,मफलर, दास्ताना सहित ऊनी कपड़े बाजार में उपलब्ध नहीं है।ठंड बढ़ने के कारण उनी कपड़े की मांग बढ़ गई है। लेकिन दुकानदार ग्राहकों को पर्याप्त मात्रा में उन्हें कपड़े उपलब्ध कराने में असमर्थ हो रहे हैं।वहीं हीटर,गीजर,ब्लोअर,जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामान का भी बिक्री काफी बढ़ गया है।ग्राहकों को मनपसंद गीजर, हीटर, ब्लोअर समय पर उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। घना कोहरा के साथ-साथ कंपकंपाती ठंड के कारण सड़क दुर्घटना में वृद्धि हो गई है। कटिहार-मनिहारी,कटिहार-कुर्सैला, बस्तौल-भोगांव,कटिहार-बारसोई एवं सोनौली-कदवा पथ पर अलग-अलग समय में सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत हो गया है।जो चिन्ता का विषय बना हुआ है। यहां की तापमान अधिकतम 19 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस बताया जा रहा है। जिसके कारण काफी ठंड बढ़ गई है। ठंड बढ़ जाने से सड़क दुर्घटना में वृद्धि हो गई है।ठंड बढ़ जाने से हार्ट अटैक से बड़ी संख्या में लोग की मृत्यु हो रही है। घाना कोहरे के साथ-साथ हाड़ कंपा देने वाली ठंड के कारण अधिकांश लोग गर्म कपड़े पहन कर अपने-अपने घर में दुबके हुए हैं। सड़क पर आम दिनों के अपेक्षा आवाजाही काफी कम देखा जा रहा है। अधिकांश सड़क पर आवाजाही नहीं के बराबर हो रही है। इसके बावजूद भी सड़क दुर्घटना हो रही है। घना कोहरा रहने के कारण वाहन चालक को सड़क ठीक से नहीं दिखाई देता है। जिसके कारण सड़क पर चलने वाले छोटी बहन या फिर पैदल चलने वाले लोग सड़क दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। पिछले दिनों सोनौली- पूर्णिया पथ के दोखड़ा ग्राम के समीप एक बालक बाइक से अपने घर जा रहा था। इस क्रम में बड़ी वाहन ने ठोकर मार दिया। जिसके कारण बाइक सवार का सर फट गया और पूरी तरह जख्मी हो गया। अत्यधिक रक्त स्राव हो जाने के कारण घटनास्थल पर मृत्यु हो गई। साथ ही कुर्सेला तथा प्राणपुर के सड़क पर दो बाइक सवार की मृत्यु सड़क दुर्घटना में हो गयी है।इस घटना से आसपास के ग्रामीण आक्रोशित होकर सड़क जाम किया। वहीं गत दिन मनिहारी-कटिहार पथ पर एक बाइक से पति-पत्नी कटिहार आ रहे थे। मनोहरपुर ग्राम के समीप बड़ी वाहन ने बाइक सवार को ठोक दिया। जिसके कारण

ठंड से बच्चें वृद्ध सहित सभी लोग हो रहे हैं परेशान

बाइक सवार सड़क पर गिर गया। सड़क पर गिरने से बाइक सवार बुरी तरह जख्मी हो गया। अधिक रक्त स्राव बह जाने के कारण घटनास्थल पर ही उनकी मृत्यु हो गई। पत्नी अस्पताल में जीवन और मौत के बीच जूझ रही है।इस तरह सड़क दुर्घटना में वृद्धि हो गई है। घना कोहरा एवं ठंड के कारण बाइक सवार अपना संतुलन को देते हैं और दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। एक ओर प्रशासन सड़क दुर्घटना काम करने के दिशा में विभिन्न प्रकार के जागरूकता अभियान चलते आ रही है। इसके बावजूद भी सड़क दुर्घटना हो रही है। ठंड काफी बढ़ जाने के कारण वृद्ध

लोग हार्ट अटैक के शिकार हो रहे हैं। पिछले एक पखवाड़े से कटिहार जिला सहित उत्तर बिहार में शीत लहर युक्त कंपकंपाती ठंड दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। जिसके कारण गरीब लोगों का जीना मुहाल हो गया है। ठंड के कारण दैनिक मजदूरों को रोजगार नहीं मिल रहा है। जिसके कारण इन्हें काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। ठंड जिस गति से दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है। उस हिसाब से प्रशासन के द्वारा जगह-जगह पर अलाव की व्यवस्था नहीं किया जा रहा है। वैसे कुछ जगह पर अलाव की व्यवस्था की गई है। शहरी क्षेत्र में कहीं-कहीं अलाव तो देखने को मिलता है। लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में अलाव की व्यवस्था किया गया है कि नहीं यह दिखाई नहीं पड़ रहा है। वैसे जागरूक ग्रामीण, समाजसेवी के द्वारा भी जगह-जगह पर अलाव की व्यवस्था किया गया है। कई स्वयं से भी संस्था के द्वारा गरीबों एवं निसहाय को कंबल भी वितरण किया है।

जिले में बूथ स्तर तक संगठन को किया जाएगा मजबूत : सुनील कुमार यादव

- **मनिहारी विधायक के आवासीय कार्यालय में हुई बैठक, पंचायत वार्ड स्तर तक पहुंचने का संकल्प**

केलांचल टाइम्स.

प्रवीण कुमार,कटिहार । मनिहारी विधानसभा क्षेत्र से विधायक मनोहर प्रसाद सिंह के आवासीय कार्यालय में कांग्रेस पार्टी की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कटिहार जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील कुमार यादव ने की। बैठक में संगठन की मजबूती को लेकर गहन चर्चा हुई और बूथ स्तर तक कांग्रेस संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से मनिहारी विधानसभा क्षेत्र से विधायक मनोहर प्रसाद सिंह,कांग्रेस पर्यवेक्षक अमन कुमार के अलावा मनिहारी अनुमंडल अंतर्गत अमदाबाद,मनिहारी एवं मनसाही प्रखंड के कांग्रेस अध्यक्ष सहित कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य आगामी राजनीतिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए संगठन को जमीनी स्तर

पर मजबूत करना रहा। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनील कुमार यादव ने कहा कि संगठन की मजबूती ही कांग्रेस की असली ताकत है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पार्टी को जिले में बूथ स्तर तक सशक्त किया जाएगा। इसके लिए प्रखंड अध्यक्षों के साथ-साथ पंचायत और वार्ड स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि बैठक के माध्यम से पार्टी की आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई है। सुनील कुमार यादव ने कहा कि सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया गया है कि वे पंचायत और वार्ड स्तर तक घर-घर जाकर कांग्रेस पार्टी की नीति, सिद्धांत और विचारधारा को आम जनता तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि आज बिहार में जिस तरह से भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और महंगाई बढ़ती जा रही है।कांग्रेस पार्टी को जनता की आवाज बनकर इन मुद्दों को मजबूती से उठाना होगा। वहीं मनिहारी विधानसभा क्षेत्र से विधायक मनोहर प्रसाद सिंह ने कहा कि संगठन जितना मजबूत होगा, कांग्रेस पार्टी उतनी ही मजबूत होगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय और अनुशासन के साथ काम करने की अपील की। विधायक ने कहा कि जनता से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाना ही कांग्रेस की पहचान रही है। बैठक में मौजूद सभी प्रखंड अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया और पार्टी को जमीनी स्तर पर और अधिक सक्रिय बनाने का भरोसा दिलाया। मौके पर चिन्मय अतीत सिंह,गोपाल कृष्ण यादव, अब्दुल मन्नान,मुन्ना सिंह, आदित्य सिंह, मुनेंद्र यादव, रामानंद यादव, परवेज आलम, सहदेव यादव,सियाराम सिंह, आलमगीर, रोहित पासवान, ओमप्रकाश मंडल,मो० शेरू, मो०अशफाक सहित कई कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता मुख्य रूप से मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ को सुनने एवं भक्ति प्रेम रस मे रम जाने को भारी संख्या मे भक्तजनों की उपस्थिति हो रही है

- **कटिहार वासी भक्ति ज्ञान और संस्कार से परिपूर्ण यह पावन क्षण मन को आत्मिक शांति प्रदान कर रहा है**
- **प्रभु के चरण कमल का स्मरण करने से जीव के सारे पाप कट जाते है: आचार्य गौरव कृष्ण गोस्वामी**

केलांचल टाइम्स.

प्रवीण कुमार झा, कटिहार। श्री श्याम मित्र मंडल कटिहार द्वारा अपने संस्था के स्वर्ण जयंती महोत्सव के शुभ अवसर पर आज चतुर्थ दिवस पर भी श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ को सुनने एवं भक्ति प्रेम रस मे रम जाने को भाड़ी संख्या मे भक्तजनों की उपस्थिति हो रही है। श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चतुर्थ दिवस पर परम पूज्यनीय श्री गौरव कृष्ण गोस्वामी जी के श्रीमुख से प्रवाहित दिव्य वाणी का श्रवण पूरा

शहर कर रहा है। भक्ति, ज्ञान और संस्कार से परिपूर्ण यह पावन क्षण मन को आत्मिक शांति प्रदान कर रहा है। भागवत का फल हमारे कर्म, भाव और श्रद्धा के अनुसार ही प्राप्त होता है। भागवत कथा मे कोई ऊंच नीच और गरीब अमीर का भेद नही होता है। भक्त के विश्वास को पूर्ण करते है प्रभु। भक्त के भाव को, अपने इष्ट के प्रति भक्त की आस्था को केवल प्रभु ही समझ सकते है।इसीलिए जीव को अपना दुख संसार के सामने नहीं केवल प्रभु के सामने ही प्रकट करना चाहिये। प्रभु पालनहार है, वे शरण में आये भक्तों के सारे दुखों को हर लेते है। आज श्रीमद् भागवत् सप्ताह कथा महोत्सव के चतुर्थ दिवस की कथा पर यह अध्यात्मिक उद्गार व्यक्त करते हुए परम श्रद्धेय आचार्य श्री गौरवकृष्ण गोस्वामी जी ने कहा कि जीव को किसी की निन्दा स्तुति करने के बजाय भगवान की ही चर्चा करनी एवं सुननी चाहिये। प्रभु चरित्रों को श्रवण करने से भगवान का चिन्तन करने से कृपा निश्चित रूप से प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि विशाल पेड़ जिस प्रकार छोटी सी कुल्हाड़ी से कट जाता है उसी प्रकार प्रभु के चरण कमल का स्मरण करने से जीव के सारे पाप कट जाते है। इसके लिये उसे प्रभु की शरण में आना होगा। प्रभु की हर इच्छा, प्रत्येक लीला को प्रसन्नता से स्वीकार करने वाला ही सच्चा भक्त होता है। भक्त को अपने आदर सत्कार या सम्मान की कामना नहीं होती। वह तो हर कार्य प्रभु की सेवा समझकर करता है और ऐसी भावना को ही प्रभु स्वीकार करते हैं वह तो केवल भाव के भूखें हैं क्योंकि परमात्मा न तो साकार है न निराकार है। वो तो भक्त की इच्छा के अनुसार तदाकार हैं। जैसे भक्त चाहता है उसे उसी रूप में प्रभु प्राप्त होते हैं। कथा प्रसंग में विशेष महोत्सव के रूप में आज श्री कृष्ण जन्म नन्दोत्सव विशेष धूम-धाम से मनाया गया। प्रभु के प्रगट होने पर गोपियाँ बधाई का सामान लेकर आई और व्यासपीठ भागवत् जी में चढ़ाया। चारों तरफ से यही आवाज गूंज रही थी नन्द के आनन्द भयो जय कन्हैया लाल की। सभी ने बधाई का प्रसाद प्राप्त किया। आयोजक श्री श्याम मित्र मंडल परिवार भक्तजनों से आग्रहपूर्वक निवेदन किया कि कल श्री गिरिराज पूजन (छप्पन भोग महोत्सव) विशेष धूम-धाम से मनाया जायेगा। इसमें अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। आज प्रातः वृंदावन से आए पूज्य पंडितों जी द्वारा भागवत के जजमानों को पूजा पाठ कराया गया। बारस ताली कीर्तन ग्रुप, हैप्पी न्यू ईयर कान्हा ग्रुप एवं लखदातार बैंड के द्वारा रात्रि मे रंगारंग भजनों की प्रस्तुति की गई। स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा पूरा सहयोग श्री श्याम मित्र मंडल के कार्यक्रम को मिल रहा है।

घने कोहरे और खराब मौसम का असर रेल परिचालन पर बना हुआ है

यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है

केलांचल टाइम्स.

प्रवीण कुमार झा,कटिहार। घना कोहरा के कारण दूरगामी एवं लोकल ट्रेन काफी विलंब से चल रही है। जिसके कारण रेल प्रशासन सहित यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि रेल प्रशासन के द्वारा घना कोहरा के बीच ट्रेन परिचालन करने के लिए कई तकनीक अपनाये हैं। जिसके कारण ट्रेन परिचालन में किसी भी तरह की परेशानी ना हो सके। बावजूद घना कोहरा के कारण अधिकांश ट्रेन का परिचालन विलंब से हो रहा है। प्लेटफॉर्म पर ट्रेन का इंतजार करते यात्री। घने कोहरे और खराब मौसम का असर रेल परिचालन पर लगातार बना हुआ है। इसका सीधा प्रभाव कटिहार से चलने वाली ट्रेनों पर भी देखा जा रहा है। कटिहार मंडल से गुजरने वाली दर्जनों प्रमुख ट्रेनें घंटों की देरी से चलीं। लंबी दूरी की ट्रेनों के साथ-साथ एक्सप्रेस लोकल ट्रेन भी इससे प्रभावित हुईं।जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। ट्रेनों के विलंब से स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई। कई यात्रियों ने समय पर ट्रेन लेट होने की जानकारी न मिलने की शिकायत की। ठंड और लंबे इंतजार के कारण बुजुर्गों, महिलाओं और

बच्चों को विशेष रूप से कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कदवा के संजय कुमार ने बताया कि ट्रेन लेट होने से उनकी परेशानी काफी बढ़ गई है। पूरा शेड्यूल बिगड़ गया है। उन्होंने कहा कि वेटिंग हॉल में जगह न होने के कारण उन्हें ठंड में प्लेटफॉर्म पर ही समय बिताना पड़ रहा है। बारसोई के काली कुमार सिंह ने ठंड में ट्रेन लेट होने को यात्रियों के लिए बड़ी समस्या बताया। उन्होंने कहा कि कई मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचना होता है,लेकिन कोहरे या मालगाड़ी जैसी वजहों से होने वाली देरी सीधे उन पर असर डालती है। संतोष ने सुझाव दिया कि बढ़े हुए किराए के मद्देनजर रेलवे को खासकर मेडिकल जरूरत वाले यात्रियों के लिए बेहतर व्यवस्था करनी चाहिए। बिहार की रहने वाली इंदु देवी शाह ने कहा, कोहरे की वजह से ट्रेनों के परिचालन पर असर पड़ा है। परेशानी तो है, लेकिन पब्लिक की मजबूरी है,उन्हें प्लेटफॉर्म पर ही रहना पड़ता है। यह कुदरत की मार है, इसमें हम कुछ नहीं कर सकते। मनिहारी के नवीन कुमार ने बताया, मेरे पास दरभंगा की टिकट हैं, लेकिन ट्रेन नहीं पहुंची। रेलवे की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई। तीन घंटे से ज्यादा समय तक परिवार के साथ ठंड में प्लेटफॉर्म पर बिताना पड़ा। रेलवे के अनुसार, यात्रियों से अपील की गई है कि यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति की जानकारी जरूर लें। कोहरे के कारण फिलहाल परिचालन सामान्य होने में समय लग सकता है।

लायंस क्लब कटिहार द्वारा किया खाद्य सामग्री का वितरण

केलांचल टाइम्स.

प्रवीण कुमार,कटिहार। ठंड के मौसम मे आम लोगों के साथ रोगियों को भी काफी समस्या रहती है। ख़ासकर कुष्ठ रोगी जिसे आज भी समाज सहर्ष स्वीकार नही कर पाते। लायंस क्लब कटिहार के अध्यक्ष लायन काजल महासेठ ने कहा कि क्लब ने ऐसे रोगियों के बेहतर खान पान का ध्यान रखते हुए फ़ूड पैकेट का वितरण किया। उन्होंने कहा कि आज लंगड़ा चर्च चर्च स्थित निर्मल हृदय मे कुष्ठ रोगियों के बीच लायंस हंगर सर्विस वीक के तहत यह वितरण किया गया। क्लब के पीआरओ लायन प्रिया गुप्ता के हवाले से जानकारी दी गई कि फाइड पैकेट मे चुड़ा, चावल, मुढ़ी, सत्तू, नमक आदि का वितरण 40 रोगियों के बीच किया गया। इस मौके पर क्लब के कोषाध्यक्ष लायन अंकिता सरकार के साथ पूर्व अध्यक्ष लायन पंकज पूर्वे, अनिल चमरिया, निरंजन साह, संतोष गुप्ता, नरेश साह, आलोक सिंहा आदि ने कहा कि आज कुष्ठ रोग छुआछूत नही है और इसका इलाज संभव है। उन्होंने कहा कि निर्मल हृदय के अस्पताल मे कई वर्षों से इसका इजाल किया जाता है और यहाँ दुर दूर से लोग कुष्ठ रोग का इलाज कराने आते है, कई ऐसे लोग भी है जिनका कोई सगा नही है वे यहीं रहकर इलाज कराते है। मौके पर सदस्यों मे देवराज शर्मा, अवधेश कुमार, मनोज गुप्ता के साथ पूर्व कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम मोदी एवं समाजसेवी अमित जायसवाल विक्की भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा कल दिग्गी कटिहार स्थित आदिवासी कल्याण छात्रावास मे फाइड पैकेट का वितरण किया जायेगा। निर्मल हृदय अस्पताल के मागरेट जोशफ के साथ कई सिस्टर ब्रदर ने संस्था को साधुवाद दिया।

डीएम एवं एसपी ने सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

- **वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का इस्तेमाल अवश्य करेंगे : डीएम**

केलांचल टाइम्स.

प्रवीण कुमार,कटिहार। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 1 जनवरी से 31 जनवरी तक मनाया जा रहा है इस कड़ी में जिला स्तर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम किया जा रहा है। जिसमें सड़क दुर्घटना की रोकथाम के लिए हेलमेट जांच, सीट बेल्ट जांच,प्रदूषण फिटनेस, ड्राइविंग लाइसेंस,खतरनाक ड्राइविंग, वाहन चालकों का नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच तथा जीवन रक्षा हेतु रक्तदान शिविर आदि का आयोजन जिला सड़क सुरक्षा समिति कटिहार के द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में आज डीएम आशुतोष द्विवेदी एवं एसपी राकेश चौधरी कटिहार द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को समाहाराणालय परिसर से रवाना किया गया। जो सभी प्रखंडों, सभी अनुमंडलों एवं भीड़भाड़ वाले इलाके तथा बस स्टैंड चौक चौराहे से गुजरते हुए सड़क सुरक्षा से संबंधित जानकारी का प्रचार प्रसार करेगी। इस अवसर पर डीएम आशुतोष द्विवेदी तथा एसपी राकेश चौधरी के द्वारा संयुक्त रूप से आम लोगों से अपील किया

गया कि यह वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का इस्तेमाल अवश्य करेंगे।सड़क पर वाहनों को लेकर लहरिया कट एवं स्टैंडवाजी नहीं करने का अनुरोध किया गया। डीएम आशुतोष द्विवेदी द्वारा आम लोगों एवं वाहन चालकों से यह भी अपील किया गया कि दिनांक 9 जनवरी से 12 जनवरी तक जिला परिवहन कार्यालय में चलने वाले रक्तदान शिविर फ्री हॉस्पिटल प्रशिक्षण तथा नेत्र जांच शिविर में बढ़कर भाग लेंगे। सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को रवाना करते समय जिले के विकास आयुक्त अमीत कुमार,अपर समहर्ता विनोद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सदर प्रद्युम्न सिंह यादव, परिवहन पदाधिकारी सुबीर रंजन, जिला अपर जिला परिवहन पदाधिकारी संजीव कुमार सिंह,मोटर यान निरीक्षण राहुल कुमार,त्रिपुरारी सिंह सभी प्रवर्तन अवर निरीक्षक,ओएसडी अभिषेक रंजन तथा जिला परिवहन कार्यालय के सभी कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

टोटो से बैट्री चोरी करने के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

साहिबगंज। नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गुल्ली भट्ठा व टमटम स्टैंड के पास से टोटो की बैट्री चोरी मामले में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में चंदन मंडल ने आवेदन देकर पुलिस से इसकी शिकायत की थी। जिसके बाद पुलिस ने थाना कांड संख्या 01/26 दर्ज कर पुलिस छानबीन कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने बड़तल्ला निवासी बिट्टू साहनी व महादेवगंज निवासी अनीस मंडल को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस ने उनके पास से टोटो की 6 बैटरी सहित एक टोटो बरामद किया है। नगर थाना से जारी रिलीज के अनुसार 5 जनवरी को टमटम स्टैंड के पास से एक टोटो से बैटरी की चोरी हुई थी। पुनः 6 जनवरी की सुबह गुल्ली भट्ठा जद्दू मोड़ के पास से एक टोटो से बैटरी चोरी करते हुए बिट्टू साहनी व अनीस मंडल को पकड़ा गया। उनके पास से गुल्ली भट्ठा, जद्दु मोड़ से चोरी दो बैटरी व चोरी में प्रयुक्त टोटो बरामद किया गया। बाद में दोनों की निशानदेही पर टमटम स्टैंड से चोरी की गई टोटो की बैटरी दुसाध पाड़ा के कबाड़ी के यहां से बरामद किया गया। बिट्टू साहनी पहले भी चोरी मामले में जेल जा चुका है।

चोरों ने बायसी मंदिर में की चोरी

साहिबगंज। नगर थाना क्षेत्र के संत जेवियर स्कूल के निकट स्थित बायसी मंदिर में एक बार फिर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोरी की वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। मंदिर कमिटी के अनुसार बायसी मां के पैरों के पायल की चोरी हुई है। इधर नगर इंस्पेक्टर अमित गुप्ता ने बताया कि इस मामले में अभी तक मंदिर कमिटी ने कोई सूचना पुलिस को नहीं दी है।

मनिहारी के ईंट-भट्ठा से अवैध खनन की मिट्टी को जब्त करते हुये भट्ठा के संचालन पर तत्काल लगाया रोक

- मनिहारी प्रखंड में जिला खनन विभाग की एक दल ने किया छापेमारी

प्रवीण कुमार,कटिहार। जिले के मनिहारी प्रखंड अंतर्गत के नारायणपुर में जिला खनन विभाग की एक दल ने छापेमारी किया। छापामारी में मिट्टी का अवैध खनन और परिवहन करते हुए चार ट्रैक्टर जब्त किया। इन वाहनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मनिहारी थाना में सुरक्षित रखा गया है। खनिज विकास पदाधिकारी, कटिहार और खान निरीक्षक ने नैना ब्रिक्स के नाम से संचालित ईंट-भट्ठा में बिना अनुमति के भारी मात्रा में अवैध खनन की गई मिट्टी को जब्त कर भट्ठा के संचालन पर तत्काल रोक लगा दिया है। जिला खनन विभाग की एक दल ने पिछले दिनों अवैध बालू खनन के खिलाफ भी बड़ी कार्रवायी किया था।

गरीब व असहाय ग्रामीणों के लिए कंबल वितरण

मण्डरो। प्रखंड अंतर्गत महादेवबरण पंचायत में बढ़ते ठण्ड तथा शीतलहर को देखते हुए मंगलवार को प्रभारी प्रखंड प्रमुख शीला देवी के द्वारा पंचायत के जरुरतमंद, गरीब तथा असहाय ग्रामीणों के बीच 24 कम्बल का वितरण किया गया।कार्यक्रम को पूरी तरह व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से पात्र लाभुकों को क्रमवार कंबल प्रदान किया गया।वही प्रभारी प्रमुख शीला देवी ने कहा की ठण्ड के मौसम में गरीब,असहाय तथा जरूरतमंद ग्रामीणों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है! वही कंबल पाकर ग्रामीणों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रहा था! लाभुकों ने ठंड के इस कठिन समय में मदद के लिए प्रखंड प्रशासन एवं पंचायत प्रतिनिधियों का आभार जताया।मौके महादेववरण पंचायत सचिव रमेश कुमार सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

कंबल आवंटन में मनमानी का आरोप, पंचायत समिति सदस्य ने उपायुक्त को भेजा आवेदन

मण्डरो। प्रखंड अंतर्गत महादेवबरण पंचायत में कंबल वितरण को लेकर पंचायत समिति सदस्य जयशंकर पंडित ने पत्रांक संख्या 67/2026 के माध्यम से उपायुक्त, साहेबगंज सहित अन्य संबंधित पदाधिकारियों को आवेदन भेजकर पंचायत के प्रभारी पंचायत सचिव पर मनमानी का आरोप लगाया हैं।आवेदन में जयशंकर पंडित ने उल्लेख किया है कि बढ़ती ठंड और शीतलहर के बावजूद अब तक उनके क्षेत्र के हिस्से का कंबल आवंटन नहीं किया गया है तथा पंचायत सचिव द्वारा कंबल वितरण से पूर्व आधार कार्ड एवं लाभुकों की सूची की मांग किया गया हैं !जबकि उनके क्षेत्र में रेलवे स्टेशन और बाजार जैसे सार्वजनिक स्थानों पर रहने वाले कई जरूरतमंद, असहाय एवं बेघर लोग हैं !जयशंकर पंडित ने यह भी स्पष्ट किया कि पूर्व में उन्होंने जरूरतमंद एवं असहाय व्यक्तियों को कंबल वितरण करने के बाद लाभुकों की सूची उपलब्ध कराया था। इसके बावजूद इस बार उनके क्षेत्र की उपेक्षा किया जा रहा है ! जिससे गरीब और जरूरतमंद लोग ठंड में राहत से वंचित हैं।उन्होंने उपायुक्त से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने तथा शीघ्र कंबल आवंटन सुनिश्चित करने की मांग किया है !ताकि शीतलहर से प्रभावित गरीब ग्रामीणों को समय पर राहत मिल सके।वही पंचायत महादेववरण के प्रभारी पंचायत सचिव ने कहा की प्रखंड के नियमानुसार सूची उपलब्ध कराने के बाद कम्बल का आवंटन किया जाएगा।

बीएयू सबौर में डिजिटल कृषि पर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन

केलांचल टाइम्स.

भागलपुर.बिहार कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू), सबौर के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा 5 एवं 6 जनवरी को "डिजिटल कृषिः महत्व एवं संभावनाएँ" विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बामेती, पटना के सहयोग से आयोजित किया गया। सेमिनार का उद्देश्य कृषि में डिजिटल प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग से संबंधित जागरूकता बढ़ाना तथा क्षमता निर्माण करना था, जिसमें विशेष रूप से बिहार के किसानों, प्रसार कर्मियों एवं कृषि संस्थानों की आवश्यकताओं पर बल दिया गया।दो दिनों के दौरान प्रतिभागियों को डिजिटल कृषि से जुड़े अनेक उभरते विषयों से अवगत कराया गया, जिनमें डिजिटल कृषि की अवधारणा एवं कार्यक्षेत्र, कीट-व्याधि प्रबंधन में डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग तथा आईसीटी आधारित कृषि परामर्श प्रणालियाँ शामिल थीं। सत्रों में फसल प्रबंधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग की बढ़ती भूमिका तथा किसान-केंद्रित सेवाओं के लिए मोबाइल अनुप्रयोगों एवं डिजिटल प्लेटफॉर्मों के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। सेमिनार में ग्रामीण किसानों के लिए आईसीटी

आधारित डिजिटल वित्तीय सेवाओं, डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन एवं औपचारिक ऋण प्रणाली तक पहुँच जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, नवीन संचार विधियों के माध्यम से बिहार के भौगोलिक संकेत (GI) उत्पादों के प्रचार हेतु ऑडियो आधारित कहानी कहने एवं डिजिटल ब्रांडिंग पर विशेष ध्यान दिया गया। समापन सत्रों में डिजिटल एवं स्मार्ट कृषि के भावी रुझानों पर चर्चा की गई, जिसे विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त सफल डिजिटल कृषि प्रथाओं के केस अध्ययनों द्वारा समर्थित किया गया।इस सेमिनार में कुल 78 प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता एवं संवाद में भाग लिया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि कृषि प्रसार एवं परामर्श सेवाओं को सशक्त बनाने हेतु डिजिटल नवाचारों के प्रति रुचि निरंतर बढ़ रही है। समापन सत्र में डॉ. एस. के. पाठक, निदेशक, प्रसार शिक्षा, बीएयू, सबौर ने देश में कृषि के बदलते परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए डिजिटल प्रौद्योगिकियों एवं नवाचार आधारित प्रसार दृष्टिकोण के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया। डॉ. आर. एन. सिंह, सहायक निदेशक, प्रसार शिक्षा, बीएयू, सबौर ने किसानों तक प्रभावी रूप से पहुँच बनाने हेतु संस्थागत एवं क्षेत्रीय स्तर पर किए गए नवाचारों से जुड़े अपने अनुभव साझा किए, जबकि डॉ. अभय मंकर, उप निदेशक प्रशिक्षण ने डिजिटल कृषि को बढ़ावा देने तथा प्रसार सेवाओं को सुदृढ़ करने हेतु बिहार कृषि विश्वविद्यालय द्वारा की गई विभिन्न पहलों पर चर्चा की। इस सेमिनार के आयोजन सचिव डॉ. आदित्य सिन्हा, सहायक प्राध्यापक (प्रसार शिक्षा), बीएयू, सबौर थे।

प्राणपुर में डिजिटल फार्मर रजिस्ट्री को लेकर शिविर का आयोजन

केलांचल टाइम्स.

- आप सबों के लिए ही शिविर का आयोजन किया गया है :शिखा कुमारी

प्रवीण कुमार,कटिहार जिले के प्राणपुर प्रखंड स्थित ई किसान भवन के प्रांगण में बीईओ कामेश्वर प्रसाद राम की अध्यक्षता में डिजिटल फार्मर रजिस्ट्री को लेकर शिविर आयोजित किया गया। शिविर में सशक्त एवं समृद्ध किसान बिहार को पहचान कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों की डिजिटल पहचान को लेकर फार्मर रजिस्ट्री शिविर का आयोजन किया। प्राणपुर अंचल पदाधिकारी शिखा कुमारी ने कहा कि प्राणपुर प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायतों में पंचायत वार किसान सलाहकार कृषि समन्वयक एवं राजस्व कर्मचारी के द्वारा सशक्त एवं समृद्ध किसान बिहार की पहचान कार्यक्रम के तहत किसानों का डिजिटल फार्मर रजिस्ट्री को लेकर शिविर का आयोजन किया गया है। इसका लाभ सभी पंचायत वासी उठा सकते हैं।आप सबों के लिए ही शिविर का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर किसानों ने डिजिटल फार्मर रजिस्ट्री कराने को लेकर अधिक स्टाफ बढ़ाने एवं पंचायत के प्रत्येक वार्डो में शिविर लगाने कि मांग डीएम कटिहार से किया गया है।

अलीगंज में जीवन जागृति सोसायटी द्वारा कंबल का हुआ वितरण

केलांचल टाइम्स.

भागलपुर। कड़ाके की ठंड को देखते हुए सामाजिक संस्था जीवन जागृति सोसायटी के तत्वावधान में अलीगंज क्षेत्र में विधवा महिलाओं, बुजुर्गों एवं असहाय व्यक्तियों के बीच 50 कंबलों का वितरण किया गया। इस पुनीत कार्य से जरूरतमंदों को ठंड से राहत मिली और संस्था के प्रति लोगों में सराहना देखने को मिली।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि शीत ऋतु में गरीब, बुजुर्ग और असहाय लोगों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में समाज और सामाजिक संगठनों का यह कर्तव्य बनता है कि वे आगे बढ़कर इन लोगों की मदद करें। उन्होंने कहा कि जीवन जागृति सोसायटी को कंबल भी समाज के कई लोग दान देते हैं जिसे जरूरत मंद लोगों,लगातार समाज के कमजोर वर्गों में हम पहुंचाते हैं यह कंबल एक सी ए महोदय के द्वारा दिया गया है जिसे हम आप तक पहुंचाए। इस अवसर पर सोसायटी के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से भागलपुर के दक्षिण क्षेत्र में श्री कुणाल साह जी को दक्षिणी क्षेत्र का संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई, ताकि प्रत्येक मोहल्ले में सोसायटी के सामाजिक कार्य सुचारु रूप से संचालित हो सकें। कंबल वितरण कार्यक्रम में डॉ. अजय कुमार सिंह, विनीता साह, धर्मेंद्र कुमार सहित सोसायटी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। साथ ही स्थानीय समाजसेवी में अलीगंज में जीवन जागृति सोसायटी द्वारा 50 कंबलों का वितरण भागलपुर के अलीगंज में किया गया. कड़ाके की ठंड को देखते हुए सामाजिक संस्था जीवन जागृति सोसायटी के तत्वावधान में अलीगंज क्षेत्र में विधवा महिलाओं, बुजुर्गों एवं असहाय व्यक्तियों के बीच 50 कंबलों का वितरण किया गया। इस पुनीत कार्य से जरूरतमंदों को ठंड से राहत मिली और संस्था के प्रति लोगों में सराहना देखने को मिली।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि शीत ऋतु में गरीब, बुजुर्ग और असहाय लोगों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में समाज और सामाजिक संगठनों का यह कर्तव्य बनता है कि वे आगे बढ़कर इन लोगों की मदद करें। उन्होंने कहा कि जीवन जागृति सोसायटी को कंबल भी समाज के कई लोग दान देते हैं जिसे जरूरत मंद लोगों,लगातार समाज के कमजोर वर्गों में हम पहुंचाते हैं यह कंबल एक सी ए महोदय के द्वारा दिया गया है जिसे हम आप तक पहुंचाए। इस अवसर पर सोसायटी के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से भागलपुर के दक्षिण क्षेत्र में श्री कुणाल साह जी को दक्षिणी क्षेत्र का संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई, ताकि प्रत्येक मोहल्ले में सोसायटी के सामाजिक कार्य सुचारु रूप से संचालित हो सकें। कंबल वितरण कार्यक्रम में डॉ. अजय कुमार सिंह, विनीता साह, धर्मेंद्र कुमार सहित सोसायटी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।साथ ही स्थानीय समाजसेवी में विक्रम कुणाल, पुर्व पार्षद प्रत्याशी 42 दुर्गेश साह,संगीता देवी, अरविंद साह, मानव कुमार, रवि ठाकुर, सुनील साह, सिकन्दर शर्मा, भोलु कुमार,अमर साह,मनीष आनंद उर्फ गड्डू साह मौजूद थे.

साउथ एशियन चैंपियनशिप की विजेता को जिला परिषद अध्यक्ष ने किया सम्मानित

केलांचल टाइम्स.

- नवगछिया की बेटी प्रज्ञा भारती ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

भागलपुर.नवगछिया की बेटी प्रज्ञा भारती ने अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। पटना में 27 से 29 दिसंबर तक आयोजित साउथ एशियन बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप में भाग लेने वाली भारतीय टीम की वह सदस्य थीं, जिसने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया।इस उपलब्धि पर भागलपुर जिला परिषद अध्यक्ष विपीन कुमार मंडल ने प्रज्ञा भारती से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया तथा बधाई एवं शुभकामनाएं दी।इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष विपीन कुमार मंडल ने कहा कि नवगछिया के ग्रामीण क्षेत्र की बेटी का बॉल बैडमिंटन जैसे खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना पूरे क्षेत्र और समाज के लिए गर्व की बात है। प्रज्ञा भारती आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। सम्मान समारोह के दौरान अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जेम्स फाइटर, जदयू नेता प्रशांत कुमार कन्हैया, भाजपा नेता अवधेश शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। प्रज्ञा भारती के प्रशिक्षक ज्ञानदेव कुमार ने भी खुशी जाहिर किया है। सभी ने प्रज्ञा भारती की इस ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सीपीएम कार्यकर्ता ने टरम का किया पुतला दहन

केलांचल टाइम्स.

तेतरिया। राजेपुर थाना क्षेत्र के सलेमपुर बाजार पर मंगलवार को सीपीएम कार्यकर्ता ने पीपरा विस क्षेत्र से महागठबंधन प्रत्याशी रहे राजमंगल प्रसाद के नेतृत्व में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का पुतला दहन किया। मौके पर सभा को सम्बोधित करते हुए पूर्व प्रत्याशी रहे राजमंगल प्रसाद ने कहा कि बेनेजुएला राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को अमेरिकी प्रशासन ने अपहरण कर लिया है। आशंका जताई जा रही है कि दोनों को हत्या कर देगा।इस घटना की पूरी दुनिया में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का निंदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि सोना,तेल, खनिज पदार्थ पर अमेरिका कब्जा करना चाह रहा है।

समसा में भाजयुमो की बैठक,मंत्री के भ्रमण कार्यक्रम को सफल बनाने पर विचार

केलांचल टाइम्स.

नावकोठी. प्रखंड के समसा में भाजयुमो की बैठक मंगलवार को आयोजित की गयी.बैठक की अध्यक्षता पंचायत अध्यक्ष अजीत कुमार कुशवाहा ने किया.संचालन मनीष पाठक के द्वारा किया गया. बैठक में स्थानीय विधायक सह बिहार सरकार के गन्ना उद्योग मंत्री संजय पासवान के प्रस्तावित क्षेत्र भ्रमण को सफल बनाने को लेकर कार्यकर्ताओं के बीच विचार विमर्श किया गया.बैठक में समसा पंचायत स्थित मॉडल स्कूल को डिग्री कॉलेज में परिणत करने,जर्जर सड़कों के उन्नयन एवं विभिन्न जनसमस्याओं के निदान हेतु माननीय मंत्री का ध्यान आकृष्ट कराने का निर्णय लिया गया.

इस अवसर पर महामंत्री दीपक कानू, पूर्व महामंत्री कपिलदेव पोद्दार, सरपंच बाबूसाहेब कुंवर उर्फ पंकज कुमार, मुकेश महतो, विकाश कुमार, प्रभु ठाकुर, अर्जुन साह, संगीता देवी, रामपुकार गोस्वामी, राजेश महतो, राजीव पासवान सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे.

गरीबों की बस्तियां उजाड़ने के खिलाफ भाकपा (माले) ने किया प्रदर्शन

केलांचल टाइम्स.

भागलपुर.गरीबों दलितों की बस्तियां उजाड़ने पर रोक, सभी बेघर भूमिहीनों को 5 डिसमिल वासभूमि व वासगीत पर्चा, ग्रामजी का झुनझुना वापस लेकर मनरेगा की पुनर्बहाली, मजदूर विरोधी लेबर कोड कानून को वापस लेने आदि की मांगों को लेकर खेत मजदूर संगठनों के देशव्यापी आह्वान पर भाकपा (माले) ने स्थानीय भवनपुरा से बिसपुरिया के रास्ते, एनएच 31 पर मार्च निकालते हुए, खरीक चौक पर आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व भाकपा (माले) के खरीक प्रखंड सचिव सत्यनारायण यादव ने की।प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए भाकपा (माले) के पूर्व जिला सचिव बिंदेश्वरी मंडल ने कहा कि मोदी शासन में गरीबों – दलितों पर जुल्म बढ़ता ही जा रहा है। एक ओर उनकी बस्तियों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है तो मनरेगा के स्थान पर ग्रामजी लाकर उनके मजदूरी पाने के अधिकार पर हमला किया गया है। लेबर कोड बिल लागू कर मजदूरों को आधुनिक गुलामी के अंधेरे में ठेल दिया गया है।उन्होंने कहा कि सड़क अतिक्रमण हटाने के नाम से शुरु हुआ बुलडोजर अभियान, अब लैंड बैंक बनाने के लिए सरकारी जमीन पर बसे बेघर गरीबों पर चलाया जा रहा है। जबकि उन बेघरों के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है। इसके खिलाफ आज पूरे देश में गरीब मजदूर सड़कों पर हैं। अगर मांगे पूरी नहीं की गयी तो आंदोलन और तेज होगा।प्रदर्शन को भाकपा (माले) के पूर्व जिला सचिव बिंदेश्वरी मंडल सहित ऐपवा की जिला सचिव रेणु देवी व सिकन्दर यादव आदि ने भी सम्बोधित किया।प्रदर्शन में भाकपा (माले) के जिला कमिटी सदस्य आशुतोष यादव, रामविलास यादव, श्रीमंत शर्मा, बिहारी शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, सुबोध पासवान, गौतम साहू, पप्पू साह, माहेश्वर यादव, रंजीत मंडल, सकलदेव यादव, गुलचरण मंडल, सिंटू यादव, सिन्टेक्स मंडल आदि बड़ी संख्या में ग्रामीण गरीब मजदूर शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

ज़ेनिथ पब्लिक स्कूल, जोगबनी में भारतीय बॉल बैडमिंटन टीम का भव्य स्वागत

भारत–नेपाल अंतर्राष्ट्रीय टेस्ट श्रृंखला के बाद खिलाड़ियों का ऐतिहासिक अभिनंदन

जोगबनी (अररिया)। नेपाल के पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय दौरे के उपरांत भारतीय बॉल बैडमिंटन महिला एवं पुरुष वर्ग की टीम का भारत आगमन पर जोगबनी स्थित ज़ेनिथ पब्लिक स्कूल में भव्य एवं गरिमामय स्वागत किया गया। नेपाल के बिरगंज, काठमांडू एवं बिराटनगर में आयोजित भारत–नेपाल अंतर्राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन टेस्ट श्रृंखला के सफल आयोजन के बाद टीम का यह स्वागत समारोह खेल प्रेमियों के लिए यादगार बन गया।

महासंघ के महासचिव की मौजूदगी ने बढ़ाई गरिमा: इस अवसर पर भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ के महासचिव श्री वाई. राजा राव (छत्तीसगढ़) की विशेष उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उनके साथ गौरी शंकर (पुरुष वर्ग प्रशिक्षक, बिहार), नरेश चंद्राकर (महिला वर्ग प्रशिक्षक, छत्तीसगढ़), रंजन कुमार गुप्ता (प्रबंधक), डॉ. रजनी गंधा (बिहार) भी उपस्थित रहीं। सभी पदाधिकारियों का ज़ेनिथ पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल कविता खान द्वारा शॉल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा: कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पदाधिकारियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय बॉल बैडमिंटन की उपलब्धियों, खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाड़ी अब वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहे हैं।

देशभर से आए प्रतिभावान खिलाड़ियों की सहभागिता: समारोह में महिला एवं पुरुष वर्ग के अनेक प्रतिभावान खिलाड़ियों की उपस्थिति रही। तमिलनाडु से एफ. प्रीति, जसलीन जे, टी. करुनया, आर. रोहित कुमार एवं आर. शर्मा; कर्नाटक से सावित्री रमेश कारीगर, लंचना एवं प्रशांत एच. जी,केरल से भव्या ए, श्रेता एस. नायर एवं असलम खान एफ, राजस्थान से प्रियांसी शर्मा, वंशिका आचार्य एवं अजय चौहान,दिल्ली से ज्योति एवं मो. वासिम कुरैसी,छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी चन्द्रकार एवं कुणाल साहू, आंध्र प्रदेश से मंडला पावणी, छल्ला कृष्णा एवं नरेंद्र कुमार, महाराष्ट्र से श्रुष्टि सम्पत पाटिल एवं ओणकार दीपक कहार, उत्तर प्रदेश से उपेंद्र मिश्रा, पुदूचेरी से छोड़े गुना श्याम प्रताप तथा बिहार से विनोद कुमार एवं निधि कुमारी ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

विद्यालय परिसर में दिखी खेल भावना और राष्ट्रीय एकता: ज़ेनिथ पब्लिक स्कूल के प्रबंधन, शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने सभी अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। पूरे परिसर में खेल भावना, अनुशासन और राष्ट्रीय एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध हुआ।

ज़ेनिथ पब्लिक स्कूल का खेलों के प्रति समर्पण: कार्यक्रम के अंत में प्रिंसिपल कविता खान एवं निदेशक खुर्शीद खान ने भारतीय टीम को संबोधित करते हुए कहा कि ज़ेनिथ पब्लिक स्कूल हमेशा से खेल एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करता आया है। उन्होंने गर्व के साथ बताया कि विद्यालय के तीन छात्रों का चयन बिहार खो-खो अंडर-14 टीम में हुआ है, जो गुजरात के सूरत में आयोजित राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे हैं।

उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ समापन: समारोह का समापन सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ। ज़ेनिथ पब्लिक स्कूल: शिक्षा के साथ खेलों में भी राष्ट्रीय पहचान, सीमावर्ती क्षेत्र से अंतर्राष्ट्रीय खेल भावना का संदेश।

जननायक कर्पूरी ठाकुर जयंती को लेकर नायी समाज में दिखा जोश

फारबिसगंज में बैठक, ग्रामीण क्षेत्रों से जुटे समाज के लोग

फारबिसगंज (अररिया)। स्वतंत्रता सेनानी एवं सामाजिक न्याय के प्रतीक जननायक कर्पूरी ठाकुर जी की जयंती समारोह को भव्य एवं सफल बनाने को लेकर नायी समाज फारबिसगंज द्वारा लगातार जनसंपर्क और बैठकें की जा रही हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को स्थानीय बड़ा शिवालय परिसर में नायी समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड क्षेत्र के मझूआ, अमहरा एवं खवासपुर पंचायत से आए समाज के प्रतिनिधियों और ग्रामीण लोगों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। बैठक में जयंती समारोह को समाजिक एकता और संगठन की मजबूती का माध्यम बनाने पर विशेष चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बृहस्पतिवार को खवासपुर में एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों से स्वजातीय लोग बड़ी संख्या में भाग लेंगे और कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा। इस अवसर पर प्रभु कुमार प्रभाकर, उपेंद्र ठाकुर, बिजेंद्र ठाकुर, किशोर ठाकुर, महेंद्र ठाकुर, विजय कुमार ठाकुर, धर्मेंद्र कुमार ठाकुर, सुमन कुमार ठाकुर, रोहित कुमार ठाकुर, रॉकी कुमार ठाकुर, महेश ठाकुर, सन्नी ठाकुर, मिट्ठू ठाकुर, सिकंदर ठाकुर सहित कई गणमान्य लोग

धावाडंगल पिकनिक स्पॉट को पर्यटक स्थल का दर्जा देने की मांग तेज

पाकुड़िया : पाकुड़ जिले के पाकुड़िया प्रखंड स्थित धावाडंगल पिकनिक स्पॉट एक प्रमुख प्राकृतिक स्थल के रूप में तेजी से पहचान बना रहा है। हालांकि अब तक इसे आधिकारिक रूप से पर्यटक स्थल घोषित नहीं किया गया है, फिर भी यह नया साल, सर्दियों के मौसम और अन्य अवसरों पर पिकनिक मनाने के लिए स्थानीय लोगों और दूर-दराज से आने वाले पर्यटकों के बीच बेहद लोकप्रिय है। हर वर्ष नए साल के अवसर पर धावाडंगल में भारी संख्या में लोग पहुंचते हैं। प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और आसपास का हरियाली भरा क्षेत्र इसे पिकनिक के लिए आकर्षक बनाता है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यहां साल दर साल पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है, जिससे यह क्षेत्र स्वतः ही एक महत्वपूर्ण पिकनिक स्थल के रूप में उभर चुका है। धावाडंगल को अभी तक सरकारी स्तर पर पर्यटक स्थल का दर्जा नहीं मिला है, लेकिन इसकी प्राकृतिक विशेषताएं और धार्मिक व सांस्कृतिक महत्व इसे विशेष बनाते हैं। इसी कारण अब इस स्थान के समुचित विकास और पर्यटक स्थल घोषित किए जाने की मांग तेज हो रही है। यदि धावाडंगल को पर्यटक स्थल का दर्जा मिलता है, तो इससे स्थानीय लोगों को कई प्रकार के लाभ मिल सकते हैं। पर्यटन के विकास से गाइड, होमस्टे संचालन, हस्तशिल्प बिक्री, परिवहन सेवा और भोजनालय जैसे क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इससे बेरोजगारी में कमी आएगी और लोगों की आय में वृद्धि होगी। पर्यटन बढ़ने से स्थानीय बाजारों, उत्पादों और सेवाओं की मांग भी बढ़ेगी, जिससे आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी और धन का प्रवाह स्थानीय स्तर पर बना रहेगा। इसके साथ ही पर्यटकों की सुविधा के लिए सड़कों, पेयजल, स्वच्छता और अन्य बुनियादी ढांचे का विकास होगा, जिसका लाभ सीधे स्थानीय निवासियों को मिलेगा। धावाडंगल को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किए जाने से स्थानीय कला, संस्कृति, भाषा और परंपराओं को संरक्षण मिलेगा। बाहर से आने वाले लोग यहां की सांस्कृतिक विरासत से परिचित होंगे, जिससे समुदाय में सांस्कृतिक गौरव की भावना मजबूत होगी। इसके साथ ही सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा और आपसी समझ विकसित होगी। आर्थिक मजबूती के साथ स्थानीय लोगों का जीवन स्तर बेहतर होगा और समुदाय अधिक सुरक्षित व आत्मनिर्भर महसूस करेगा। साथ ही पर्यटन के कारण पर्यावरण के महत्व को लेकर जागरूकता बढ़ेगी और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रयास भी तेज होंगे। कुल मिलाकर, धावाडंगल पिकनिक स्पॉट को पर्यटक स्थल का दर्जा मिलना न केवल पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा, बल्कि यह स्थानीय विकास, रोजगार सृजन और सांस्कृतिक संरक्षण की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित हो सकता है।

आईएचएचएस अकादमी, बथनाहा ने धूमधाम से मनाया 20वाँ स्थापना दिवस

कैलांचल टाइम्स

फारबिसगंज I फारबिसगंज अनुमंडल अंतर्गत आईएचएचएस अकादमी, बथनाहा ने मंगलवार को अपना बीसवाँ स्थापना दिवस पूरे हर्षोल्लास, अनुशासन और गरिमामय वातावरण में मनाया। विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जहाँ उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसने शिक्षा के उजास और संस्कारों के संदेश को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया।

विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी मौजूदगी: समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शश्वत रंजीत (आईपीएस), कमांडेंट, 56वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, बथनाहा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में रानी देवी, मुख्य पार्षद, जोगबनी; डॉ. श्रीपाद जे. वालावलकर, एम.डी., डी.पी.बी., कंसल्टेंट पैथोलॉजिस्ट, विराट नर्सिंग होम, विराटनगर तथा डॉ. फिरोज कुमार चौधरी, कार्यकारी निदेशक, बिराट रानी आंखा अस्पताल प्राइवेट लिमिटेड शामिल रहे।

अतिथियों का भव्य स्वागत: विद्यालय के प्राचार्य सुकमित लेप्चा एवं निदेशिका श्रीमती रोजी देवी ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। अपने संबोधन में प्राचार्य ने कहा कि "बीस वर्ष पूर्व शुरू हुई यह संस्था आज सीमावर्ती क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण, अनुशासित एवं आधुनिक शिक्षा का मजबूत केंद्र बन चुकी है।"

- शिक्षा, अनुशासन और आधुनिक सोच का 20 वर्षों का सफल सफर
- सीबीएसई से +2 विज्ञान संकाय की संबद्धता बनी समारोह का आकर्षण

समाज और राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की भूमिका: मुख्य अतिथि शश्वत रंजीत (आईपीएस) ने कहा कि शिक्षा केवल नौकरी पाने का साधन नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक गढ़ने की प्रक्रिया है। उन्होंने आईएचएचएस अकादमी द्वारा सीमावर्ती क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संस्थान समाज के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखते हैं।

जनप्रतिनिधियों एवं विशेषज्ञों ने की प्रशंसा: मुख्य पार्षद रानी देवी ने विद्यालय के 20 वर्षों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था क्षेत्र के बच्चों के सपनों को साकार करने का माध्यम बनी है। वहीं चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े अतिथियों ने शिक्षा के साथ स्वास्थ्य जागरूकता पर भी बल दिया।

छात्रों की रंगारंग प्रस्तुति बनी आकर्षण: समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, नृत्य, नाट्य प्रस्तुति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। छात्रों के आत्मविश्वास और मंचीय प्रस्तुति ने विद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गुणवत्ता को दर्शाया।

सीबीएसई से +2 विज्ञान संकाय की बड़ी उपलब्धि: इस अवसर पर यह भी जानकारी दी गई कि आईएचएचएस अकादमी को इस वर्ष सीबीएसई, नई दिल्ली से विज्ञान संकाय में +2 स्तर तक की संबद्धता प्राप्त हुई है, जिसे विद्यालय परिवार ने ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को अब उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

आभार ज्ञापन के साथ हुआ समापन: कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। विद्यालय प्रबंधन ने अभिभावकों, शिक्षकों एवं स्थानीय नागरिकों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। आईएचएचएस अकादमी : 20 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में भरोसे का नाम,सीमावर्ती इलाके में हाइटेक शिक्षा की है मिसाल I

खेलेगा अररिया – बढ़ेगा अररिया

शहर के दो ऐतिहासिक मैदानों को मिलेगा नया रूप, सांसद ने दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

कैलांचल टाइम्स

अररिया। अररिया जिला क्रिकेट संघ ने खेल प्रेमियों के सपनों को नई उड़ान देने की दिशा में एक अहम पहल की है। संघ की ओर से आज अररिया स्थित नेताजी सुभाष स्टेडियम एवं अररिया कॉलेज स्टेडियम के सौंदर्यीकरण और उन्हें अत्याधुनिक खेल मैदान के रूप में विकसित किए जाने को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया। संघ के शिष्टमंडल ने माननीय सांसद श्री प्रदीप कुमार सिंह से मुलाकात कर शहर के दोनों प्रमुख खेल मैदानों की जर्जर स्थिति से अवगत कराया। सांसद ने क्रिकेट संघ के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए अतिशीघ्र आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को दिशा-निर्देश देने का आश्वासन दिया। शिष्टमंडल में जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष प्रवीर कुमार विश्वास (बासु दा),सचिव राजेंद्र प्रसाद यादव,बिहार क्रिकेट संघ के पूर्व काउंसलर ओम प्रकाश जायसवाल,सदस्य नंदन ठाकुर पूर्व कोषाध्यक्ष अमित सेनगुप्ता शामिल थे। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि इन मैदानों का आधुनिकरण होता है तो अररिया के युवाओं को न सिर्फ बेहतर अभ्यास का अवसर मिलेगा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर तक प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मंच भी प्राप्त होगा। यह पहल केवल खेल के विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे युवा सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, अनुशासन और जिले की सकारात्मक पहचान को भी बल मिलेगा। वास्तव में,खेलेगा अररिया – बढ़ेगा अररिया अब सिर्फ नारा नहीं, बल्कि विकास की रणनीति बनता नजर आ रहा है।

15 जनवरी को दही-चूड़ा भोज पर लोकगीतों की गूंज... मकर संक्रांति पर पूर्णियाँ में महासंगम

भाजपा नेत्री नूतन के फार्म हाउस पर दही-चूड़ा भोज के बीच मंच संभालेंगी सुप्रसिद्ध लोक गायिका खुशी कक्कर

कैलांचल टाइम्स

पूर्णियाँ। मकर संक्रांति के अवसर पर पूर्णियाँ में परंपरा, स्वाद और सुरों का जबरदस्त संगम देखने को मिलेगा। 15 जनवरी 2026, गुरुवार को आयोजित होने जा रहे भव्य दही-चूड़ा भोज में लोकसंस्कृति की खास झलक उस समय देखने को मिलेगी, जब मंच पर मौजूद होंगी सुप्रसिद्ध लोक गायिका खुशी कक्कर। यह खास आयोजन मात्र नूतन गुप्ता के सौजन्य से किया जा रहा है, जिसमें दही-चूड़ा भोज के साथ-साथ लोकगीतों की प्रस्तुति संक्रांति के उत्सव को और भी यादगार बना देगी। कार्यक्रम का आयोजन शांति नगर, वार्ड संख्या-03, पूर्णियाँ स्थित भाजपा नेता पंकज कुमार निराला एवं प्रखर भाजपा नेत्री नूतन गुप्ता के फार्म हाउस पर होगा। आयोजकों के अनुसार, दही-चूड़ा भोज मकर संक्रांति की आत्मा है और उसी परंपरा को जीवंत रखने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। लोक गायिका खुशी कक्कर की उपस्थिति भोज में सांस्कृतिक रंग भर देगी, जहां श्रोता लोकगीतों की धुन पर झूमते नजर आएंगे। कार्यक्रम में सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक जगत से जुड़े लोग, कला प्रेमी और आमजन बड़ी संख्या में शामिल होंगे। मकर संक्रांति पर स्वाद और सुर का यह मेल पूर्णियाँ के लिए खास आकर्षण बनने जा रहा है।

पूर्णिया विधानसभा में भाजपा का शक्ति-संयोजन

कैलांचल टाइम्स

पूर्णिया। पूर्णिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी के सभी मंडलों के पदाधिकारी, मोर्चा–प्रकोष्ठों के अध्यक्ष–संयोजक एवं शक्तिकेंद्र प्रमुखों की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और रणनीतिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विधायक विजय खेमका की गरिमामयी उपस्थिति में हुई, जहाँ संगठन की मजबूती के साथ-साथ क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया।

विकास योजनाओं की जमीनी समीक्षा: बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं ने शहरी और ग्रामीण इलाकों में एनडीए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की स्थिति साझा की। विशेष रूप से कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों में चल रही योजनाओं पर फीडबैक रखा गया। कार्यकर्ताओं ने सुझाव दिया कि योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचे, इसके लिए जमीनी क्रियान्वयन की रफ्तार और निगरानी बढ़ाई जाए।

कार्यकर्ताओं की आवाज़, नेतृत्व का भरोसा: विधायक विजय खेमका ने कार्यकर्ताओं के सुझावों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि "संगठन की ताकत ही विकास की सबसे बड़ी गारंटी है।" उन्होंने भरोसा दिलाया कि मिले सभी सुझावों पर समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

डबल इंजन सरकार में तेज़ी से बदल रहा पूर्णिया: विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में डबल इंजन की एनडीए सरकार पूर्णिया को विकास की नई ऊँचाइयों पर ले जा रही है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा के बजट सत्र में पूर्णिया से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा, ताकि क्षेत्र को अधिक संसाधन और नई परियोजनाएँ मिल सकें।

बूथ से विधानसभा तक संगठन को धार: बैठक में निर्णय लिया गया कि बूथ स्तर पर संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत किया जाएगा। साथ ही, सरकारी योजनाओं, उपलब्धियों और विकास कार्यों की जानकारी घर-घर तक पहुँचाने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएंगे।

- विधायक विजय खेमका की अगुवाई में विकास, संगठन और रणनीति पर मंथन
- पूर्णिया में भाजपा का फोकस: विकास + संगठन + जनसंपर्क
- बैठक बनी आने वाले सियासी रोडमैप की झलक

संगठन की एकजुटता दिखी मंच पर: बैठक में मंडल अध्यक्ष पानो देवी, मनोज गोश्वामी, पवन सहनी, गोपाल सिन्हा, मंडल प्रभारी अनुपमा झा, सुजीत सिन्हा, चंदन पासवान, विजय माझी, सुकेश पाल, संयोजक संजय मिश्रा, महामंत्री मनोरंजन कुमार, श्रवण मंडल, बीरेंद्र सिंह, गणेशी साह, मिथलेश पोदार, अवधेश सिंह, जितेंद्र मंडल, रूपेश शर्मा, जोतिष ठाकुर, रामानंद साह सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजनीतिक संदेश साफ: इस बैठक ने स्पष्ट कर दिया कि भाजपा संगठनात्मक अनुशासन, जमीनी संवाद और विकास के एजेंडे के साथ पूर्णिया में पूरी मजबूती से आगे बढ़ रही है।

देवीनगर समेत पांच गांवों में मिल रही निशुल्क पशु चिकित्सा सेवा

कैलांचल टाइम्स

महेशपुर : महेशपुर प्रखंड के देवीनगर पंचायत स्थित ग्राम सेवा केंद्र में भारतीय स्टेट बैंक फाउंडेशन एवं प्रवाह संस्था द्वारा संचालित ग्राम सेवा कार्यक्रम के तहत किसानों को निशुल्क पशु चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत पशुओं की जांच, दवा, टीकाकरण तथा कृत्रिम गर्भाधान के लिए वीर्य सहित अन्य आवश्यक सेवाएं दी जा रही हैं। देवीनगर निवासी गोपाल भगत के पशु की निशुल्क जांच एवं कृत्रिम गर्भाधान किए जाने के बाद पशु चिकित्सक उमेश सिंह ने बताया कि ग्राम सेवा केंद्र देवीनगर के माध्यम से आसपास के कुल पांच गांवों में पशुओं का निशुल्क इलाज किया जा रहा है। उन्होंने पशुओं के गर्भाधान को लेकर किसानों को विस्तृत जानकारी दी। बताया गया कि आधुनिक तकनीकों के उपयोग से पशुओं की नस्ल सुधार, गर्भधारण की सफलता दर बढ़ाने तथा दुग्ध उत्पादन में वृद्धि पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कृत्रिम गर्भाधान की सही समय पर प्रक्रिया अपनाकर बार-बार गर्भ न ठहरने की समस्या से बचा जा सकता है, जिससे पशुपालकों को आर्थिक लाभ मिल सके।

नस्ल सुधार : कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले सांड के वीर्य का उपयोग कर गायों की नस्ल में सुधार किया जा रहा है। इससे दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होती है तथा मादा बछड़ों की संभावना भी बढ़ती है।

तकनीकी प्रगति : कृत्रिम गर्भाधान के साथ आधुनिक पहचान तकनीकों का उपयोग कर पशुओं में गर्मी की सही पहचान एवं प्रजनन चक्र को नियंत्रित किया जा रहा है, जिससे गर्भधारण की सफलता दर में सुधार हो रहा है।

प्रजनन दक्षता : कृत्रिम गर्भाधान से एक ही सांड के वीर्य द्वारा अनेक गायों का गर्भाधान संभव है। इससे प्रजनन सांड रखने का खर्च घटता है तथा जननांग संबंधी रोगों का प्रसार भी रुकता है।

पशुपालकों को लाभ : इस तकनीक से कम समय में अधिक पशुओं का गर्भाधान, बेहतर गुणवत्ता के बछड़े और डेयरी कार्य में समग्र सुधार संभव हो रहा है, जिससे किसानों की आय में बढ़ोतरी हो रही है।

समस्याएं और समाधान : यदि तीन बार कृत्रिम गर्भाधान के बाद भी पशु गर्भधारण नहीं करता है, तो इसे बार-बार गर्मी में आने की समस्या माना जाता है। ऐसी स्थिति

में बच्चेदानी या अंडाशय से जुड़ी परेशानी हो सकती है, जिसके लिए पशु चिकित्सक से परामर्श आवश्यक है। कृत्रिम गर्भाधान में सफलता के लिए सही समय का चयन अत्यंत महत्वपूर्ण है। आमतौर पर गर्मी आने के बारह घंटे बाद गर्भाधान करना प्रभावी माना जाता है। गर्भाधान के बाद पशु के व्यवहार में होने वाले बदलावों के आधार पर गर्भ ठहरने की पहचान की जाती है। कुल मिलाकर, ग्राम सेवा कार्यक्रम के तहत दी जा रही यह निशुल्क पशु चिकित्सा सेवा पशुपालकों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है और उन्हें अधिक सफल एवं लाभदायक दुग्ध उत्पादन की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान कर रही है।

पुष्पों के साथ शुभेच्छाओं की सौगात

कैलांचल टाइम्स

अररिया। बिहार सरकार की माननीय खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्रीमती लेशी सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर शुभकामनाओं का सिलसिला जारी रहा। इसी क्रम में जिला भाजपा मंत्री नूतन गुप्ता ने उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर नूतन गुप्ता ने ईश्वर से मंत्री लेशी सिंह के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं जनसेवा से परिपूर्ण जीवन की मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि मंत्री के नेतृत्व में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यों को गति दी है, जिसका लाभ आम जनता तक पहुंच रहा है। कार्यक्रम के दौरान जिला भाजपा अध्यक्ष मनोज सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी मंत्री को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी। पूरे कार्यक्रम का माहौल सौहार्दपूर्ण एवं आत्मीय रहा, जहां एनडीए कार्यकर्ताओं में भी खासा उत्साह देखने को मिला।

- खाद्य मंत्री लेशी सिंह को जिला भाजपा मंत्री नूतन गुप्ता ने दी जन्मदिवस की बधाई

पूर्णिया–दिल्ली उड़ान रद्द होने पर सांसद पप्पू यादव ने नागरिक उड्डयन मंत्री से की मुलाकात, पूर्णिया की हवाई कनेक्टिविटी पर जताई गहरी चिंता

कैलांचल टाइम्स

नई दिल्ली I पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किंजरापु राम मोहन नायडू से मुलाकात कर पूर्णिया एयरपोर्ट से जुड़ी अहम समस्याओं और संभावनाओं को मजबूती से उठाया। उन्होंने विशेष रूप से पूर्णिया–दिल्ली इंडिगो की एकमात्र सीधी उड़ान को 19 से 26 जनवरी 2026 तक बिना किसी पूर्व सूचना के रद्द किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई और इसे सीमांचल–कोसी क्षेत्र के साथ अन्याय बताया। जिस पर मंत्री ने त्वरित संज्ञान लिया और रक्षा सचिव से बात कर उन्हें उड़ान बाधित ना करने के लिए पत्र भी लिखा। इसके अलावा मंत्री ने पूर्णिया को एक और सौगात देने की बात सांसद पप्पू यादव को बताया, जिसमें उन्होंने कहा कि अकाशा एयरलाइन कंपनी से मुंबई - पूर्णिया - दिल्ली की उड़ान के लिए बात हुई है। जल्द ही यह सेवा बहाल भी कर दी जाएगी। इससे पहले सांसद ने मंत्री को अवगत कराते हुए कहा कि 26 अक्टूबर 2025 से शुरू हुई पूर्णिया–दिल्ली सीधी उड़ान ने क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में ऐतिहासिक बदलाव लाया था। रोजाना लगभग 200 यात्री इस सेवा से लाभान्वित हो रहे थे, जिनमें छात्र, गंभीर रोगी, व्यवसायी, सरकारी कर्मी और रोजगार के लिए आने-जाने वाले आम लोग शामिल थे। अचानक पूरे आठ दिनों के लिए उड़ान रद्द कर देना न केवल यात्रियों के साथ अन्याय है, बल्कि जनता की भावना के भी खिलाफ है। उन्होंने मंत्री को बताया कि गणतंत्र दिवस के दौरान दिल्ली IGI एयरपोर्ट पर केवल 2.5 घंटे की नो-फ्लाई विंडो लागू होती है, जिसके अनुसार देशभर की सैकड़ों उड़ानों का शेड्यूल समायोजित कर संचालन

- मुंबई - दिल्ली - पूर्णिया के लिए अकाशा की फ्लाइट, मंत्री ने दी जानकारी
- 19 जनवरी से पूर्णिया से रद्द उड़ान को लेकर रक्षा सचिव को मंत्री ने लिखा पत्र : सांसद पप्पू यादव

जारी रहता है। ऐसे में पूर्णिया–दिल्ली जैसी महत्वपूर्ण क्षेत्रीय सेवा को पूरे आठ दिन बंद कर देना असंगत और अनुपातहीन निर्णय है। न मौसम की बाधा है, न तकनीकी खराबी, और न ही इंडिगो की ओर से कोई लिखित कारण दिया गया है। पप्पू यादव ने कहा कि इस निर्णय से सर्दी की छुट्टियों के बाद दिल्ली, एनसीआर और बेंगलुरु में पढ़ने वाले हजारों छात्र समय पर अपनी पढ़ाई में वापस नहीं लौट पाएंगे। वहीं, दिल्ली के बड़े अस्पतालों में इलाजरत मरीजों और उनके परिजनों को मजबूरन लंबी रेल या सड़क यात्रा करनी पड़ेगी, जो स्वास्थ्य के अधिकार का भी उल्लंघन है। व्यापार, प्रशासन और रोजगार से जुड़े लोगों के लिए यह सेवा जीवनरेखा थी। सांसद ने मांग की कि 19–26 जनवरी के दौरान उड़ान का शेड्यूल समायोजित कर संचालन बहाल किया जाए, इंडिगो से लिखित कारण मांगा जाए और यात्रियों को मुआवजा व री-बुकिंग सुनिश्चित की जाए। साथ ही भविष्य में किसी एकमात्र रूट को पूरी तरह बंद करने से पहले नागरिक उड्डयन मंत्रालय की पूर्व अनुमति अनिवार्य की जाए तथा DGCA पोर्टल पर यात्रियों के लिए विशेष शिकायत सेल बनाई जाए। इसके साथ ही उन्होंने पूर्णिया एयरपोर्ट से पटना, रांची, पूर्णिया–बागडोगरा–गुवाहाटी जैसे मार्गों पर ATR श्रेणी के विमानों का नियमित संचालन शुरू करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि इन सेवाओं को UDAN योजना के तहत शामिल किया जाए ताकि किफायती किराए पर आम लोगों को हवाई यात्रा की सुविधा मिल सके और सीमांचल–कोसी क्षेत्र सीधे राजधानी और अन्य प्रमुख शहरों से जुड़ सके। पप्पू यादव ने आगे कहा कि पूर्णिया, बिहार के सीमावर्ती जिलों के साथ उत्तर बंगाल, नेपाल और असम को जोड़ने वाला एक संभावित क्षेत्रीय हब है। पूर्णिया–गुवाहाटी–दिल्ली, पूर्णिया–पटना–दिल्ली, पूर्णिया–हैदराबाद, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे मार्गों पर नियमित उड़ानें शुरू होने से शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार और पर्यटन को नई गति मिलेगी। इसके लिए इंडिगो, आकासा, एयर एशिया जैसी एयरलाइंस को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। अंत में सांसद ने कहा कि पूर्णिया एयरपोर्ट का बुनियादी ढांचा अब पूरी तरह तैयार है, लेकिन उड़ानों की कमी के कारण क्षेत्र की विकास संभावनाएं सीमित हो रही हैं। उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्री से आग्रह किया कि जनहित को देखते हुए पूर्णिया से देश के प्रमुख महानगरों के लिए नियमित वाणिज्यिक उड़ानों को प्राथमिकता दी जाए। मंत्री ने आश्वासन दिया कि संबंधित मुद्दों पर मंत्रालय गंभीरता से विचार करेगा और आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

होटल पैलासियो डि साल: विश्व का इकलौता होटल, जो पूरी तरह नमक से बना है

बोलिविया 7 दक्षिण अमेरिका के बोलिविया में एक अनोखा होटल स्थित है, जो पूरी तरह नमक से बना हुआ है। यह अपने तरह का दुनिया का पहला और इकलौता होटल है। इसका नाम होटल पैलासियो डि साल है। इसे नमक का महल भी कहा जाता है। यह दुनिया के सबसे बड़ नमक के मैदान सालार डि उईयूनी के तट पर स्थित है। नमक के रेगिस्तान के बीच होने के बावजूद यह एक लग्जरी होटल है। यहां स्पा, गेम जोन और पूल जैसी कई सुविधाएं दी जाती हैं। होटल में 16 लग्जरी रूम, 1 डाइनिंग रूम और 1 बार है।

एक दिन का किराया 30 हजार

इस होटल का एक दिन का किराया लगभग 30 हजार रुपए है। होटल के कमरों से नमक के रेगिस्तान का नजारा देखने को मिलता है। होटल स्टाफ मीडिया को दिए इंटरव्यू में बताते हैं कि यहां आने वाले मेहमान आकर बहुत खुश रहते हैं। अक्सर कई पर्यटक तो दीवार या फर्नीचर को चख कर चेक करते हैं कि यह सब नमक से बना है। इसे होटल व्यवसायी जुआन क्रेसाडा वाल्डा ने बनवाया था। वे बताते हैं कि शुरुआत में लोगों ने उनके नमक के होटल के आइडिया का विरोध किया था। लोगों का कहना था कि होटल में कोई नहीं आएगा, लेकिन इसका विपरीत हुआ। हर साल होटल में हजारों पर्यटक आते हैं। है।

होटल की मेन्यू में खाना भी होता है केवल नमकीन

इस होटल के अंदर स्थित खंभे और दीवारें भी नमक की ईंटों से ही बनी हैं। होटल में फर्नीचर के लिए लकड़ी का उपयोग नहीं किया गया, बल्कि इन्हें भी नमक के ब्लॉक से ही बनाया गया है। होटल के सोफे और नमक से बना बेड पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। इतना ही नहीं होटल के रेस्त्रां के मेन्यू में मिलने वाला खाना भी केवल नमकीन होता है। यहां स्पा के लिए भी सॉल्ट वाटर बाथ का उपयोग किया जाता है, इसमें व्यक्ति को नमक के ढेर पर और खारे पानी से स्पा दिया जाता है। इसके हर कमरे में नमक की ईंटों से बनी एक अनोखी गुंबददार छत है, जिस पर भी नमक की बारीक परत चढ़ाई गई है। नवंबर से अप्रैल तक बरसात के मौसम के दौरान नमी बढ़ने के कारण होटल के कई हिस्सों को समय-समय पर बदलते रहना पड़ता

दुनिया के दुर्गम होटल में शामिल इटली का मार्गरिटा हट

- 15 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित
- 5 घंटे की चढ़ाई कर पहुंचते हैं पर्यटक

इटली में एक अनोखा होटल स्थित है। इस होटल को दुनिया के सबसे दूरस्थ इलाकों में स्थित होटल्स में एक माना जाता है। दरअसल यह होटल एक पहाड़ी पर बना है। इसका नाम मार्गीरिटा हट है। यह करीबन 15 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित है।

इसका नाम इटली की एक रानी मार्गरिटा के नाम पर रखा गया है, वे 1893 में यहां आई थीं। इस होटल का निर्मान 1889 में इटालियन अल्पाइन क्लब द्वारा किया गया था। मार्गरिटा हट में ठहरने के लिए यात्रियों को 5 घंटे की कठिन चढ़ाई चढ़नी होती है। खास पिज्जा खाने के लिए यहां पर्यटक आते हैं।

साइंटिफिक रिसर्च भी होती है इस होटल में यहां तक पहुंचने के लिए आगंतुकों को क्रैम्पन, रस्सियों और कुल्हाड़ियों की मदद लेनी पड़ती है। इस होटल में यहां पहुंचने वाले लोगों के लिए सभी जरूरी सुविधाएं हैं। होटल के कमरे किसी हॉस्टल की तरह है। मार्गरिटा हट में एक बार में कुल 70 यात्री ठहर सकते हैं। होटल में एक भोजन कक्ष, एक बड़ा रसोईघर है। यात्री इस होटल के खास पिज्जा का आनंद लेने के लिए यहां तक पहुंचते हैं। यहां एक रात का किराया करीब 9 हजार रुपए के आसपास है। होटल एक रिसर्च स्टेशन के रूप में भी कार्य करता है। यहां पर्यावरणीय और वायुमंडलीय स्थितियों का अध्ययन करने के लिए उपकरण लगे हैं। मार्गरिटा हट के कर्मचारियों को लगातार 10 से 14 दिनों तक काम करना पड़ता है, बीच में उन्हें कुछ दिनों का ही ब्रेक मिलता है। हर बार उन्हें पहाड़ पर चढ़ने के लिए मुश्किल यात्रा करनी पड़ती है और कभी-कभी हेलीकॉप्टर उन्हें काम पर ले जाने में मदद करते हैं।

ट्यूनीशिया में 11वीं शताब्दी में बने थे ये अनोखे अंडरग्राउंड घर

आपने अक्सर दादी-नानी की कहानियों में पाताल लोक के बारे में सुना होगा, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक पाताल लोक धरती पर भी मौजूद हैं, जहां जमीन के नीचे घर बनाकर लोग रहते हैं। इसकी वजह भी बेहद चौंकाने वाली है। ये है अफ्रीकी देश ट्यूनिशिया का दजेबेल दाहर इलाका, जहां लोग आज भी सैकड़ों साल पुराने घरों में रहते हैं। ये घर जमीन के नीचे बने होते हैं। इस अंडरग्राउंड गांव को तिज्मा के नाम से जाना जाता है। जमीन के नीचे पुराने तरीकों से बने इन घरों पर न गर्मी का असर है और न ही सर्दी का। हालांकि, पिछले कुछ दशकों में यहां की आबादी काफी कम हो गई। अब यहां कुछ फैमिलीज ही बची हैं। हालांकि, वो इस जगह से इतने अटैच हैं कि इसे छोड़कर जाना नहीं चाहते हैं।

100 साल पुराने इन घरों में लोग रहते तो हैं ही, साथ ही उन्होंने जीवन यापन की तमाम सुविधाएं भी यहां इकट्ठा कर ली हैं। हालांकि यहां रहने वाले ज्यादातर लोग वही हैं, जिनकी जमीन आसपास है और उन्हें यहां खेती करनी होती है। इसके अलावा काफी लोग इस इलाके को छोड़कर शहरी क्षेत्रों की ओर कूच कर गए हैं। जो लोग यहां जमीन के नीचे

बने घरों में रहते हैं, उनका कहना है कि उन्हें अपनी जमीन और संस्कृति से प्यार है, इसलिए वो इसे छोड़कर नहीं जाना चाहते। यहां छुट्टियों के दौरान घूमने-फिरने के लिए पर्यटक भी आते रहते हैं। दरअसल, इन घरों को जमीन के नीचे बनाने का मकसद इस इलाके में चलने वाली गर्म हवाओं से निजात पाना था। यहां बने ज्यादातर घर मिट्टी के ही बने होते हैं, जो भीषण गर्मी में भी ठंडे रहते हैं।

इसके अलावा इनकी बनावट भी ऐसी होती है कि यहां हवा आने की जगह बनी रहे। यहां 1 हजार से ज्यादा अंडरग्राउंड घर बनाए गए हैं। इन घरों को ट्रोग्लोटाइड कहते हैं। अनुमान लगाया जाता है कि ये घर 11वीं शताब्दी में ही बनाए गए होंगे। इनमें से कुछ घरों में लोग अब भी रह रहे हैं। इन घरों को स्टार वार्स की एक मूवी में भी दिखाया गया था, जिसके बाद इन घरों को देखने दुनियाभर के पर्यटक यहां आते हैं। साल 1960 में इन घरों को पहुंचे नुकसान के बाद इन्हें नई सुविधाओं के साथ तैयार किया गया है। यहां के घरों में आम घरों की ही तरह सोने, किचन जैसे कामों के लिए अलग-अलग रूम बना रखे हैं। इन घरों में लोगों ने टीवी आदि भी लगा रखे हैं।

ऐसी है यहां के लोगों की जिंदगी

इस अंडरग्राउंड गांव को तिज्मा के नाम से जाना जाता है। ट्यूनिशिया के प्रेसिडेंट रहे हबीब बॉर्गुइबा ने मॉर्डेनाइजेशन मुहीम के तहत 1960 और 1970 में नया इलाका बसाया। हालांकि, पिछले कुछ दशकों में यहां की आबादी काफी कम हो गई। अब यहां कुछ फैमिलीज ही बची हैं। हालांकि, वो इस जगह से इतने जुड़े हुए हैं कि इसे छोड़कर जाना नहीं चाहते हैं। असल में, सूखे और भारी बारिश के चलते यहां मकान गिरने लगते हैं। ऐसे में कुछ लोगों ने आस-पास की जमीन में ही नए मकान बना लिए हैं। वहीं, पारंपरिक घरों को वो स्तबल और वर्कशॉप के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। तिज्मा गांव के आस-पास ऊपर खजूर और जैतून के पेड़ लगे हैं। यहां रह रहे लोगों के गुजारा जैतून की फार्मिंग और टूरिज्म से होता है। आजकल समय में यह जगह पॉपुलर डेस्टिनेशन में तब्दील हो गई, यहां के अंडरग्राउंड मकानों में होटल खुल गया जो की कमाई का एक और साधन है।

ज्वालामुखी के गड्ढे जैसे हैं दिखते

- तिज्मा गांव में बने सभी मकान ज्वालामुखी के जैसे गड्ढे और गुफा में मौजूद हैं। इनके आस-पास ऊपर पाम और जैतून के पेड़ लगे हैं। इन सभी का कंस्ट्रक्शन एक जैसा है। अजीबोगरीब दिखने वाले ये मकान लीबिया के बॉर्डर से लगे इलाकों में मौजूद हैं। वहीं, दजेबल दहर के बाकी हिस्सों में बने मकान और स्टोररूम पत्थरों को काटकर और जमीन के ऊपर बनाए गए हैं।
- इस अंडरग्राउंड गांव को तिज्मा के नाम से जाना जाता है। ट्यूनिशिया के प्रेसिडेंट रहे हबीब बॉर्गुइबा ने मॉर्डेनाइजेशन कैंपेन के तहत 1960 और 1970 में नया टाउन बसाया। तब यहां से कई फैमिलीज ने अंडरग्राउंड मकानों को छोड़ दिया।
- दरअसल, सूखे और भारी बारिश के चलते यहां मकान गिरने लगते हैं। ऐसे में कुछ लोगों ने आस-पास की जमीन में ही नए मकान बना लिए हैं। वहीं, पारंपरिक घरों को वो स्तबल और वर्कशॉप के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं।
- यहां पांच कमरों वाले घर में रहने वाली लतीफा बेन याहिया ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स से बताया, मेरे मां-बाप की मौत हो गई। सभी लड़कियों की शादियां हो गईं और वो अपने घर चली गईं। अब मैं घर में सिर्फ अकेली बची हूं। अगर मैंने भी घर छोड़ दिया, तो ये घर तो खत्म हो जाएगा।
- यहां रहने वाली 36 साल की सलीहा मोहम्मेदी ने कहा कि वो इस घर में अपने हसबैंड और चार बच्चों के साथ रह रही हैं और उन्हें यहां रहने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्हें अगर यहां दूसरा मकान भी मिलता है, तो उसे अपने बच्चों को दे देंगी। सलीहा का कहना है कि ये वो जगह है, जहां हमने अपनी जिंदगी गुजारी है।
- गांव में छोटी सी दुकान चलाने वाले हेदी अली काएल इस इलाके में बचे वो आखिरी शख्स हैं, जिसे इस बात की जानकारी है कि ये मकान कैसे बने हैं और कैसे मेंटेन किए जाते हैं। उन्होंने यहां आखिरी मकान 1970 में बनाया था। वो अब भी इन मकानों को सुरक्षित रखने में लगे हुए हैं।

टूरिज्म कमाई का जरिया

- यहां रह रहे लोगों के गुजारा जैतून की फार्मिंग और टूरिज्म से होता है। ये जगह तब पॉपुलर डेस्टिनेशन में तब्दील हो गई, जब यहां के अंडरग्राउंड मकानों में होटल खुल गया।
- 1970 में स्टार वॉर्स ने यहां होटल सेट किया था। हालांकि, ट्यूनिशिया में टूरिज्म अभी रिकवरी के दौर में है। 2011 में अरब क्रांति के बाद यहां टूरिज्म में काफी गिरावट आई है।
- यहां रहने वाली सलीहा का कहना है कि अरब क्रांति से पहले यहां टूरिज्म था, लेकिन उसके बाद से गिनती के लोग ही आते हैं।
- उनका कहना है कि छुट्टियों के दौरान यहां ट्यूनिशिया के कुछ लोग घूमने-फिरने के लिए आ जाते हैं, तो उन्हें कुछ टिप दे जाते हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी में अमन राव का दोहरा शतक, चोट से वापसी पर श्रेयस अय्यर का अर्धशतक

एजेंसी, नई दिल्ली

विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में मंगलवार को कई शानदार प्रदर्शन देखने को मिले। हैदराबाद के ओपनर अमन राव के शानदार दोहरे शतक और चोट से वापसी कर रहे मुंबई के कप्तान श्रेयस अय्यर की आक्रामक 82 रन की पारी टूर्नामेंट में सबसे बड़े आकर्षण रहे।

हरियाणा बनाम आंध्र प्रदेशः- हरियाणा के लिए एचजे राणा की बेहतरीन 112 रन की पारी की बदौलत टीम ने 324 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। पार्थ वत्स ने 60 गेंदों पर 69 रन बनाए, जिसमें पांच चौके शामिल थे। आंध्र प्रदेश की ओर से राजू ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 9.5 ओवर में 44 रन देकर पांच विकेट झटके, जबकि साकेत राम ने 3/61 विकेट लिए। आंध्र को जीत के लिए 325 रन का लक्ष्य मिला।

सौराष्ट्र बनाम सर्विसेजः- पहले बल्लेबाजी करते हुए सौराष्ट्र ने 50 ओवर में 5 विकेट पर 349 रन बनाए। एच. देसाई ने 114 गेंदों पर 110 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 13 चौके शामिल रहे। सर्विसेज के लिए पुलकित नारंग ने तीन विकेट चटकाए।

मुंबई बनाम हिमाचल प्रदेशः- चोट के बाद वापसी करते हुए मुंबई के कप्तान श्रेयस अय्यर ने 53 गेंदों पर 82 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 10 चौके और तीन छक्के शामिल थे। हालांकि सूर्यकुमार यादव (21) और यशस्वी जायसवाल (15) बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। खबर लिखे जाने तक मुंबई 32.3 ओवर में 7 विकेट पर 298 रन बना चुकी थी।

उत्तर प्रदेश बनाम विदर्भः- उत्तर प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 339 रन बनाए। ओपनर अभिषेक गोस्वामी ने 109 गेंदों पर 103 रन की शतकीय पारी खेली। उनके अलावा ध्रुव जुरेल (56), प्रियम गर्ग (67) और कप्तान रिंकू सिंह (57) ने अहम योगदान दिया।

हैदराबाद बनाम बंगालः- हैदराबाद के अमन राव ने टूर्नामेंट की सबसे यादगार पारी खेलते हुए 154 गेंदों पर 200 रन ठोक दिए। उनकी पारी में 12 चौके और 13 छक्के शामिल थे। अमन के दोहरे शतक की बदौलत हैदराबाद ने 50 ओवर में 5 विकेट पर 352 रन बनाए। बंगाल की ओर से मोहम्मद शमी ने 3/70 विकेट लिए।

कर्नाटक बनाम राजस्थानः- कर्नाटक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 324 रन बनाए। मयंक अग्रवाल ने 107 गेंदों पर 100 रन और देवदत्त पडिक्कल ने 82 गेंदों पर 91 रन की शानदार पारी खेली। पडिक्कल इस टूर्नामेंट के इतिहास में तीन अलग-अलग सीजन में 600 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए।

गुजरात बनाम ओडिशाः- गुजरात ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 333 रन बनाए। आर्या देसाई (54), उर्विल पटेल (64), अहान पोद्दार (64) और अक्षर पटेल (73) ने उपयोगी पारियां खेलीं। ओडिशा की ओर से बिप्लब समंतराय ने दो विकेट लिए।

आईसीसी महिला टी-20 रैंकिंग में हरमनप्रीत कौर को फायदा, दीप्ती शर्मा ने गंवाया शीर्ष स्थान

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टी20आई सीरीज के पांचवें और अंतिम मुकाबले में शानदार प्रदर्शन का फायदा उठाते हुए आईसीसी महिला टी-20आई बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाई है। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ती शर्मा को गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान गंवाना पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से बताया गया कि तिरुवनंतपुरम में खेले गए आखिरी टी-20आई में हरमनप्रीत कौर ने 43 गेंदों पर 68 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस प्रदर्शन के बाद वह बल्लेबाजी रैंकिंग में 13वें स्थान पर पहुंच गई हैं और अब टॉप-10 के करीब हैं। दीप्ती शर्मा गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड से पीछे खिसककर दूसरे स्थान पर चली गई हैं। दीप्ती का एक विकेट पर 28 रन का प्रदर्शन उन्हें शीर्ष पर बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं रहा। सदरलैंड ने 736 रेटिंग अंकों के साथ फिर से नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है, जबकि दीप्ती उनसे एक अंक पीछे हैं। सदरलैंड इससे पहले अगस्त 2025 में भी नंबर-1 बनी थीं, जब पाकिस्तान की स्पिनर सादिया इकबाल ने शीर्ष स्थान गंवाया था। सीरीज में भारत की 5-0 की क्लीन स्वीप जीत के बाद अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार देखने को मिला है। अमनजोत कौर सात स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 78वें स्थान पर पहुंच गई हैं। श्रीलंका की बल्लेबाज हसिनी परेरा 31 पायदान ऊपर चढ़कर 40वें और इमेशा दुलानी 77 स्थान की बड़ी छलांग के साथ 84वें स्थान पर पहुंच गई हैं, दोनों ने सीरीज में अर्धशतक जमाए थे। गेंदबाजी रैंकिंग में भारत की बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरानी ने भी पांच स्थान की बढ़त के साथ 47वां स्थान हासिल किया है। श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहारी एक स्थान ऊपर चढ़कर 32वें और कप्तान चमारी अथापथ्थु तीन स्थान की प्रगति के साथ 48वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

यूनाइटेड कपः मर्टेंस की जीत से बेल्जियम ने कनाडा को हराया, ग्रुप विजेता का फैसला अब मिक्स्ड डबल्स पर

एजेंसी, सिडनी

एलिस मर्टेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को विक्टोरिया म्बोको को 6-3, 3-6, 6-3 से हराया और यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट में बेल्जियम की कनाडा पर जीत पक्की कर दी। यह मुकाबला 2 घंटे 5 मिनट तक चला। इससे पहले जिज़ू बर्ग्स ने वर्ल्ड नंबर-5 फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 6-4, 6-2 से हराकर बेल्जियम को क्वार्टरफाइनल के बेहद करीब पहुंचा दिया। हालांकि टाई जीतने के बावजूद बेल्जियम को नॉकआउट में पहुंचने के लिए क्लीन स्वीप की जरूरत है। यदि कनाडा मिक्स्ड डबल्स जीतता है, तो वही टीम अगले दौर में प्रवेश करेगी।

मर्टेंस की मजबूत सर्विस, निर्णायक साबित हुई- मर्टेंस ने अपनी दमदार सर्विस के दम पर पहला सेट अपने नाम किया। उन्होंने शुरुआती चार सर्विस गेम्स में एक भी अंक गंवाए बिना होल्ड किया और छठे गेम में म्बोको की सर्विस ब्रेक कर बढ़त बना ली।

हालांकि दूसरे सेट में म्बोको ने जबरदस्त जज्बा दिखाते हुए मुकाबले में वापसी की, लेकिन निर्णायक सेट में मर्टेंस ने फिर नियंत्रण हासिल कर लिया। चौथे गेम में 0-30 से पिछड़ने के बावजूद मर्टेंस ने ब्रेक हासिल किया और अंत तक बढ़त बनाए रखी। डब्ल्यूटीए के अनुसार, मर्टेंस ने मैच में अपनी पहली सर्विस पर 93 प्रतिशत अंक जीते, जो उनकी जीत का बड़ा कारण रहा।

बर्ग्स ने रचा उलटफेर-इससे पहले पुरुष एकल में जिज़ू बर्ग्स ने शानदार खेल दिखाते हुए फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 1 घंटे 28 मिनट में हराया। यह बर्ग्स के करियर की दूसरी टॉप-10 जीत रही। इससे पहले उन्होंने 10 महीने पहले मियामी में तत्कालीन वर्ल्ड नंबर-9 आंद्रे रूबलेव को हराया था। मैच के बाद बर्ग्स ने कहा,"मैं तो भूल ही गया था कि यह मेरी दूसरी टॉप-10 जीत है। यह वाकई बहुत बड़ी बात है, खासकर जिस तरह से मैंने खेला। इस फॉर्मेट में हमें अभी और मैच जीतने हैं, इसलिए मेरा पूरा फोकस सिर्फ काम पूरा करने पर था।"

ऑगर-अलियासिमे का प्रभावहीन प्रदर्शन- हालांकि ऑगर-अलियासिमे ने 2025 में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ सीजन खेला था, जिसमें वह यूएस ओपन सेमीफाइनल तक पहुंचे और निट्टो एटीपी फाइनल्स में भी खेले। सीजन के अपने पहले मैच में उन्होंने झांग के खिलाफ शानदार खेल दिखाया था, लेकिन बर्ग्स के खिलाफ वह उसी लय में नजर नहीं आए। खास बात यह रही कि बर्ग्स ने मुकाबले में मिले सभी पांच ब्रेक पॉइंट बचा लिए। अब ग्रुप विजेता और क्वार्टरफाइनल में जगह का फैसला मिक्स्ड डबल्स मुकाबले से होगा, जिस पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

एशेज पांचवां टेस्टः स्टीव स्मिथ के शतक से ऑस्ट्रेलिया मजबूत, तीसरे दिन स्टंप्स तक ली 134 रनों की बढ़त

एजेंसी, सिडनी

एशेज सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान स्टीव स्मिथ के नाबाद शतक की बदौलत मजबूत स्थिति बना ली है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा रहे मुकाबले के तीसरे दिन स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 124 ओवर में 7 विकेट पर 518 रन बना लिए और इंग्लैंड पर 134 रन की बढ़त हासिल कर ली। स्टंप्स के समय कप्तान स्टीव स्मिथ 205 गेंदों पर 129 रन बनाकर नाबाद थे, जिसमें 15 चौके और एक छक्का शामिल रहा। उनके साथ ब्यू वेबस्टर 58 गेंदों पर 42 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत 91 ओवर में 6 विकेट पर 377 रन से की थी। उस समय स्टीव स्मिथ 115 गेंदों पर 65 रन और कैमरन ग्रीन 13 गेंदों पर 8 रन बनाकर खेल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया ने 98वें ओवर में 400 रन पूरे किए और स्मिथ-ग्रीन के बीच 50 रन की साझेदारी 101वें ओवर में पूरी हुई। हालांकि, 108वें ओवर में तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स ने कैमरन ग्रीन (64 गेंदों पर 37 रन, 3 चौके, 1 छक्का) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद स्मिथ ने पारी को संभालते हुए 110वें ओवर में अपना

37वां टेस्ट शतक पूरा किया। उन्होंने यह उपलब्धि 166 गेंदों में हासिल की। इस शतक के साथ स्मिथ एशेज इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इंग्लैंड के महान खिलाड़ी जैक हॉब्स (3636 रन) को पीछे छोड़ा। इस सूची में सबसे ऊपर ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज डॉन ब्रैडमैन हैं, जिन्होंने एशेज में 5028 रन बनाए थे। यह स्मिथ का एशेज में 13वां शतक भी रहा, जिससे उन्होंने जैक हॉब्स (12 शतक) को पीछे छोड़ दिया। इस मामले में उनसे आगे केवल डॉन ब्रैडमैन (19 शतक) हैं। स्मिथ और ब्यू वेबस्टर ने इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को 100 रन के पार पहुंचाया। 121वें ओवर में स्मिथ ने जोश टंग के खिलाफ दो चौके लगाकर ऑस्ट्रेलिया को 500 रन के पार पहुंचाया। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया 518/7 के स्कोर पर था। इससे पहले, इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 97.3 ओवर में 384 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए जो रूट ने शानदार 242 गेंदों पर 160 रन की पारी खेली, जबकि हैरी ब्रूक ने 97 गेंदों पर 84 रन बनाए। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 169 रन की अहम साझेदारी हुई। इसके अलावा रूट और विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ (46 रन) के बीच 94 रन की साझेदारी भी हुई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से गेंदबाजी में माइकल नेसर ने 4/60 विकेट लेकर सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन किया। मिचेल स्टार्क को 2/93 और स्कॉट बोलैंड को 2/85 विकेट मिले।

संक्षिप्त स्कोरः

इंग्लैंडः 384 रन (जो रूट 160, हैरी ब्रूक 84; माइकल नेसर 4/60, स्कॉट बोलैंड 2/75)

ऑस्ट्रेलियाः 518/7 (ट्रेविस हेड 165, स्टीव स्मिथ 129*; ब्रायडन कार्स 3/108)

संक्षिप्त

सबसे बड़े गोल्फ एमेच्योर टूर्नामेंट बीएमडब्ल्यू कप 2026 की भारत में वापसी

गुरुग्राम। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने मंगलवार को बीएमडब्ल्यू गोल्फ कप 2026 के 16वें संस्करण के कार्यक्रम की घोषणा की। इसके साथ ही भारत के प्रमुख एमेच्योर गोल्फ टूर्नामेंट की एक बार फिर जोरदार वापसी हो रही है। आयोजकों के अनुसार यह अब तक का सबसे बड़ा बीएमडब्ल्यू गोल्फ कप होगा, जिसमें देशभर के 2,200 से अधिक एमेच्योर गोल्फर हिस्सा लेंगे। बीएमडब्ल्यू गोल्फ कप 2026 का आयोजन इस बार और भी व्यापक स्तर पर किया जाएगा। टूर्नामेंट के तहत देश के 13 शहरों में कुल 19 क्वालिफाइंग प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इन शहरों में चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, दिल्ली, वडोदरा, जयपुर, बेंगलुरु, लखनऊ, पटना, कोलकाता और गुरुग्राम शामिल हैं। ये मुकाबले भारत के चुनिंदा और प्रतिष्ठित गोल्फ कोर्स पर खेले जाएंगे। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ हरदीप सिंह बराड़ ने कहा, "बीएमडब्ल्यू गोल्फ कप सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि खेल उत्कृष्टता, समुदाय और यादगार अनुभवों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। 2026 में हम इसका दायरा बढ़ा रहे हैं, जमीनी स्तर पर भागीदारी को मजबूत कर रहे हैं और खिलाड़ियों व मेहमानों के लिए अनुभव को और बेहतर बना रहे हैं। हम पूरे भारत में गोल्फरों की नई पीढ़ी का स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं।" इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में ओमेगा, एतिहाद, टेलरमेड, बैलेंटाइन्स और एचएसबीसी जैसे बड़े ब्रांड्स की भागीदारी भी इसे और खास बनाएगी। बीएमडब्ल्यू गोल्फ कप दुनिया की सबसे बड़ी एमेच्योर गोल्फ टूर्नामेंट सीरीज में से एक है। इसकी शुरुआत करीब 25 साल पहले ब्रिटेन में बीएमडब्ल्यू इनविटेशन टूर्नामेंट के रूप में हुई थी, जो पहले पांच वर्षों तक स्वतंत्र रूप से संचालित हुआ।

ऑस्ट्रेलियन ओपन ने घोषित की रिकॉर्ड इनामी राशि, कुल प्राइज पूल 111.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर

एजेंसी, मेलबर्न

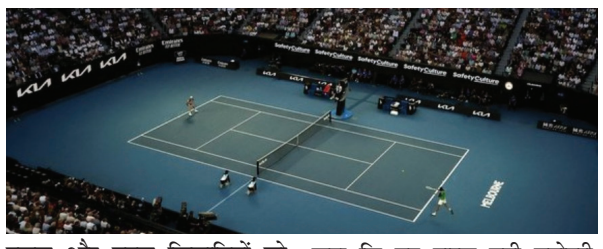

, 06 जनवरी (हि.स.)। ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के आयोजकों ने मंगलवार को टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे बड़ी इनामी राशि की घोषणा की। इस साल का कुल प्राइज पूल 111.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (एयूडी) होगा, जो पिछले साल के 96.5 मिलियन डॉलर की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। सीजन के पहले ग्रैंड स्लैम में पुरुष और महिला एकल वर्ग के विजेताओं को 2.79 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। यह पिछले वर्ष के 2.35 मिलियन डॉलर से 19 प्रतिशत ज्यादा है। उपविजेता को 2.15 मिलियन डॉलर, जबकि सेमीफाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को 1.25 मिलियन डॉलर प्रत्येक मिलेंगे। क्वालिफाइंग राउंड की इनामी राशि में 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है, जबकि सभी एकल और युगल खिलाड़ियों को कम से कम 10 प्रतिशत की वृद्धि मिलेगी। मुख्य ड्रॉ के पहले दौर में हारने वाले खिलाड़ियों को अब 1.5 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर मिलेंगे। टेनिस ऑस्ट्रेलिया के सीईओ क्रेग टाइली ने कहा,"इनामी राशि में 16 प्रतिशत की यह बढ़ोतरी हर स्तर पर टेनिस करियर को समर्थन देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। 2023 से क्वालिफाइंग प्राइज मनी में 55 प्रतिशत की वृद्धि से लेकर खिलाड़ियों की सुविधाओं में सुधार तक हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि पेशेवर टेनिस सभी खिलाड़ियों के लिए टिकाऊ बने।" उन्होंने आगे कहा कि यह प्राइज मनी बढ़ोतरी 'समर ऑफ टेनिस' के तहत टेनिस ऑस्ट्रेलिया के 135 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर के निवेश का हिस्सा है, जिससे सैकड़ों पेशेवर खिलाड़ियों के करियर को समर्थन मिलेगा। मेलबर्न पार्क में तीन सप्ताह तक चलने वाला ग्रैंड स्लैम 12 जनवरी से शुरू होगा। आधिकारिक ड्रॉ 15 जनवरी को ग्रैंड स्लैम ओवल के फैन स्टेज पर निकाला जाएगा, जहां गत चैंपियन यानिक सिनर और मैडिसन कीज की मौजूदगी की उम्मीद है।

इनामी राशि (पुरुष व महिला एकल):

- विजेताः एयूडी 2.79 मिलियन (+19%)
- उपविजेताः एयूडी 2.15 मिलियन (+13%)
- सेमीफाइनलः एयूडी 1.25 मिलियन (+14%)
- क्वार्टरफाइनलः एयूडी 7.5 लाख (+13%)
- चौथा दौरः एयूडी 4.8 लाख (+14%)
- तीसरा दौरः एयूडी 3.27 लाख (+13%)
- दूसरा दौरः एयूडी 2.25 लाख (+13%)
- पहला दौरः एयूडी 1.5 लाख (+14%)

क्वालिफाइंग राउंड (प्रति राउंड):

- क्यू3: एयूडी 83,500 (+16%)
- क्यू2: एयूडी 57,000 (+16%)
- क्यू1: एयूडी 40,500 (+16%)

आज मैं जो कुछ भी हूं, वह खेलो इंडिया की वजह से हूं : दादासो पुजारी

एजेंसी, दीव

महाराष्ट्र के उभरते कबड्डी स्टार दादासो शिवाजी पुजारी ने 'खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026' में अपने सफर का एक पूरा चक्र पूरा कर लिया है। कोल्हापुर में जन्मे दादासो उसी मंच पर लौटे हैं, जिसने उन्हें प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) तक पहुंचने का रास्ता दिखाया था। दीव के घोघला बीच की रेतीली सतह पर खेलते हुए दादासो अब अपने अनुभव से नई पीढ़ी को प्रेरित कर रहे हैं। दादासो ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) मीडिया से बातचीत में कहा कि आज मैं जो कुछ भी हूं, वह खेलो इंडिया की वजह से हूं। पंचकुला के यूथ गेम्स ने मेरे लिए प्रो कबड्डी लीग के दरवाजे खोले। उस स्तर पर खेलने के बाद भी मेरा जुड़ाव खेलो इंडिया से बना रहा। यहां लौटना घर वापसी जैसा लगता है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स पंचकुला से अपने करियर की शुरुआत करने वाले दादासो पुजारी ने तीन सीजन तक प्रो कबड्डी लीग में पुनेरी पलटन के लिए बतौर भरोसेमंद राइट-कॉर्नर डिफेंडर खेला। आज वही खिलाड़ी खेलो इंडिया बीच गेम्स में भाग लेकर यह दिखा रहा है कि किस तरह खेलो इंडिया का रास्ता भारतीय कबड्डी को शीर्ष स्तर तक पहुंचा रहा है और फिर वही खिलाड़ी वापस आकर इस मंच को और मजबूत बना रहे हैं। मैट कबड्डी में अपनी तेज एंकल होल्ड और मजबूत डिफेंसिव समझ के लिए पहचाने जाने वाले दादासो के लिए बीच कबड्डी एक नई चुनौती है। उन्होंने कहा कि रेत पर खेलना मैट से बिल्कुल अलग है। मूवमेंट धीमा होता है, संतुलन बनाना मुश्किल होता है और हर टैकल में ज्यादा ताकत लगती है, लेकिन यही चुनौतियां एक खिलाड़ी को और बेहतर बनाती हैं। दादासो अकेले ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं जो खेलो इंडिया मंच पर लौटे हैं। खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 के दूसरे संस्करण में प्रो कबड्डी लीग में खेल चुके करीब सात खिलाड़ी अलग-अलग राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यही नहीं, हाल ही में जयपुर में संपन्न खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में भी प्रो कबड्डी लीग का अनुभव रखने वाले लगभग 25 खिलाड़ियों ने अपने-अपने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। दादासो ने कहा कि खेलो इंडिया युवा खिलाड़ियों को एक्सपोजर, आत्मविश्वास और एक साफ दिशा देता है। जब प्रोफेशनल खिलाड़ी वापस आकर यहां खेलते हैं, तो मुकाबले का स्तर अपने आप बढ़ जाता है और युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलती है।

एफकॉन 2025: मिस्र ने बेनिन को 3-1 से हराकर अंतिम-16 में किया प्रवेश

एजेंसी, अगादिर

मिस्र के कप्तान मोहम्मद सलाह ने 124वें मिनट में निर्णायक गोल दागकर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (एफकॉन) 2025 के अंतिम-16 मुकाबले में बेनिन पर 3-1 से रोमांचक अतिरिक्त समय की जीत दिलाई। कड़े संघर्ष वाले इस मैच में बेनिन ने अंत तक मिस्र को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अनुभव और गुणवत्ता ने अंततः मिस्र का पलड़ा भारी कर दिया। रिकॉर्ड सात बार के चैंपियन मिस्र अब क्वार्टरफाइनल में शनिवार को डिफेंडिंग चैंपियन आइवरी कोस्ट या बुर्किना फासो से भिड़ेगा। यह मुकाबला भी अगादिर में ही खेला जाएगा। मैच के बाद मिस्र के कोच होसाम हसन ने कहा,"मैंने पहले ही कहा था कि यहां कोई आसान टीम नहीं होती। बेनिन ने हमें कड़ी चुनौती दी। मिस्र एक बड़ी टीम है और मैं अपने लोगों को खुश करना चाहता हूं। मोहम्मद हम्दी की चोट चिंताजनक है, लेकिन खिलाड़ियों ने उनके लिए खेल दिखाया।" वहीं बेनिन के कोच गर्नोट रोहर ने कहा,"यह एक बेहतरीन लड़ाई थी, फुटबॉल के साथ जज्बे की भी। मिस्र के खिलाड़ियों का स्तर अलग है। हमारे स्टार स्ट्राइकर स्टीव मौनी की गैरमौजूदगी हमें भारी पड़ी, खासकर हवाई खेल में।"

मैच का हाल

- मिस्र ने अपने पिछले ग्रुप मैच की तुलना में टीम में 10 बदलाव किए, केवल इब्राहिम आदेल को बरकरार रखा गया। शुरुआती मिनटों में ओमार मार्मूश को बढ़त दिलाने का मौका मिला, लेकिन बेनिन के गोलकीपर मार्सेल डांडजिनू ने शानदार बचाव किया।
- पहले हाफ में मोहम्मद हम्दी चोटिल होकर बाहर हुए, जिससे मिस्र को झटका लगा। दूसरे हाफ में मुकाबला खुला और अतिया ने दूर से सटीक शॉट लगाकर बढ़त दिलाई। लेकिन बेनिन ने हार नहीं मानी और 83वें मिनट में डोसोउ ने बराबरी कर दी।
- अतिरिक्त समय में अतिया के क्रॉस पर यासिर इब्राहिम का हेडर गोल में गया और फिर सलाह ने मुकाबले पर मुहर लगा दी।
- दो बार उपविजेता रह चुके सलाह अब भी अपने पहले एफकॉन खिताब की तलाश में हैं, और इस जीत के साथ मिस्र ने उस दिशा में मजबूत कदम बढ़ा दिया है।

मैनचेस्टर सिटी को बड़ा झटकाः जोस्को ग्वार्डियोल की दाहिने पैर की पिंडली की हड्डी में फ्रैक्चर, होगी सर्जरी

एजेंसी, मैनचेस्टर

मैनचेस्टर सिटी के डिफेंडर जोस्को ग्वार्डियोल को बड़ा झटका लगा है। क्लब ने पुष्टि की है कि रविवार को चेल्सी के खिलाफ खेले गए 1-1 के ड्रॉ मुकाबले के दौरान उनके दाहिने पैर की पिंडली (टिबिया) में फ्रैक्चर हो गया है। 23 वर्षीय क्रोएशियाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी की इस सप्ताह सर्जरी की जाएगी। ग्वार्डियोल को स्टैमफोर्ड ब्रिज में खेले गए मुकाबले में दूसरे हाफ की शुरुआत में हाफवे लाइन के पास एक अजीब टक्कर के बाद चोट लगी, जिसके चलते उन्हें 51वें मिनट में मैदान छोड़ना पड़ा। पहले से ही चोटों से जूझ रही सिटी की रक्षा पंक्ति को यह एक और बड़ा झटका है। मैच के करीब आधे घंटे बाद ही टीम के दूसरे नियमित सेंटर-बैक रूबेन डियास भी चोट

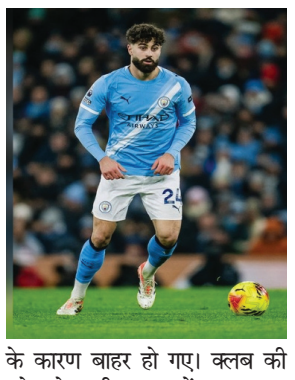

के कारण बाहर हो गए। क्लब की ओर से जारी बयान में कहा गया, "मैनचेस्टर सिटी पुष्टि करता है कि जोस्को ग्वार्डियोल के दाहिने पैर में टिबियल फ्रैक्चर हुआ है। डिफेंडर की इस सप्ताह सर्जरी होगी और चोट की गंभीरता व रिकवरी अवधि का आकलन जारी है।" मैच के आखिरी 10 मिनट शेष रहते डियास को भी मैदान से बाहर जाना पड़ा, जिससे मुकाबले के नाजुक मोड़ पर सिटी की रक्षापंक्ति और कमजोर हो गई। चोट के बाद ग्वार्डियोल ने इंस्टाग्राम पर भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा, "यह एक कठिन पल है, लेकिन यही मेरी पहचान नहीं है। मुझे पता है मैं कौन हूं और कहां से आया हूं। मैं हर दिन और मजबूत होकर लौटने के लिए लड़ूंगा। मैं फिर उठूंगा, पहले से बेहतर।"

डिफेंस में संकट, युवा खिलाड़ी को बुलाया गया- बढ़ती चोट समस्याओं को देखते हुए सिटी ने अपने अकादमी ग्रेजुएट मैक्स एलीन को चैम्पियनशिप क्लब वॉटफोर्ड से लोन से वापस बुला लिया है। 20 वर्षीय एलीन को बुधवार को ब्राइटन के खिलाफ लीग मुकाबले के लिए स्क्वाड में शामिल किया जा सकता है। मैच के बाद मैनेजर पेप गार्डियोला ने डियास की चोट पर कहा, "हां, यह मांसपेशियों की समस्या लग रही है। मैंने डॉक्टर से बात नहीं की है, लेकिन अगर रूबेन बाहर गए हैं तो जरूर उन्हें कुछ महसूस हुआ होगा। हमारे पास पहले से कई चोटें हैं—जॉन स्टोन्स कई महीनों से बाहर हैं, अब रूबेन और जोस्को भी बाहर होंगे।" उन्होंने आगे कहा,"हम जानते हैं कि नाथन नियमित रूप से नहीं खेल सकते। पिछली सीजन में जो हुआ उसके बाद, अगर हम मजबूत बने रहे तो समाधान निकाल लेंगे। अगर टीम का जज्बा कायम रहा, तो हम भी कायम रहेंगे।"

लीग में स्थिति- चेल्सी के खिलाफ ड्रॉ के साथ मैनचेस्टर सिटी सभी प्रतियोगिताओं में अपने पिछले 10 मैचों में अपराजेय रही है, जिसमें 8 जीत और 2 ड्रॉ शामिल हैं। इस नतीजे से सिटी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर लौट आई है, हालांकि वह अभी भी शीर्ष पर मौजूद आर्सेनल से छह अंक पीछे है।

कंगना रनौत ने नई फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की शूटिंग शुरू की, सेट से शेयर किया वीडियो

अभिनेत्री कंगना रनौत को आखिरी बार पिछले साल जनवरी में रिलीज हुई फिल्म 'इमरजेंसी' में देखा गया था। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिल पाई, जिसके बाद कंगना ने अपना ज़्यादातर फोकस राजनीति पर कर लिया था। अब एक बार फिर वह फिल्मों की ओर लौटती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने खुद संकेत दिए हैं कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह फिल्म के सेट पर दिखाई दे रही हैं। वीडियो में वह निर्देशक मनोज तापड़िया के साथ बातचीत करती नजर आती हैं। इस पोस्ट के जरिए कंगना ने बताया कि वह अपनी आगामी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की शूटिंग शुरू कर चुकी हैं। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि लंबे वक्त बाद शूटिंग पर लौटकर उन्हें बेहद अच्छा महसूस हो रहा है। 'भारत भाग्य विधाता' की घोषणा साल 2024 में हुई थी, हालांकि फिल्म से जुड़ी ज्यादा जानकारियां अभी सामने नहीं आई हैं। इसी बीच खबर है कि कंगना जल्द ही हॉलीवुड में भी डेब्यू करने वाली हैं। वह हॉरर-ड्रामा फिल्म 'ब्लेस्ड बी द ईविल' में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन अनुराग रुद्र कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ टायलर पोसी और स्कारलेट रोज स्टैलोन भी अहम भूमिकाओं में होंगे। इसके अलावा, कंगना के पास 'क्वीन 2' और 'तनु वेड्स मनु 3' जैसे चर्चित प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनका आधिकारिक ऐलान अभी होना बाकी है।

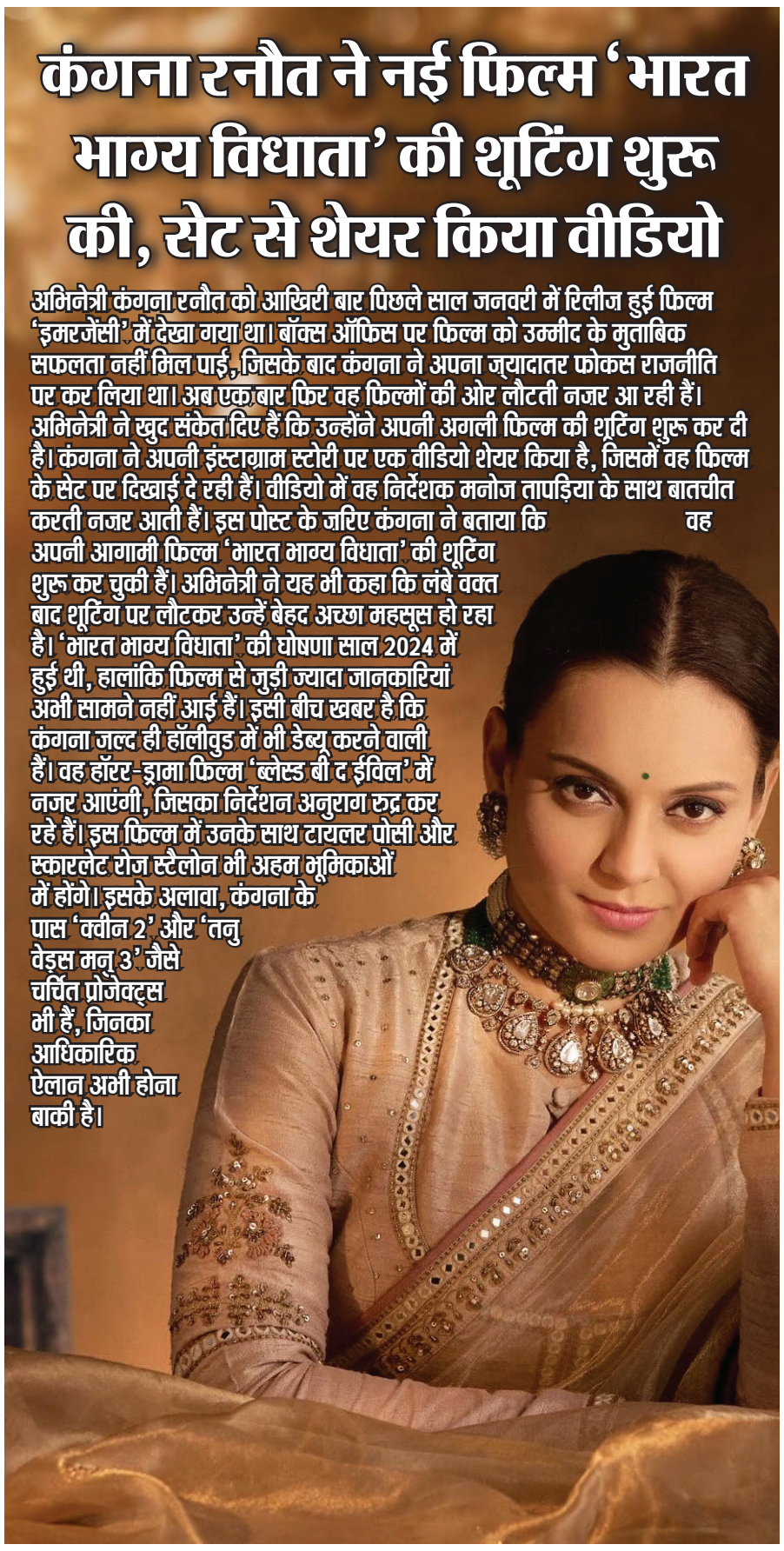

'टॉक्सिक' की पहली झलक में मेलिसा के अवतार में नजर आईं रुक्मिणी वसंत

पैन-इंडिया प्रोजेक्ट 'टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' को लेकर दर्शकों की उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है। फिल्म की पहली झलक यश के दमदार लुक के साथ सामने आई थी, जिसके बाद मेकर्स एक-एक कर फीमेल कैरेक्टर्स के फर्स्ट लुक जारी कर रहे हैं। कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, नयनतारा और तारा सुतारिया के बाद अब फिल्म से जुड़ी एक और अभिनेत्री का लुक सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोरी है। मेकर्स ने इस बार अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत को फिल्म से इंट्रोड्यूस किया है। पोस्टर में वह मेलिसा के किरदार में दिखाई दे रही हैं। उनका लुक बेहद स्टाइलिश, रहस्यमयी और कातिलाना अंदाज़ में पेश किया गया है। वेस्टर्न आउटफिट, स्लीक हेयरस्टाइल और इंटेंस एक्सप्रेशन के साथ रुक्मिणी का यह अवतार साफ संकेत देता है कि फिल्म में उनका किरदार कहानी के लिए अहम मोड़ साबित हो सकता है। 'कांताराः चैप्टर 2' से अपनी अलग पहचान बना चुकी रुक्मिणी का यह नया लुक फैंस के बीच तेजी से वायरल हो रहा है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी 'टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। वहीं, इंडस्ट्री में यह चर्चा भी जोरों पर है कि यश के जन्मदिन 8 जनवरी के मौके पर फिल्म का टीज़र जारी किया जा सकता है। हालांकि, मेकर्स की ओर से इस पर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

हंसी के साथ ग्रहों की टक्कर, 'राहु केतु' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

जी स्टूडियोज और बीलाइव प्रोडक्शन्स की फिल्म 'राहु केतु' का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज होते ही चर्चा में आ गया है। ट्रेलर साफ संकेत देता है कि यह फिल्म दर्शकों को एक ऐसे अनोखे सफर पर ले जाने वाली है, जहां पौराणिक कथाएं आज के दौर की अफरातफरी से टकराती हैं और हंसी-मस्ती के बीच एक गहरा कॉस्मिक संदेश उभरकर सामने आता है। चुटीले डायलॉग्स, ह्यूमर और दमदार परफॉर्मेंस के दम पर ट्रेलर एक ऐसी फिल्म का वादा करता है, जो मनोरंजन के साथ-साथ सोचने पर भी मजबूर करेगी। ट्रेलर की शुरुआत पीयूष मिश्रा की प्रभावशाली आवाज से होती है, जो राहु और केतु के पौराणिक महत्व को अपनी खास कहानी कहने की शैली में पेश करते हैं। उनकी आवाज कहानी को लोककथाओं की जड़ों से जोड़ते हुए उस दुनिया की नींव रखती है, जहां प्राचीन मान्यताएं आधुनिक उलझनों से टकराती नजर आती हैं। यह सेट-अप फिल्म के टोन और थीम को शुरुआत में ही मजबूती देता है। पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा इस फिल्म की कमान संभालते दिखाई देते हैं। दोनों की कॉमिक टाइमिंग और आपसी केमिस्ट्री ट्रेलर में ही असर छोड़ जाती है। पुलकित अपने किरदार में आकर्षण, चालाकी और असमंजस लेकर आते हैं, जबकि वरुण शर्मा अपने सिचुएशनल और फिजिकल ह्यूमर से एक बार फिर साबित करते हैं कि कॉमेडी उनका सबसे मजबूत पक्ष है। फिल्म को लेकर पुलकित सम्राट कहते हैं कि फैंटेसी की दुनिया हमेशा से उन्हें आकर्षित करती रही है और 'राहु-केतु' का अराजक लेकिन रंगीन यूनिवर्स उनके लिए बेहद एक्साइटिंग रहा। वहीं वरुण शर्मा का मानना है कि फिल्म का ह्यूमर इंसानी कमजोरियों और हालातों से निकला है, जहां हंसी के साथ-साथ एक आईना भी दिखाया जाता है। ट्रेलर में शालिनी पांडे एक मजबूत और आत्मविश्वासी किरदार में नजर आती हैं, जो कहानी को भावनात्मक गहराई देती है। उनका किरदार फिल्म की नैतिक धुरी बनकर उभरता है और पूरे हंगामे को एक दिशा देता है। शालिनी के मुताबिक, यह फिल्म उनके करियर के सबसे मजेदार अनुभवों में से एक रही है, जहां निर्देशक का स्पष्ट विज़न और कलाकारों को मिली आजादी काम को खास बनाती है। 'राहु केतु' को अलग बनाता है पौराणिक किरदारों का सीधे कहानी में उतरना, जो फिल्म को एक बड़े दार्शनिक स्तर तक ले जाता है। कर्म और परिणाम के संदेश को हंसी, अराजकता और कॉस्मिक असर के साथ बेहद सहज ढंग से पेश किया गया है। पौराणिकता, कॉमेडी और सामाजिक सोच का यह अनोखा संगम 'राहु केतु' को एक खास सिनेमाई अनुभव बनाता है, जो 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

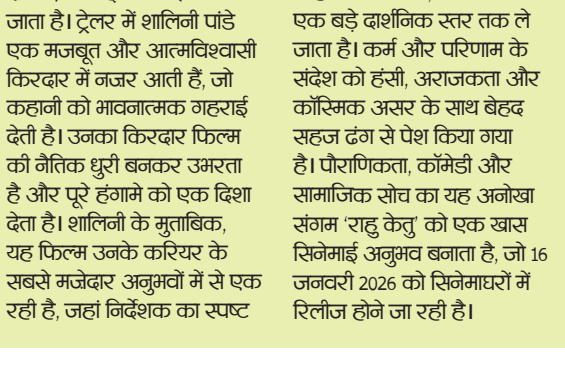

हंसी और इमोशन का डोज फिर तैयार, 'सिंगल पापा' सीजन 2 अनाउंस

अभिनेता कुणाल खेमू की वेब सीरीज 'सिंगल पापा' का प्रीमियर दिसंबर 2025 में हुआ था और छह एपिसोड की इस कॉमेडी-ड्रामा ने रिलीज होते ही दर्शकों के बीच खास जगह बना ली। सीरीज को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद अब मेकर्स इसके दूसरे सीजन के साथ लौटने के लिए तैयार हैं। नेटफ्लिक्स ने आधिकारिक तौर पर 'सिंगल पापा 2' का ऐलान कर दिया है, जिसके बाद फैंस का उत्साह साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने 'सिंगल पापा 2' का नया पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "बधाई हो, सीजन 2 होने वाला है। सिंगल पापाः सीजन 2, जल्द आ रहा है, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर।" इस घोषणा के साथ ही सोशल मीडिया पर दर्शक अपनी खुशी जाहिर करते नजर आ रहे हैं और नई किस्त का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सीरीज की कहानी गहलोत परिवार की खट्टी-मीठी नोकझोंक और भावनात्मक रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है। कुणाल खेमू इसमें गौरव गहलोत के किरदार में नजर आते हैं, जो एक लावारिश बच्चे को अपनाने का फैसला करता है। उनके साथ नेहा धूपिया, मनोज पाहवा, प्राजक्ता कोली और दयानंद शेट्टी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देते हैं। अब दूसरे सीजन से दर्शकों को और ज़्यादा हंसी, इमोशन और दिल छू लेने वाले पल मिलने की उम्मीद है।

विवेक अग्निहोत्री ने 'धुरंधर' पर दी प्रतिक्रिया

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' दर्शकों और आलोचकों दोनों के बीच चर्चा का केंद्र बनी हुई है। फिल्म की सफलता और अभिनय की तारीफें इतनी तेजी से फैल रही हैं कि बड़े नाम के फिल्म निर्माता भी इसकी सराहना कर रहे हैं।

विवेक अग्निहोत्री ने किया प्रशंसा का इज़हार : चर्चित फिल्मों 'द कश्मीर फाइल्स' और 'द वैक्सीन वॉर' के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' देखकर सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया शेयर की। विदेश यात्रा से लौटते ही उन्होंने सबसे पहले यह फिल्म देखी और कहा, "मैं दंग रह गया और मुझे गर्व महसूस हो रहा है।" अग्निहोत्री ने फिल्म के प्रोडक्शन डिजाइन की भी तारीफ की और लिखा कि उनके दोस्त सैनी जोहराय द्वारा किया गया डिजाइन न केवल सजावटी है, बल्कि पूरी कहानी को मजबूती देता है। उन्होंने फिल्म की पूरी टीम को प्रशंसा के काबिल बताया।

निर्देशक आदित्य धर को विशेष श्रेय : विवेक ने आदित्य धर के काम की विशेष सराहना करते हुए कहा, "मैंने हमेशा आपके काम की तारीफ की है, लेकिन यह फिल्म आपको एक अलग लेवल पर ले जाती है। मैंने फिल्म देखी और मुझे आप पर, आपकी कला पर और भारतीय सिनेमा पर गर्व महसूस हुआ।"

'धुरंधर' के कमाई में आई गिरावट

आदित्य धर के निर्देशन में बनी रणवीर सिंह स्टारर फिल्म 'धुरंधर' ने दिसंबर, 2025 में रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर तूफान मचा दिया था। नए साल 2026 की शुरुआत में भी फिल्म की कमाई का सिलसिला जारी रहा, लेकिन अब वीकडेज में लौटते ही इसकी रफ्तार थोड़ी थमती नजर आ रही है। वहीं दूसरी ओर, अगस्त्य नंदा की फिल्म 'इक्कीस' के लिए हालात और भी मुश्किल होते दिख रहे हैं, क्योंकि पहले ही हफ्ते में फिल्म की कमाई औंधे मुंह गिर गई है।

सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, 'धुरंधर' ने रिलीज के 32वें दिन भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 4.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। यह अब तक का फिल्म का सबसे कम सिंगल-डे कलेक्शन है। इसके साथ ही भारत में फिल्म की कुल कमाई 776.75 करोड़ तक पहुंच गई है। हालांकि, वर्ल्डवाइड स्तर पर फिल्म का जलवा बरकरार है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 'धुरंधर' दुनियाभर में 1,240 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। रणवीर सिंह के अलावा फिल्म में संजय दत्त, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और अक्षय खन्ना अहम भूमिकाओं में हैं।

मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी 'इक्कीस' को कारोबारी दिनों में आते ही बड़ा झटका लगा है। सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने रिलीज के 5वें दिन महज 1.35 करोड़ कमाए हैं। इसके साथ ही भारतीय बॉक्स ऑफिस पर इसका कुल कलेक्शन 1.50 करोड़ हो गया है। गौरतलब है कि, 'इक्कीस' को पहले 25 दिसंबर को रिलीज किया जाना था, लेकिन रणवीर सिंह की 'धुरंधर' के दबदबे से बचाने के लिए इसे पहली जनवरी, 2026 पर शिफ्ट किया गया। हालांकि, रिलीज डेट बदलने के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करती ही नजर आ रही है। यह फिल्म सेना में सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेतरपाल के जीवन पर आधारित है। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान बसंतर की लड़ाई में अरुण खेतरपाल मात्र 21 साल में शहीद हुए थे। फिल्म का निर्देशन श्रीराम राघवन तथा दिनेश विजान व बिन्नी पड्डा ने इसका निर्माण किया है। फिल्म की मुख्य भूमिका में दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र के साथ नवोदित अभिनेता अगस्त्य नंदा शहीद अरुण खेतरपाल की भूमिका में हैं। वहीं नवोदित अभिनेत्री सिमर भाटिया के अलावा फिल्म में जयदीप अहलावत, असरानी, विवान शाह, सिकंदर खेर, राहुल देव, जाकिर हुसैन आदि अहम भूमिका में हैं।

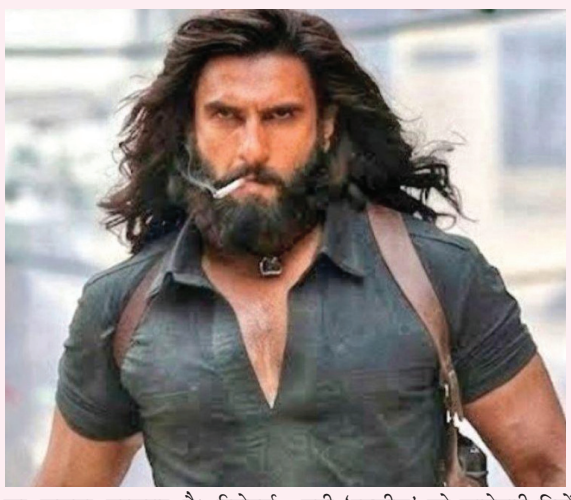

ऑस्कर के और करीब पहुंची 'होमबाउंड', टॉप 15 में हुई शॉर्टलिस्ट

नीरज राघवानी के निर्देशन में बनी फिल्म 'होमबाउंड' 98वें अकादमी अवॉर्ड्स (ऑस्कर 2026) की रेस में भारत के लिए एक अहम मुकाम हासिल कर चुकी है। ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जाह्नवी कपूर स्टारर इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म कैटेगरी की शॉर्टलिस्ट में शामिल किया गया है। यह भारत के लिए गर्व का क्षण है, क्योंकि ऑस्कर नामांकन की इस दौड़ में 'होमबाउंड' ने एक और बड़ा पड़ाव पार कर लिया है। अकादमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज द्वारा जारी सूची में 'होमबाउंड' के अलावा 14 अन्य फिल्मों को भी शॉर्टलिस्ट किया गया है। इनमें ब्राजील की 'द सीक्रेट एजेंट', अर्जेंटीना की 'बेलेन', फ्रांस की 'इट वाज जस्ट एन एक्सीडेंट', जर्मनी की 'साउंड ऑफ फॉलिंग', जापान की 'कोकुहो', दक्षिण कोरिया की 'नो अदर चॉइस', स्विट्जरलैंड की 'लेट शिफ्ट', ताइवान की 'लेफ्ट-हैंडेड गर्ल' और ट्यूनीशिया की 'द वॉइस ऑफ हिंद राजब' जैसी चर्चित फिल्में शामिल हैं। धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी 'होमबाउंड' इससे पहले कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 और टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भी सराही जा चुकी है। अब ऑस्कर 2026 में शॉर्टलिस्ट होने के बाद फिल्म से उम्मीदें और बढ़ गई हैं। अकादमी जल्द ही इन 15 फिल्मों में से 5 फाइनल नॉमिनी का ऐलान करेगी और ऐसे में 'होमबाउंड' का नाम भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक बड़ी उपलब्धि बनकर उभर रहा है।

प्रकाशक - मुद्रक एवं संपादक नंदन झा के द्वारा केलांचल टाइम्स के 1ए, प्रथम तल, साईं निवास, बुधविहार, अरगोड़ा चौक, रांची, झारखंड 834002, S H printers pvt Ltd से मुद्रित, रांची से प्रकाशित, कार्यालय - रातू काठीटांड़, टेंडर बगीचा के पास, एच.पी. पेट्रोल पंप, पीओ+पीएस- रातू, रांची, झारखण्ड - 835222. मोबाइल नंबर 7759804611, RNI NO:-JHHIN/25/A1170